विवरणिका 2025—26

हिंदू कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

कॉलेज के संस्थापक

श्री कृष्ण दास की गुड़वाले

कॉलेज कुल गीत

संस्कृति सौरभ गौरव मंडित हमारा हिंदू कॉलेज
ज्ञानदाता सुखप्रदाता राष्ट्र–सितारा हिंदू कॉलेज

देश विदेश में इसका नाम ?
श्रेष्ठ प्रतिभाओं का ये धाम
निष्ठा समर्पण सुकर्मयुक्त न्यारा हिंदू कॉलेज
संस्कृति सौरभ गौरव मंडित हमारा हिंदू कॉलेज
ज्ञानदाता सुखप्रदाता राष्ट्र–सितारा हिंदू कॉलेज

वीणापाणि का पाकर वरदान
नित नित बढ़ता इसका मान
प्रतिष्ठित प्रबुद्ध श्रेष्ठ जन का प्यारा हिंदू कॉलेज
संस्कृति सौरभ गौरव मंडित हमारा हिंदू कॉलेज
ज्ञानदाता सुखप्रदाता राष्ट्र–सितारा हिंदू कॉलेज

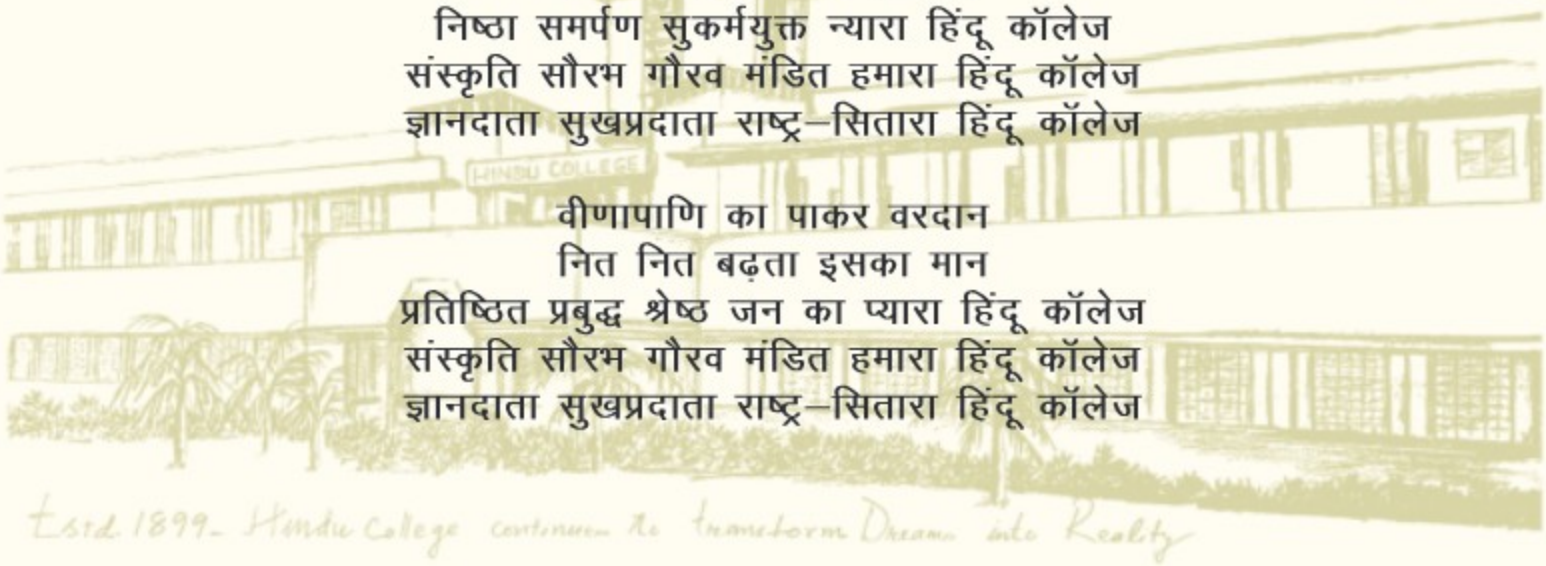

विषयानुक्रमाणिका

विवरण	पृष्ठ संख्या
महत्वपूर्ण लिंक	1
प्राचार्या संदेश	2
कॉलेज प्रशासन और विवरणिका कॉमेटी	3
कॉलेज प्रॉफाईल	4
नैएक प्रमाणपत्र	9
कॉलेज रेकिंग	10
विभाग	12
दि॰ वि॰ वि॰ स्नातक कार्यक्रमों में पंजीकरण और प्रवेष नियमित छात्रों के लिए	49
स्नातक पाठयक्रमों के लिए श्रेणीवार सीटों का वितरण	52
ई॰ सी॰ ए॰ प्रवेश	53
खेल प्रवेश	54
महत्वपूर्ण प्रवेश समितियाँ	55
पाठ्यक्रम वार प्रभारी शिक्षक (2025–26)	57
स्नातक शुल्क संरचना (2025–26)	58
महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम लिंगे	61
विदेशी भाषा पाठ्यक्रम	63
पुरस्कार छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता	64
उपस्थिति नियम	71
यूजीसीएफ के अंतर्गत आंतरिक एवं सतत मूल्यांकन : 2022	72
महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय अध्यादेश	74
कॉलेज हॉस्टल	79
कॉलेज पुस्तकालय	81
अनुसंधान फैलोशिप	84
कॉलेज आऊटरिच	85
विज्ञान और नवाचार को बढ़ावा देना	86
डी॰ वी॰ टी॰ स्टार कॉलेज	87
अंतराष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय	89
छात्रों गतिविधियाँ / संलग्नताएँ	90
कॉलेज सोसॉयटी	94
प्रतिष्ठित पूर्व छात्र हिंदू कॉलेज	114
महत्वपूर्ण सूचना	121
अस्वीकरण	122

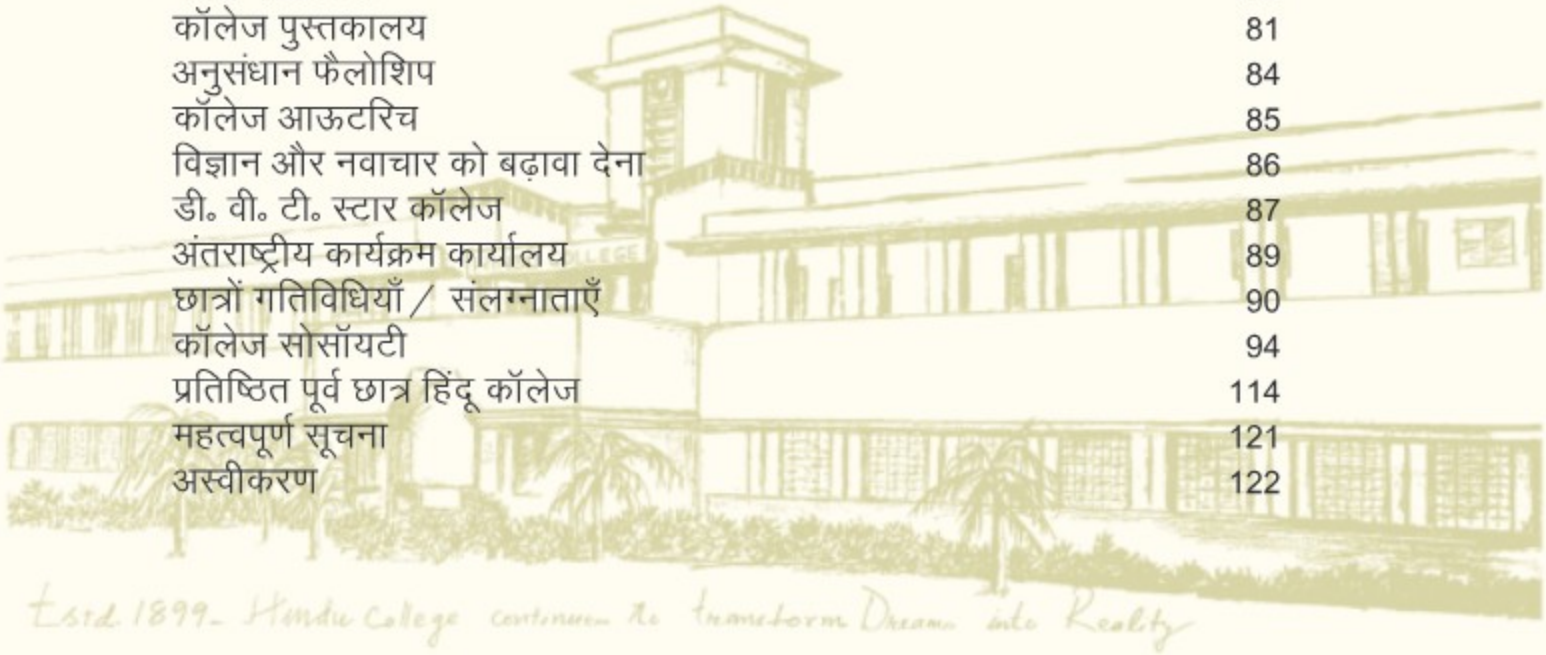

IMPORTANT LINKS
UNDERGRADUATE ADMISSIONS 2025-26

UNDERGRAUATE ADMISSIONS

For admission to Undergraduate Programs of University of Delhi, all candidates must appear in the Common University Entrance Test [CUET(UG)-2025].
For information related to CUET (UG)-2025 visit
https://cuet.nta.nic.in/

ADMISSION @ UNIVERSITY OF DELHI
For information related to admissions at University of Delhi visit
–Admission 2025 UG Admissions

DUs' NEP syllabus page: https://www.du.ac.in/index.php?page=nep-ugcf-2022-syllabi

Your progression through NEP years page:
https://www.du.ac.in/uploads/UGCF-Flowchart.pdf

प्राचार्य का संदेश

हिंदू कॉलेज उच्च शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान है, जो अकादमिक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक जीवंतता की समृद्ध विरासत से भरा हुआ है। 126 वर्षों से अधिक के गौरवशाली इतिहास के साथ, कॉलेज अपनी पोषित परंपराओं और नए विचारों को अपनाते हुए गतिशील निरंतर है। हर साल, हम देश भर से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के एक जीवंत समूह का स्वागत करते हैं, जो अपनी विविधता, बुद्धिमत्ता और जुनून से हमारे शैक्षणिक और सांस्कृतिक जीवन को समृद्ध करते हैं।

इस उल्लेखनीय संस्थान का नेतृत्व करना, समर्पित संकाय–सदस्यों, कर्त्तव्यनिष्ठ–कर्मचारियों और असाधारण विद्यार्थियों की आकांक्षाओं का समर्थन करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। कॉलेज के आदर्श वाक्य– 'सत्य का संगीत' द्वारा निर्देशित – हम आलोचनात्मक दृष्टि और बौद्धिक ईमानदारी की भावना को पोषित करने का प्रयास करते हैं। हमारे शैक्षणिक विभाग, शोध, पहल और पाठ्येतर गतिविधियों का एक विस्तृत आकाश बनाते हैं, जिससे विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा मिलता। हिंदू कॉलेज केवल डिग्री हासिल करने की जगह नहीं है, यह एक परिवर्तनकारी स्थान है जहाँ युवा मस्तिष्कों को जिम्मेदार, दयालु और सक्षम व्यक्तियों के रूप में गढ़ा जाता है।

हमें गर्व है अपने प्रतिबद्ध संकाय सदस्यों, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, और अपने जीवंत विद्यार्थियों पर जो एक समावेशी परिसर का निर्माण करते हैं, हमारे यहाँ विद्यार्थियों को अन्तः अनुशासनिक दृष्टिकोणों का पता लगाने, पारंपरिक सीमाओं को चुनौती देने और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

यह विवरणिका हिंदू कॉलेज की एक समृद्ध झलक प्रदान करती है– एक ऐसी जगह जहाँ सीखना कक्षाओं से परे होता है। हम जिज्ञासु और प्रेरित विद्यार्थियों के एक नए बैच का स्वागत करने के लिए तत्पर हैं, जो न केवल कॉलेज का हिस्सा बनेंगे, बल्कि हिंदू कॉलेज में उत्कृष्टता की निरंतर कहानी में भी अपना योगदान देंगे।

मुझे पूरा विश्वास है कि हिंदू कॉलेज में व्यतीत आपका समय आपके जीवन के सबसे समृद्ध और यादगार चरणों में से एक होगा। आप अपने रास्ते में आने वाले कई अवसरों का लाभ उठाएँ और इस प्रतिष्ठित संस्थान की विरासत को आगे बढ़ाएँ।

शुभकामनाएँ

प्राचार्य प्रो॰ अंजू श्रीवास्तव

हिंदू कॉलेज

कॉलेज प्रशासन

Vice-Principal
Prof. Reena Jain

Bursar
Dr. Varunendra Singh Rawat

Warden (Girls Hostel)
Ms. Kritika Sharma

Librarian
Mr. Sanjeev Dutt Sharma

Administrative Officer
Ms. Rajesh Sharma

Administrative Officer (Accounts)
Ms. Ritu Sharma

Section Officer
Mr. Dinesh Kumar

Section Officer (Accounts)
Mr. Neeraj Jamwal

विवरणिका समिति

Prof. Debasree Goswami

Dr. Niti Bhutani

Prof. Soma Mondal Ghorai

Dr. Siddharth N Kanoujia

Prof. Vivek Verma

कॉलेज प्रोफाइल

हिंदू कॉलेज को देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में माना जाता है। देशभर में अत्यंत प्रतिष्ठित हिंदू कॉलेज अपने पूर्व विद्यार्थियों की स्मृतियों में भी ऊंचा स्थान रखता है, जिनमें से कई सरकार, व्यापार, उद्योग, मीडिया और शिक्षा क्षेत्र की प्रमुख हस्तियाँ हैं। पूरे भारत और विदेशों से विद्यार्थी यहाँ शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं और अपनी रुचि के चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं, चाहे वह शिक्षा हो, खेल हो या पाठ्येतर गतिविधियाँ।

कॉलेज की स्थापना एक सदी से भी पहले 1899 में स्वर्गीय श्री किशन दास जी गुड़वाल ने की थी। ब्रिटिश शासन के खिलाफ राष्ट्रीय संघर्ष की पृष्ठभूमि में, दिल्ली के गुड़वाल जी सहित कुछ प्रमुख परोपकारी नागरिकों ने एक शैक्षणिक संस्थान शुरू करने का फैसला किया, जो युवाओं को राष्ट्रीय, गैर–अभिजात्यवादी और गैर–सांप्रदायिक शिक्षा प्रदान करे। मूल रूप से, कॉलेज किनारी बाजार, चांदनी चौक में एक साधारण इमारत में स्थित था, और पंजाब विश्वविद्यालय से संबद्ध था क्योंकि उस समय दिल्ली विश्वविद्यालय स्थापित नहीं हुआ था। जैसे–जैसे कॉलेज का विकास हुआ, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण 1902 में इसे एक बड़े संकट का सामना करना पड़ा। सौभाग्य से, इस समय, राय बहादुर सुल्तान सिंह ने उदारतापूर्वक कश्मीरी गेट स्थित अपनी ऐतिहासिक संपत्ति (जो मूल रूप से कर्नल स्किनर की थी), का एक हिस्सा कॉलेज को दान कर दिया, जिससे यह 1953 तक वहां काम कर सका, जिसके बाद, यह दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में अपने वर्तमान स्थान पर आ गया।

हिंदू कॉलेज भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बौद्धिक और राजनीतिक बहस का केंद्र था, खासकर भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान। यह दिल्ली का एकमात्र कॉलेज है, जिसमें 1935 से छात्र संसद है, जिसने महात्मा गांधी, पंडित मोती लाल नेहरू, पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, मोहम्मद अली जिन्ना और सुभाष चंद्र बोस सहित कई राष्ट्रीय नेताओं को एक मंच प्रदान किया। 1942 में गांधीजी के भारत छोड़ो आह्वान का पूरे दिल से स्वागत करते हुए, कॉलेज ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई। कॉलेज के कुछ शिक्षक और विद्यार्थी जेल भी गए।

2024 में, हिंदू कॉलेज अपने अस्तित्व के 125 गौरवशाली वर्ष पूरे कर चुका है। इस अवसर पर हुए समारोह को इसके समृद्ध इतिहास और विरासत के एक साल तक चलने वाले उत्सव के रूप में चिह्नित किया गया। क्वासक्विसेंटेनियल समारोह में संस्थान की उल्लेखनीय यात्रा को याद करते हुए शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक शानदार श्रृंखला शामिल थी। इस दौरान पुरुषों के छात्रावास की आधारशिला रखी गई। समारोह के तुरंत बाद, दो मंजिला अत्याधुनिक सांगानेरिया फैकल्टी ब्लॉक का उद्घाटन किया गया।

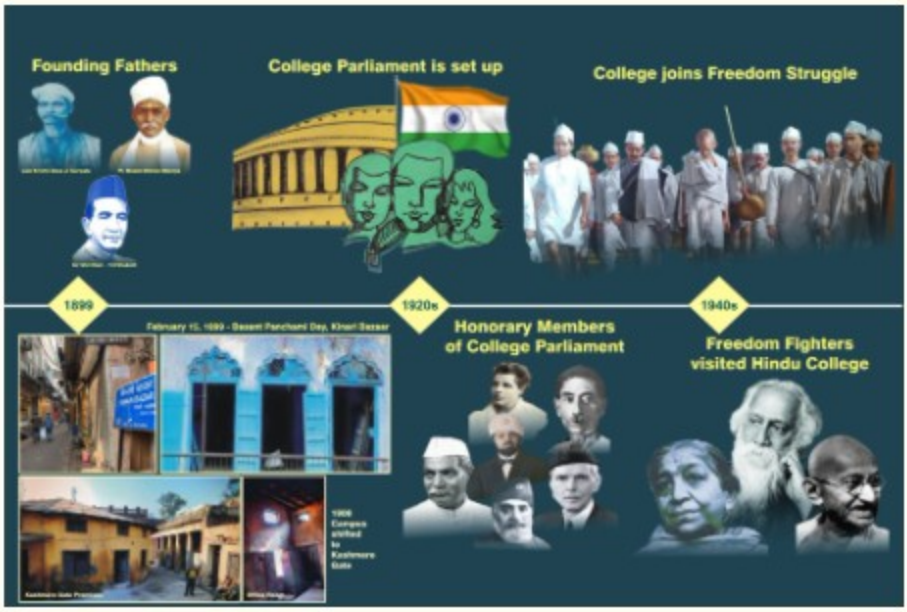

कॉलेज ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय विस्तार देखी है। यह आज न केवल देश के सबसे प्रतिष्ठित स्नातक और स्नातकोत्तर सह–शिक्षा संस्थानों में से एक है, बल्कि कई अध्ययनों–सर्वेक्षणों के अनुसार, यह दिल्ली में पहली पसंद का कॉलेज भी है। इसमें लगभग 150 सदस्यों का एक कुशल शिक्षक समूह और लगभग 3800 विद्यार्थी हैं। कॉलेज को अपने कुशल और कर्मठ सहायक प्रशासनिक–गैर–शिक्षण कर्मचारियों पर भी गर्व है। यह विज्ञान, मानविकी, सामाजिक विज्ञान–धाराओं में कई पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

कॉलेज पुस्तकालय में पुस्तकों और पत्रिकाओं का समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय ब्लॉक का हाल ही में नवीनीकरण किया गया था और अब इसमें ई–लर्निंग के लिए नव–उद्घाटित एस.एन.पी. पुंज मेमोरियल नॉलेज सेंटर भी शामिल है। ज्ञान केंद्र आधुनिक उपकरणों और संसाधनों के साथ शिक्षार्थियों और

शिक्षकों को सशक्त बनाने और प्रौद्योगिकी और नवाचार के माध्यम से शिक्षा को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। कॉलेज में पुरानी बिल्डिंग और सांगानेरिया साइंस ब्लॉक दोनों में भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान के लिए सुसज्जित, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ भी हैं। इसके अलावा, कॉलेज में पिछले शैक्षणिक वर्ष में नए शैक्षणिक ब्लॉक में दो नई प्रयोगशालाओं का भव्य उद्घाटन हुआ है – पब्लिक पॉलिसी लैब और ऑल्फैक्ट्री स्टूडियो–परफ्यूमरी लैब, इस प्रकार गैर पारंपरिक पाठ्यचर्याओं को अपनाने की इच्छा और एक बड़े कदम का संकेत भी दिया।

परिसर में सह–पाठ्यचर्या सुविधाओं में एक एम्फीथिएटर और दिल्ली के बेहतरीन ऑडिटोरियम में से एक शामिल है। ऑडिटोरियम पूरी तरह से वातानुकूलित है, जिसमें बेहतरीन ध्वनिकी और अंदरूनी भाग, आरामदायक बैठने की जगह, बेहतरीन ग्रीन रूम और एक भव्य मंच है, जो किसी भी आधुनिक मूवी थियेटर से तुलना करने योग्य है। 'उत्सव' नाम से स्थापित एम्फीथिएटर उत्सव की भावना को दर्शाता है, हमारे विद्यार्थियों को उनकी रचनात्मक क्षमता के लिए और आत्म–अभिव्यक्ति के लिए एक और स्थान प्रदान करता है। कॉलेज में एक विद्यार्थी केंद्र भी है जो सेमिनार रूम (अब श्याम कस्तूरी सेमिनार हॉल), बैंक, कंप्यूटर रूम, स्टेशनरी की दुकान, एक फोटोकॉपियर, साथ ही एनएसएस, एनसीसी और काउंसलिंग कार्यालय कक्षों की सुविधाएँ प्रदान करता है। कॉलेज परिसर अपने सुव्यवस्थित उद्यानों और सुंदर वृक्षों, विशाल खेल मैदान और एक पुरुष छात्रावास (निर्माणाधीन) के साथ–साथ एक महिला छात्रावास के लिए जाना जाता है, जिसमें लगभग 200 छात्राएँ रह सकती हैं। पच्चीस एकड़ भूमि पर फैला यह कॉलेज परिसर दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर के प्रमुख स्थानों में से एक में स्थित है, जो सड़क और दिल्ली मेट्रो से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

कॉलेज एक उदार, जीवंत और प्रतिस्पर्धी माहौल प्रदान करता है, जिससे विद्यार्थी अपने चुने हुए क्षेत्रों में खुद के लिए एक जगह बना पाते हैं। हमारे छात्रों की गुणवत्ता और क्षमता कॉलेज में छात्रवृत्ति धारकों की बड़ी संख्या में भी परिलक्षित होती है। कॉलेज द्वारा प्रदान की जाने वाली सबसे प्रतिष्ठित छात्रवृत्तियों में से एक राज भार्गव फाउंडेशन छात्रवृत्ति है, जो सामाजिक विज्ञान में मेधावी छात्रों का चयन करने के लिए एक अनूठी, बहु–चरणीय मूल्यांकन प्रक्रिया का पालन करती है। वित्तीय सहायता की आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए भी छात्रवृत्तियाँ हैं।

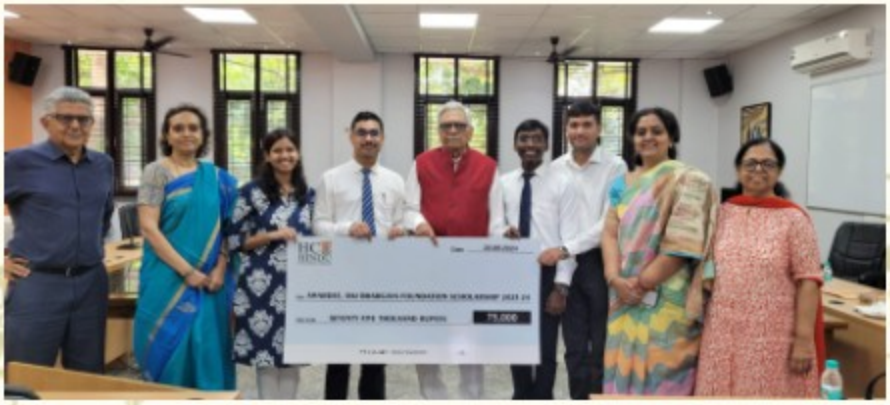

हिंदू कॉलेज में शोध केंद्र के रूप में संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए एक समर्पित शोध सुविधा है। 38000 वर्ग फीट क्षेत्र में फैली चार मंजिला इमारत में विज्ञान और सामाजिक विज्ञान दोनों के लिए प्रयोगशालाएँ हैं, साथ ही एक भाषा प्रयोगशाला, एक मीडिया प्रयोगशाला और सुशीला देवी सभागार भी हैं। यह एकीकृत शोध केंद्र शोध उपक्रमों को सुविधाजनक बनाने और शोध के माध्यम से विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव को समृद्ध करने के लिए एक स्थान की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता को पूरा करता है। विद्यार्थियों को अपनी आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल को बढ़ाने के लिए उपलब्ध शोध अवसरों के माध्यम से एक बड़ी प्रेरणा मिलेगी, साथ ही एक मजबूत शोध आधार भी मिलेगा और इस तरह उनकी शैक्षणिक नींव मजबूत होगी।

कॉलेज में शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच शैक्षणिक सहयोग को विभिन्न शोध फेलोशिप के माध्यम से भी सुगम बनाया जा रहा है। इनमें बी.एम. भाटिया मेमोरियल रिसर्च फेलोशिप, प्रो. एन.वी. थडानी मेमोरियल रिसर्च फेलोशिप और ललित कुमार जैन मेमोरियल रिसर्च फेलोशिप शामिल हैं। कॉलेज को हाल ही में भारत सरकार के विज्ञान और शिक्षा मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा डीबीटी स्टार कॉलेज योजना से भी सम्मानित किया गया है।

अपने अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के अलावा, कॉलेज की ताकत इसके अनुकूल और समृद्ध शिक्षण माहौल में निहित है, जो कॉलेज की प्रसिद्ध उत्कृष्ट शिक्षा को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कॉलेज अकादमिक छात्रवृत्ति और सर्वांगीण उपलब्धि के लिए एकदम सही माहौल प्रदान करने के साथ, हिंदू में छात्रों की पीढ़ियों को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार किया गया है। कॉलेज मानव उद्यम और प्रयास के हर क्षेत्र में आने वाले समय के लिए नेतृत्व और दिशा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

HINDU COLLEGE
University of Delhi
SANGANERIA
SCIENCE BLOCK
In Fond Memory of

एन. ए. ए. सी. प्रमाणपत्र

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
is pleased to declare
Hindu College
University Enclave, University of Delhi, North Delhi,
affiliated to University of Delhi, Delhi as
Accredited
with CGPA of 3.58 on four point scale
at A++ grade
valid up to March 13, 2029

Date : March 14, 2024

Director

BC(SC)/190/(AC-88) 2nd Cycle/DLCOGN24548

NAAC CERTIFICATE
HINDU COLLEGE AWARDED
A++ GRADE
IN THE SECOND CYCLE
GRADING BY NAAC

कॉलेज रैंकिंग
एन आई आर एफ प्रथम रैंक

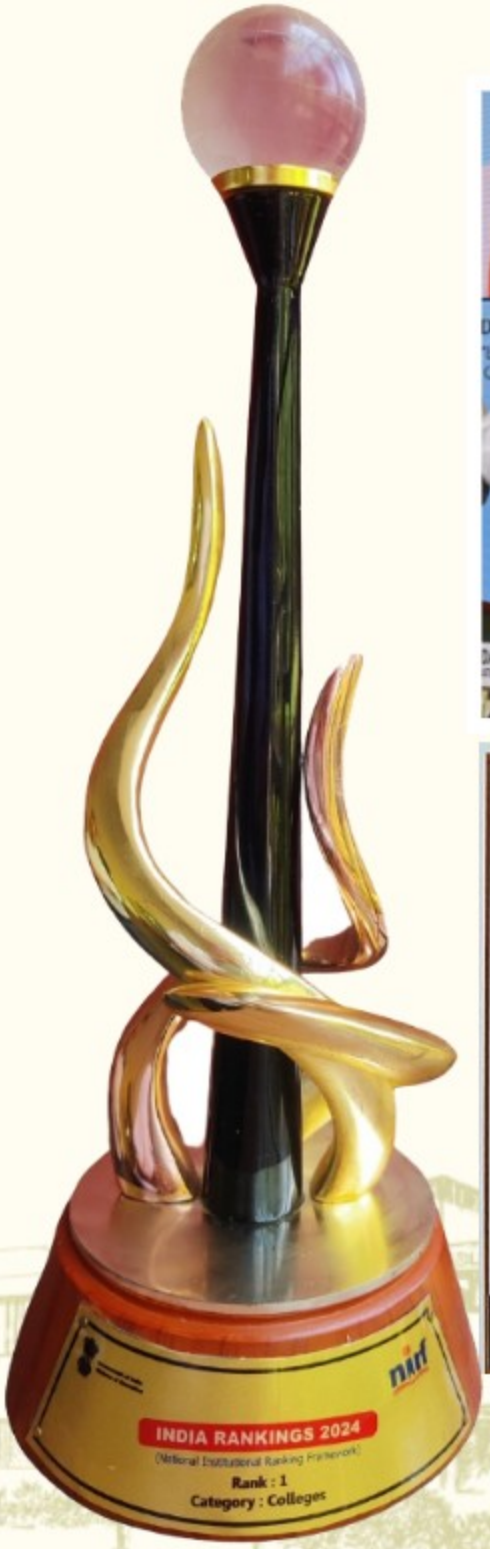

Ministry of Education
Government of India

nirf

Certificate

NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK

INDIA RANKINGS 2024

Hindu College, Delhi
Ranked 1 in College Category

CHAIRMAN, NBA

MEMBER SECRETARY, NBA

कॉलेज रैंकिंग इंडिया टूडे
प्रथम रैंक विज्ञान और कला 2024

TOP 10 COLLEGES 2025

	RANK 2025	RANK 2024	COLLEGE	CITY
↔	1	1	HINDU COLLEGE	New Delhi
↑	2	3	MIRANDA HOUSE	New Delhi
↑	3	4	LADY SHRI RAM COLLEGE FOR WOMEN	New Delhi
↑	4	5	KIRORI MAL COLLEGE	New Delhi
↑	5	6	HANSRAJ COLLEGE	New Delhi
↑	6	7	MADRAS CHRISTIAN COLLEGE (AUTONOMOUS)	Chennai
↑	7	8	LOYOLA COLLEGE (AUTONOMOUS)	Chennai
↑	8	9	ATMA RAM SANATAN DHARMA COLLEGE	New Delhi
↑	9	10	SRI VENKATESWARA COLLEGE	New Delhi
↑	10	12	RAMJAS COLLEGE	New Delhi

NO. 1 COLLEGES IN INDIA

STREAM	COLLEGE
ARTS	HINDU COLLEGE, New Delhi
SCIENCE	HINDU COLLEGE, New Delhi

"At Hindu, arts education is not confined to the study of texts or ideas: it is a rigorous, interdisciplinary journey into understanding the human condition. Our students learn to question, to imagine, and to lead with empathy and intellect"

PROF. ANJU SRIVASTAVA
Principal, Hindu College

वनस्पति विज्ञान विभाग

वनस्पति विज्ञान विभाग की स्थापना 1972 में हुई थी और तब से यह शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुसंधान का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है। समर्पित एवं उच्च योग्यताओं से युक्त संकाय के साथ, यह विभाग शिक्षण और अनुसंधान दोनों में लगातार उच्च मानकों को बनाए रखे हुए है। यहाँ के संकाय सदस्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ विविध क्षेत्रों जैसे कि प्रजनन जीवविज्ञान, शैवालविज्ञान, ब्रायोलॉजी, अनुप्रयुक्त सूक्ष्मजीवविज्ञान, आणविक जीवविज्ञान, कोशिकीय एवं आणविक साइटोजेनेटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी, जैव–सूचना विज्ञान, जैव रसायन और जैव भौतिकी में आधुनिक अनुसंधान में सक्रिय रूप से संलग्न हैं।

विभाग के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शोध पत्रिकाओं में कई शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। इसके अतिरिक्त, इन्होंने CBSE, NCERT और IGNOU जैसे संस्थानों के लिए पाठ्यपुस्तकों और अध्ययन सामग्री का लेखन एवं संपादन कर शैक्षणिक साहित्य में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कई संकाय सदस्यों द्वारा संचालित अनुसंधान परियोजनाओं को UGC, DST और दिल्ली विश्वविद्यालय जैसी प्रतिष्ठित वित्तीय एजेंसियों से सहयोग प्राप्त हुआ है, जिससे विभाग की अधोसंरचना में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिसका प्रत्यक्ष लाभ विद्यार्थियों को मिलता है।

विभाग DBT स्टार कॉलेज योजना के तहत विभिन्न पहलों में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है, जिससे शैक्षणिक माहौल और समृद्ध हुआ है। इस योजना ने प्रयोगशाला अधोसंरचना के उन्नयन, अंतःविषयीय अध्ययन को प्रोत्साहन और विद्यार्थियों को आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों से परिचित कराने में सहायता की है। इसके अंतर्गत नियमित रूप से कार्यशालाएँ, व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र और संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो शोध और नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित करते हैं। वर्तमान में विभाग में प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप (PMRF) के प्राप्तकर्ता IIT शोधार्थी भी कार्यरत हैं, जो संकाय के साथ मिलकर काम करते हैं और विशेष रूप से सूक्ष्मजीवविज्ञान के क्षेत्र में स्नातक विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। विभाग का सह–शैक्षणिक स्टाफ सहयोगी, सहायक और समर्पित

है, और विभाग के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी भारत के विभिन्न हिस्सों और विदेशों से आते हैं। विभाग उन्हें एक सहज और अनुकूल शैक्षणिक वातावरण प्रदान करता है जिससे वे अपने भविष्य के करियर के लिए संपूर्ण रूप से विकसित हो सकें। विभाग के विद्यार्थी दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित नवाचार शोध परियोजनाओं के अंतर्गत स्नातक स्तर पर सक्रिय रूप से अनुसंधान में भाग लेते हैं। वे ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रमों में भी भाग लेते हैं जैसे कि राष्ट्रीय प्रतिरक्षा संस्थान (दिल्ली), भारतीय विज्ञान संस्थान (बैंगलोर), और दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज और अनुसंधान संस्थान (DIPSAR)। विभाग के पूर्व छात्र प्रशासनिक सेवाओं, अकादमिक क्षेत्र, अनुसंधान, सशस्त्र बलों, मीडिया, विमानन आदि जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विभाग और कॉलेज का नाम रोशन कर रहे हैं।

विभाग में एक वनस्पति सोसाइटी 'संजीवनी' है, जो छात्रों को पादप विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम विकास से अवगत कराने हेतु प्रसिद्ध वनस्पति वैज्ञानिकों के व्याख्यान आयोजित करती है। इस सोसाइटी का उद्देश्य विद्यार्थियों में विषय के प्रति रुचि, जिज्ञासा और व्यापक सोच को प्रोत्साहित करना है ताकि वे स्नातक स्तर पर बेहतर समझ विकसित कर सकें और उच्च अध्ययन के लिए तैयार हो सकें। यह सोसाइटी अनुसंधान संस्थानों का भ्रमण, प्रयोगशाला में प्रशिक्षण और फील्ड ट्रिप जैसे कार्यक्रम भी आयोजित करती है ताकि छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और सैद्धांतिक समझ दोनों मिल सके। वार्षिक उत्सव 'इन्फ्लोरेसेंस' के दौरान विभिन्न अंतर–और अंतर–महाविद्यालयी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जो विद्यार्थियों की रचनात्मकता और कौशल को विकसित करने में सहायक होते हैं।

हाल के वर्षों में कॉलेज में, विशेषकर विज्ञान विभागों में अधोसंरचनात्मक सुधार हुआ है। वनस्पति विज्ञान विभाग में नए अकादमिक ब्लॉक में एक अतिरिक्त प्रयोगशाला (प्रयोगशाला संख्या 302) स्थापित की गई है, जिसमें लगभग 40 विद्यार्थी एक साथ कार्य कर सकते हैं। प्रत्येक प्रयोगशाला में कैमरा युक्त सूक्ष्मदर्शी उपलब्ध हैं, जिससे विद्यार्थियों को कोशिकाओं की सूक्ष्म संरचना को देखने और विभिन्न

कोशिकीय संघटनाओं के आयाम मापने की सुविधा मिलती है। सभी प्रयोगशालाओं में ICT सुविधा उपलब्ध है। विभाग में एक केंद्रीय उपकरण सुविधा (CIF) भी है जिसमें पाठ्यक्रम आधारित प्रयोगों और शोध कार्य हेतु आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं। विभाग का एक वनस्पति उद्यान भी है जिसमें एक कृत्रिम तालाब और अध्ययन हेतु विभिन्न पौधों का संग्रह है।

हाल ही में विभाग में मशरूम कौशल विकास केंद्र की स्थापना की गई है जो 'मशरूम उत्पादन' को कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम के रूप में चुनने वाले विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय की कौशल विकास योजना के तहत 'प्लांट टिशू कल्चर कौशल विकास केंद्र' की स्थापना पर भी कार्य कर रहा है। विभाग अपने विद्यार्थियों की बेहतरी के लिए सदैव प्रयत्नशील है।

विभाग संकाय

1.	डॉ. के. के. कौल, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी., प्रोफेसर	2.	डॉ. राजेश कुमार, एम.एससी., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर
3.	डॉ. डी. मोनिका राम, (प्रभारी शिक्षक) एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर	4.	डॉ. रविंद्र कुमार, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर
5.	डॉ. विवेक चोपड़ा, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी., असिस्टेंट प्रोफेसर	6.	डॉ. दिव्या मोहंती, एम.एससी., पीएच.डी., असिस्टेंट प्रोफेसर
7.	डॉ. गुरुमायुम सूरज शर्मा, एम.एससी., पीएच.डी., असिस्टेंट प्रोफेसर	8.	डॉ. अंशुल ध्यानी, एम.एससी., पीएच.डी., असिस्टेंट प्रोफेसर

रसायन विज्ञान विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे प्रतिष्ठित विभागों में से एक रसायन विज्ञान विभाग ने हमेशा शिक्षण के मामले में उत्कृष्टता के लिए प्रयास किया है। चाहे वह सिद्धांत हो या व्यवहार, यहाँ शिक्षण का मुख्य उद्देश्य सीखने पर निर्माण करना और सीखने वालों के कौशल और दृष्टिकोण के विकास पर काम करना है। विभाग का बढ़ता कद स्पष्ट रूप से उन मेधावी विद्यार्थियों द्वारा बढ़ाया गया है जो विश्वविद्यालय के टॉपर के रूप में उभरे हैं, जो भारत और विदेशों में कुछ बेहतरीन स्नातकोत्तर, शोध आधारित विज्ञान और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त करने में सक्षम हैं। इनमें से कुछ उल्लेखनीय हैं, जैसे कि TIFR, IISc, IIT, TERI आदि जैसे संस्थान, जो समर्पित शिक्षण संकाय की मजबूत टीम के कुशल मार्गदर्शन में हैं। विभाग ऐड–ऑन कोर्स, इंटर्नशिप, शोध परियोजनाओं और यहां तक कि पीएचडी मार्गदर्शन आयोजित करके बेहद शोध उत्साही स्नातक, स्नातकोत्तर, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए शोध के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। विभाग द्वारा पेश किए गए इंटर्नशिप कार्यक्रमों और परियोजनाओं के माध्यम से, युवा विद्यार्थियों को शोध के अनुसरण की दिशा में एक प्रारंभिक और मजबूत नींव बनाने का एक आंतरिक अवसर मिलता है।

विभाग अपने प्रख्यात शिक्षण संकाय के लिए जाना जाता है, जो न केवल स्थापित शिक्षक हैं, बल्कि उत्कृष्ट शोधकर्ता भी हैं और विभाग के विकास में बड़े योगदानकर्ता हैं, जिससे विभाग को और अधिक ऊंचाई प्राप्त हुई है। इसे अठारह शिक्षाविदों की मजबूत टीम होने का गौरव प्राप्त है, जो नियमित कक्षा शिक्षण में शामिल होने के अलावा, प्रतिष्ठित सरकारी एजेंसियों जैसे डीएसटी, डीबीटी आदि द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं पर काम करके विभिन्न शोध क्षेत्रों के क्षेत्र में विशेषज्ञता को क्रियान्वित करने में कक्षाओं से परे सक्रिय रूप से शामिल हैं, विभाग के विभिन्न विद्यार्थियों

और कॉलेज के बाहर के विद्यार्थियों के लिए मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम संचालित करते हैं, किताबें प्रकाशित करते हैं, पीएचडी छात्रों और प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन करते हैं।

विभाग बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान को मुख्य घटक के रूप में प्रदान करता है, साथ ही बीएससी भौतिक विज्ञान (रसायन विज्ञान) जो रसायन विज्ञान, भौतिकी और गणित का एक संयोजन है। इन पाठ्यक्रमों के अलावा, विभाग के पास अन्य विभागों के छात्रों को जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) पेपर और वैल्यू एडेड कोर्स (वीएसी) पढ़ाने की जिम्मेदारी है। ये पाठ्यक्रम संतुलित व्यावहारिक घटक के साथ एक व्यापक सैद्धांतिक पृष्ठभूमि प्रदान करते हैं।

रसायन विज्ञान के व्याख्यान आम तौर पर प्रोजेक्टर और लैपटॉप कनेक्टर के साथ तकनीकी रूप से उन्नत कक्षाओं में पढ़ाए जाते हैं। विभाग द्वारा पेश किए गए समृद्ध बुनियादी ढांचे से असाधारण शिक्षण वातावरण को और भी बेहतर बनाया गया है, जिसमें तीन अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के अलावा एक इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला है जिसमें आधुनिक उपकरण, जैसे कि यू.वी. –विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, फ्लेम फोटोमीटर, पोटेंशियोमीटर, पीएच मीटर और कलरमीटर आदि और अच्छी तरह से प्रशिक्षित, समर्पित प्रयोगशाला कर्मचारी हैं। कॉलेज के अन्य विज्ञान विभागों के साथ–साथ विभाग को प्रतिष्ठित डीबीटी स्टार कॉलेज प्रोजेक्ट ग्रांट से सम्मानित किए जाने के साथ, सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है और इस स्टार योजना के तत्वावधान में, विभाग ने गैर–शिक्षण कर्मचारियों के समर्थन से आयोजित की जा रही गुणवत्तापूर्ण कार्यशालाओं, व्याख्यान श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और आउटरीच कार्यक्रमों के साथ एक असाधारण प्रगति देखी है।

विभाग में जीवंत सह–शैक्षणिक सोसाइटी, 'तत्व' और 'टूरिस' भी हैं, जहाँ विद्यार्थियों और शिक्षक कक्षा और पाठ्यक्रम से परे बातचीत करते हैं, और खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करते हैं। सोसाइटी अपने सदस्यों को दुनिया भर में नवीनतम विकासों से समृद्ध और अद्यतन करने के लिए नियमित आधार पर सेमिनार, कार्यशालाएँ और लोकप्रिय व्याख्यान आयोजित करती है। समाजों द्वारा, आयोजित सबसे आकर्षक कार्यक्रमों में से एक अंतर–कॉलेज उत्सव 'कैटालिसिस' और 'ऊर्जोत्सव' है, जिसमें वार्षिक पत्रिकाएँ 'सब्सटेंस' और 'एसेन्स' का विमोचन भी होता है। समर्पित शिक्षकों और उत्साही विद्यार्थियों के एक समूह के साथ, विभाग ने हमेशा अपने आदर्श वाक्य 'एकजुटता का बंधन' को जीने का प्रयास किया है।

रसायन विज्ञान और संबंधित अंतःविषय विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम शोध विकास के साथ संकाय और विद्यार्थियों को अवगत रखने के लिए विभाग और रसायन विज्ञान सोसाइटी द्वारा कई गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

विभाग संकाय

1. **डॉ. चारु कुमार**
   एम.एससी., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर
2. **प्रो. अंजू श्रीवास्तव (प्राचार्य)**
   एम.एससी., पीएच.डी., प्रोफेसर
3. **डॉ. अजय कुमार**
   एम.एससी., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर
4. **प्रो. रीना जैन**
   (उप–प्राचार्य)
   एम.एससी., पीएच.डी., प्रोफेसर
5. **डॉ. मीनू श्रीवास्तव**
   एम.एससी., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर
6. **डॉ. गीतिका भल्ला**
   एम.एससी., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर
7. **डॉ. विनीता नरूला** (प्रभारी शिक्षक)
   एम.एससी.,
   पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर
8. **प्रो. नीरा शर्मा**
   एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी., प्रोफेसर
9. **डॉ. नेहा कपूर**
   एम.एससी., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर
10. **डॉ. हेमन्त वर्मा**
    एम.एससी., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर
11. **प्रो. सुदर्शन कुमार**
    एम.एससी., पीएच.डी., प्रोफेसर
12. **डॉ. देवांशी मागू**
    एम.एससी., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर
13. **डॉ. जसप्रीत कौर**
    एम.एससी., पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर डॉ.
14. **डॉ. सुषमा यादव**
    एम.एससी., एम.फिल., सहायक प्रोफेसरडॉ.
15. **दिनेश कुमार**
    एम.एससी., पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर डॉ.
16. **श्रीपर्णा दत्ता**
    एम.एससी., पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर डॉ.
17. **मनोज चहल**
    एम.एससी., पीएच.डी., सहायक प्रोफेसरडॉ.
18. **डॉ. मनोलता देवी**
    एम.एससी., पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर

रसायन विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान विभाग

हिंदू कॉलेज का रसायन विज्ञान विभाग रसायन विज्ञान के साथ बीएससी भौतिक विज्ञान भी प्रदान करता है, जो एक अंतःविषय कार्यक्रम है जो व्यावहारिक कौशल के साथ–साथ सैद्धांतिक ज्ञान पर जोर देता है, जिससे विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान, भौतिकी और गणित में एक मजबूत आधार मिलता है। यह पाठ्यक्रम एक मजबूत शैक्षणिक पाठ्यक्रम के साथ एकीकृत है जिसमें विभाग की प्रसिद्ध सोसायटी, 'टूरिस' द्वारा संचालित जीवंत पाठ्येतर गतिविधियाँ शामिल हैं। यह सोसायटी छात्रों और शिक्षकों के लिए पारंपरिक पाठ्यक्रम की सीमाओं से परे जुड़ने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है, एक गतिशील वातावरण को बढ़ावा देती है जहाँ विचारों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त और आदान–प्रदान किया जा सकता है। टूरिस सेमिनार, कार्यशालाओं और लोकप्रिय व्याख्यानों सहित कई तरह के कार्यक्रम आयोजित करता है जो सदस्यों को दुनिया भर में रसायन विज्ञान और संबंधित विषयों में अत्याधुनिक विकास के साथ अपडेट रखते हैं। विभाग अपने वार्षिक अंतर–कॉलेज उत्सव, 'उर्जोत्सव' के माध्यम से विद्यार्थी अनुभव को और समृद्ध करता है, जिसमें विभाग की पत्रिका, 'एसेंस' का विमोचन होता है। उत्साही विद्यार्थियों और शिक्षकों के समर्पण, सहयोग और जोशीली शैक्षिक यात्रा को उनके लेखों, कहानियों, संदेश और गतिविधियों के माध्यम से पत्रिका पर भी दर्शाया गया है।

विभाग संकाय

1.	डॉ. विनीता नरुला एम.एससी., पीएच.डी., एसोसिएट प्रोफेसर

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग स्नातक स्तर पर बी.कॉम. (ऑनर्स) एवं स्नातकोत्तर स्तर पर एम.कॉम की शिक्षा प्रदान करता है। विभाग अत्यधिक अनुभवी संकाय प्रदान करता है जिसने वर्षों से एक सहज और जीवंत शिक्षण– अधिगम का अनुभव सुनिश्चित किया है। कॉलेज के सबसे जीवंत विभागों में से एक होने के नाते, यह वातानुकूलित, ऑडियो सिस्टम सहित आईटी सक्षम कक्षाओं और विभाग द्वारा संचालित एक कंप्यूटर लैब से सुसज्जित है। इसके अलावा, विद्यार्थियों के लिए कॉलेज में एक केंद्रीकृत कंप्यूटर सुविधा, कॉलेज पुस्तकालय और अन्य अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में वाणिज्य और व्यवसाय में विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों की पूर्ति के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन पुस्तकों और पत्रिकाओं का एक विशाल संग्रह है। व्यावहारिक कक्षाओं के दौरान जीवंत वातावरण के साथ–साथ विद्यार्थियों को पुस्तकालय और ज्ञान डेटाबेस आसानी से उपलब्ध कराए जाते हैं। विभाग विद्यार्थियों के मानसिक विकास को भी ध्यान में रखता है और यह सुनिश्चित करता है कि सभी के लिए सीखने का स्वस्थ अनुभव हो। हम इस तथ्य से अवगत हैं कि कक्षा अध्ययन केवल सीखने का एक हिस्सा है और यह संपूर्ण नहीं है, इसीलिए विद्यार्थियों को लगातार उद्योग विशेषज्ञों और नेताओं के साथ विभिन्न इंटरैक्टिव वेबिनार/सेमिनारों से अवगत कराया जाता है ताकि उन्हें वहाँ की दुनिया के बारे में पता चल सके जिसका उन्हें स्नातक स्तर की शिक्षा के बाद सक्रिय हिस्सा बनना है। विभाग कॉलेज के दौरान नियमित अंतराल पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ–साथ हिंदू कॉलेज का वार्षिक वाणिज्य उत्सव 'जिटगेइस्ट' भी आयोजित करता है। वाणिज्य विभाग सोसायटी 'काइजेन' नियमित पूर्व विद्यार्थियों की बैठकों और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से हमेशा अपने पूर्व विद्यार्थियों के साथ अच्छी तरह से जुड़ी रहती है। विभाग के अंतिम स्नातकों को प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा सफलतापूर्वक भर्ती किया गया है और हर साल भर्ती किए गए विद्यार्थियों की संख्या में तेजी से वृद्धि देखी गई है। इसके अलावा, हमारे कई स्नातक सीए, सीएस, एमबीए, एक्चुअरी, भारत में कानून और विदेशों में विश्वविद्यालयों जैसे अन्य पेशेवर कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का विकल्प चुनते हैं, कुछ ने अपना खुद का स्टार्ट–अप भी स्थापित किया है। हमें इस बात पर

गर्व है कि हमारे विभाग में कुछ सबसे प्रतिभाशाली युवा मस्तिष्क हैं, जिससे यह विभाग बहुत ही विविध और सभी पृष्ठभूमियों को शामिल करने वाला बन गया है। हमारा विभाग अपने पूर्व विद्यार्थियों को कॉरपोरेट के साथ–साथ सार्वजनिक क्षेत्रों में प्रतिष्ठित पदों पर पाकर बहुत खुश है।

विभाग संकाय

1.	**प्रोफेसर पूनम सेठी** एमकॉम, एमफिल, पीएचडी, प्रोफेसर	2.	**डॉ संगीता अरोरा** एमकॉम, एमफिल पीएचडी, एसोसिएट प्रोफेसर
3.	**प्रोफेसर रिंकू मनोचा** एमकॉम, एमफिल, पीएचडी, प्रोफेसर	4.	**प्रोफेसर लवलीन गुप्ता,** एमकॉम, सीए, पीएचडी, प्रोफेसर
5.	**श्री अतुल गुप्ता (शिक्षक प्रभारी)** एमबीए, एसोसिएट प्रोफेसर	6.	**डॉ अन्नु अग्रवाल** एमकॉम, पीएचडी, असिस्टेंट प्रोफेसर
7.	**श्री अमित कुमार पासवान** एमकॉम, असिस्टेंट प्रोफेसर	8.	**सुश्री कनिका भुटानी आनंद** एमकॉम, असिस्टेंट प्रोफेसर
9.	**सुश्री दिव्या यादव** एमकॉम, असिस्टेंट प्रोफेसर		

अर्थशास्त्र – विभाग

अर्थशास्त्र विभाग हिंदू कॉलेज के घटक विभागों में से एक प्रमुख विभाग है जो अर्थशास्त्र के स्नातक अध्ययन के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ विभागों में माना जाता है। इसमें विविध विशेषज्ञताओं और रुचियों वाले नौ सदस्यों का एक समर्पित और अनुभवी संकाय है। यूजीसीएफ–एनईपी की भावना को ध्यान में रखते हुए, विभाग अपने विद्यार्थियों को एप्लाइड इकोनोमेट्रिक्स, तुलनात्मक आर्थिक विकास, पर्यावरण अर्थशास्त्र, गेम थ्योरी, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, धन और वित्तीय बाजार, राजनीतिक अर्थव्यवस्था, खुली अर्थव्यवस्था मैक्रोइकॉनॉमिक्स और सार्वजनिक अर्थशास्त्र जैसे अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक की एक विस्तृत श्रृंखला में से एक विकल्प प्रदान करता है। विभाग मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी), वित्तीय साक्षरता और डिजिटल सशक्तीकरण के साथ अपने बहु–विषयक दृष्टिकोण का विस्तार करता है। कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी), विभाग द्वारा उन्नत स्प्रेडशीट टूल्स, सस्टेनेबल इकोटूरिज्म और बिजनेस कम्युनिकेशन भी पेश किया जाता है।

शिक्षाशास्त्र विश्वविद्यालय शिक्षा के मानक तरीकों – व्याख्यान और ट्यूटोरियल को जोड़ता है – लिखित कार्य, परियोजना कार्य, सांख्यिकीय और गणितीय सॉफ्टवेयर में प्रशिक्षण, क्षेत्र यात्राएँ, और कक्षा और सेमिनार दोनों में विद्यार्थियों की प्रस्तुतियाँ। विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के माध्यम से कॉलेज के बाहर संस्थानों के कॉर्पोरेट और अनुसंधान जीवन में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग के पास एक सक्रिय और जीवंत इकोनॉमिक्स सोसायटी है जो विषय में विद्यार्थियों की रुचि को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करती है। वर्ष का सबसे बड़ा आयोजन अर्थशास्त्र महोत्सव एल–इकोनॉमिस्ट है जो देश भर के कॉलेजों की भागीदारी का गवाह बनता है। विद्यार्थियों के साथ नीति निर्माण, 'लड़ाइयों' में भाग लेना, संयुक्त संकट समिति के हिस्से के रूप में अर्थशास्त्र (और वित्त) और साइबर–आतंकवाद के बीच सांठगांठ जैसे मामलों पर चर्चा करना, या आईपीएल नीलामी कार्यक्रम 'विट्स एंड विकेट्स' में भाग लेना। 'एलइकोनॉमिस्ट' विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र से संबंधित समसामयिक, वास्तविक दुनिया के मुद्दों से जुड़ने के साथ–साथ एक अद्वितीय शैक्षणिक अनुभव भी प्रदान करता है। क्षेत्र के प्रतिष्ठित

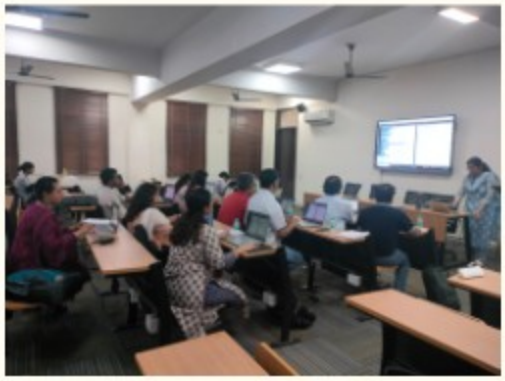

वक्ताओं को भी अनुसंधान के अपने संबंधित क्षेत्रों से अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। विभाग एक वार्षिक अर्थशास्त्र पत्रिका 'अर्थ' निकालता है जिसमें संकाय सदस्य, विद्यार्थी और संबंधित क्षेत्रों के पेशेवर लेख लिखते हैं। संकाय सदस्य आर्थिक पत्रिकाओं और नीति दस्तावेजों में भी योगदान देते हैं, और भारत और विदेश दोनों में सम्मेलनों और सेमिनारों में नियमित रूप से भाग लेते हैं। विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों का विशिष्ट विवरण पूरी तरह से छात्रों द्वारा प्रबंधित एक विशेष विभाग की वेबसाइट पर पाया जा सकता है। विभाग अपने छात्रों को विभिन्न उद्योगों में नेतृत्व और प्रबंधन जिम्मेदारियों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार करता है जिसके कारण छात्रों को बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, अर्न्स्ट एंड यंग, बेन कैपेबिलिटी सेंटर, नोमुरा आदि में प्रतिष्ठित प्लेसमेंट प्राप्त हुए हैं। कई छात्रों को लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और टूलूज स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे प्रसिद्ध वैश्विक संस्थानों में मास्टर डिग्री की पढ़ाई के लिए प्रवेश की पेशकश भी की गई है। विद्यार्थियों को निर्धारित पाठ्यक्रम की सीमाओं से परे अन्वेषण करने, कक्षा के अंदर और बाहर अर्जित कौशल और उपकरणों का उपयोग करके आर्थिक मुद्दों का गंभीर मूल्यांकन करने और आर्थिक गतिविधि के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक और सफलतापूर्वक योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।.

विभाग संकाय

1. **सुश्री शेख रुबीना नक़वी**
   एम.ए., सह–आचार्य
2. **सुश्री अर्चना अग्रवाल**
   एम.ए., सह–आचार्य
3. **डॉ. नीति भूटानी**
   एम.ए., एम.एस., पीएच.डी., सह–आचार्य
4. **डॉ. चंदन सिंहा**
   एम.ए., एम.फिल., पी.एच.डी., सह–आचार्य
5. **डॉ. निधि धमीजा**
   एम.ए., एम.फिल., पी.एच.डी., सह–आचार्य
6. **डॉ. अब्दुल रशीद सी.के**
   एम.ए., पीएच.डी.य सह–आचार्य
7. **डॉ पूजा सक्सेना निगम**
   एम.ए., पीएच.डी., सह–आचार्य
8. **डॉ. अब्दुल रहीम अंसारी,**
   एम.ए., पीएच.डी., सह–प्राध्यापक
9. **डॉ. अशिका सागर (शिक्षक प्रभारी)**
   एम.ए., पीएच.डी., सहायक आचार्य

अंग्रेज़ी विभाग

हिंदू कॉलेज का अंग्रेज़ी विभाग संस्थान के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित विभागों में से एक है, जिस पर हमें गर्व है। दशकों से, हमारे समर्पित शिक्षकगण निरंतर अनुसंधान में उत्कृष्टता और शिक्षण में नवाचार का समन्वय करते आ रहे हैं। हमारे संकाय सदस्यों को साहित्यिक अध्ययन के विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त है, जिनमें प्रारंभिक आधुनिक विचारधारा, यूरोपीय और भारतीय शास्त्रीय साहित्य, पुनर्जागरण अध्ययन, अंग्रेज़ी रोमांटिक साहित्य, विक्टोरियन साहित्य, आधुनिक अमेरिकी और यूरोपीय साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, साहित्य सिद्धांत और आलोचना, आधुनिक भारतीय साहित्य (अंग्रेज़ी में एवं अनुवाद में), उपनिवेशोत्तर साहित्य और विश्व साहित्य शामिल हैं। विभाग की अकादमिक परिषद, जिसमें विद्यार्थी और शिक्षक दोनों शामिल हैं, साप्ताहिक संगोष्ठियों का आयोजन करती है ताकि विद्यार्थियों में अकादमिक संवाद और सहभागिता को बढ़ावा मिल सके। हम नियमित रूप से साहित्य और सिद्धांत के क्षेत्र से विशेषज्ञों को आमंत्रित करते हैं, जिससे विद्यार्थियों के आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक कौशल को निखारा जा सके। हमारा उद्देश्य ऐसे विद्यार्थी विकसित करना है जो सक्रिय, तार्किक और चिंतनशील हों। हम 'प्रोलॉग' नामक एक द्वैमासिक रचनात्मक पत्रिका भी प्रकाशित करते हैं, जिसमें देश भर के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी और शिक्षक अपनी मौलिक तथा समालोचनात्मक रचनाएँ प्रस्तुत करते हैं। प्रथम वर्ष के स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए, हम पहले महीने

में एक गहन कार्यशाला, ओरिएंटेशन लेक्चर, आयोजित करते हैं, जिसमें उन्हें साहित्य की मूल अवधारणाओं और साहित्यिक अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोणों एवं पद्धतियों से परिचित कराया जाता है। पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान, विभाग विभिन्न अकादमिक आयोजनों जैसे व्याख्यान, कार्यशालाएँ और सम्मेलनों का आयोजन करता है, जिससे विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से समृद्ध होने के कई अवसर प्राप्त होते हैं।

संकाय सदस्य

1. **डॉ. पी. के. विजयन**
   एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.,
   सह – आचार्य
2. **डॉ. सिद्धार्थ एन. कन्नौजिया**
   एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.,
   सह – आचार्य
3. **डॉ. आशमा शर्मा**
   एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.,
   सह – आचार्य
4. **डॉ. ऋचा बजाज (प्रभारी शिक्षक)**
   एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.,
   सह – आचार्य
5. **डॉ. अरविंद चौधरी**
   एम.ए., पीएच.डी., सहायक आचार्य
6. **सुश्री पायल माधिया**
   एम.ए., एम.फिल., सहायक आचार्य
7. **सुश्री कृतिका शर्मा**
   एम.ए., एम.फिल., सहायक आचार्य
8. **सुश्री शयंतनी दास**
   एम.ए., एम.फिल., सहायक आचार्य
9. **श्री रेंगलीन कोंगसोंग**
   एम.ए., एम.फिल., सहायक आचार्य
10. **सुश्री वैशाली शर्मा**
    एम.ए., एम.फिल., सहायक आचार्य
11. **श्री अक्षय चौधरी**
    एम.ए., एम.फिल., सहायक आचार्य

पर्यावरण विज्ञान विभाग

पर्यावरण विज्ञान विभाग कॉलेज का सबसे युवा विभाग है और पर्यावरण विज्ञान के विभिन्न विषयों जैसे पृथ्वी प्रक्रियाओं, वायुमंडलीय प्रक्रियाओं, तंत्रों, प्रभावों और शमन, पर्यावरण प्रदूषण, पारिस्थितिक प्रक्रियाओं और पर्यावरण प्रणालियों, जैव विविधता और संरक्षण, पर्यावरण नीतियों, कानूनों और शासन और पर्यावरणीय स्थिरता में उनकी भूमिका के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है। यह एक अंत:विषय कार्यक्रम प्रदान करता है जो पर्यावरण की बहु–विषयक प्रकृति और पृथ्वी को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने में इसके योगदान को दर्शाता है। विभाग विद्यार्थियों को पर्यावरण विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अपने दीर्घकालिक कैरियर को आगे बढ़ाने की सुविधा प्रदान करके विद्यार्थियों–शिक्षक संबंध मंत्र को महत्व देकर एक मजबूत शैक्षणिक अभिविन्यास बनाए रखता है। वर्तमान में, हम स्नातक स्तर पर कई कार्यक्रम प्रदान करते हैं जो हमारे विद्यार्थियों की विविध रुचियों और कैरियर लक्ष्यों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। यह NEP: UGCF 2022 के तहत पहले दो वर्षों के लिए क्रमशः क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC) 1 और 2 के रूप में प्रदान किया जाता है। हमारा विभाग IGNOU के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक, क्षेत्र कार्य, परियोजनाओं का संचालन करने के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करता है। वायुमंडलीय विज्ञान, पर्यावरणीय स्थिरता, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता तथा नीति आधारित मुद्दों के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में कई विद्यार्थी इंटर्नशिप आयोजित की जाती हैं। विद्यार्थी स्थानीय और राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित अभिनव अनुसंधान परियोजनाओं में भी शामिल होते हैं और पर्यावरण के विभिन्न क्षेत्रों में सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं के आयोजन और उनमें भाग लेने में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। विभाग ने अभिनव प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रमों और अनुसंधान सहयोगों के माध्यम से कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इसने यूनाइटेड स्टेट्स फॉरेस्ट सर्विस (USFS) द्वारा समर्थित डलज्तमम मॉडल का उपयोग करके जलवायु परिवर्तन शमन पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण का आयोजन कियाय PMRF योजना के तहत IIT दिल्ली के सहयोग से जलवायु कार्रवाई और तालमेल शीर्षक से एक अतिरिक्त पाठ्यक्रम: संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य और वायुमंडलीय ऊष्मप्रवैगिकी, मौसम और जलवायु को समझने पर कार्यशालाय UKCEH और फ्यूचर अर्थ द्वारा समर्थित वैश्विक विशेषज्ञों के सहयोग से वायुमंडलीय विज्ञान और जलवायु परिवर्तन पर 'ILEAPS' & हिंदू कॉलेज अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और मरुस्थलीकरण को संबोधित करने के लिए शासन रणनीतियों पर रियाद में COP16 में एक साइड मीटिंग की सह–मेजबानी की, जिससे वैश्विक स्थिरता प्रयासों में इसके योगदान को बल मिला। विभाग USFS द्वारा वित्त पोषित एक अंतर्राष्ट्रीय शोध परियोजना I & TREE इको मॉडल भी चला रहा है हमें भविष्य की पीढ़ियों के लिए ग्रह की रक्षा करने के हमारे विभाग के मिशन को समझने और उसमें सेवा करने के लिए आपका स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।

संकाय सदस्य

1.	**डॉ. पल्लवी सक्सेना (शिक्षक प्रभारी)** एमएससी, एम.फिल, सहायक आचाय	2.	**डॉ. प्राची सिंह** एमएससी, पीएच.डी

हिन्दी विभाग

हिन्दू कॉलेज का हिन्दी विभाग विश्वविद्यालय के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित विभागों में से एक है। जिसमें स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर तक अध्यापन होता है। विभाग के निर्माण और विकास में जिन विद्वान शिक्षकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है उनमें डॉ. दशरथ ओझा, श्री कृष्ण शंकर शुक्ल, डॉ. भरत सिंह उपाध्याय, डॉ. मांधाता ओझा, डॉ. कृष्णदत पालीवाल, डॉ. हरीश नवल, डॉ. विजया सती, डॉ. सुरेश ऋतुपर्ण तथा प्रो. रामेश्वर राय विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इस समय विभाग में नौ स्थायी सदस्य हैं। यहाँ से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों ने अकादमिक, प्रशासनिक, साहित्यिक, कॉरपोरेट सेक्टर, मीडिया रंगमंच और सिनेमा के क्षेत्रों में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सार्थक पहचान बनाई है। विभाग के अधिकांश शिक्षक विश्वविद्यालय विभाग के पीएच॰ डी॰ कार्यक्रम से जुड़े हैं जिनके निर्देशन में विद्यार्थी पीएच॰ डी॰ उपाधि हेतु शोधरत हैं।

अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए हिन्दी विभाग अनेक गतिविधियों का संयोजन संचालन करता है। हिन्दी साहित्य सभा साल में अनेक संगोष्ठियों का आयोजन करती है, जिनमें देश के प्रतिष्ठित विद्वानों का सान्निध्य विद्यार्थियों को मिलता है। इस मंच से अन्तर्महाविद्यालयी स्तर पर विभिन्न सृजनात्मक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती है। विभाग तीन पत्रिकाओं का प्रकाशन करता है, जिनमें से दो 'लहर' एवं 'अभिव्यक्ति' भित्ति पत्रिकाएँ हैं। 'हस्ताक्षर' विभाग की अर्धवार्षिक हस्तलिखित पत्रिका है, जिसकी एक राष्ट्रीय पहचान है। इसके अतिरिक्त 'अभिरंग' विभाग की नाट्य–संस्था है जो विद्यार्थियों की अभिनय क्षमता के साथ–साथ उनके व्यक्तित्व के विकास में एक रचनात्मक भूमिका

निभाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार चार वर्षीय पाठ्यक्रम में हिन्दी विभाग साहित्य अध्यापन के साथ अब साहित्य में शोध–कार्य भी कराने लगा है। इसके माध्यम से सृजन और विचार का मुक्त आकाश बनाने की दिशा में प्रयासरत है। इस आकाश में उड़ान के लिए आपका स्वागत है।

संकाय सदस्य

1. **डॉ. अभय रंजन,**
   एम.ए., एम. फिल., पीएच. डी. (सह आचार्य)
2. **प्रो. हरीन्द्र कुमार,**
   एम.ए., एम. फिल., पीएच.डी. (आचार्य)
3. **प्रो. रचना सिंह,**
   एम.ए. एम. फिल., पीएच. डी. (आचार्य)
4. **प्रो. बिमलेंदु तीर्थंकर (शिक्षक–प्रभारी),**
   एम.ए., पीएच. डी. (आचार्य)
5. **डॉ. पल्लव कुमार नन्दवाना,**
   एम.ए., पीएच.डी., (सह आचार्य)
6. **डॉ. अरविन्द कुमार सम्बल,**
   एम.ए., पीएच.डी., (सहायक आचार्य)
7. **डॉ. नौशाद अली,**
   एम.ए., एम. फिल., पीएच.डी
   सहायक आचार्य
8. **डॉ. नीलम सिंह,**
   एम.ए., पीएच. डी., (सहायक आचार्य)
9. **डॉ. साक्षी**
   एम.ए., एम. फिल., पीएच. डी.,
   सहायक आचार्य

इतिहास विभाग

हिंदू कॉलेज में पढ़ाए जाने वाले सबसे पुराने विषयों में से इतिहास प्रमुख है। इस संकाय के सभी सदस्य विद्वान, शिक्षण के लिए प्रतिबद्ध और सुलभ हैं। विभाग में वर्तमान में आठ संकाय सदस्य हैं जो विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं। वे दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले गैर–भारतीय इतिहास के बहु–स्तरीय विषयों को पढ़ाने के कौशल के अलावा, प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय इतिहास में बहुत अच्छी तरह से तरह से पारंगत हैं। संकाय के अनुसंधान–रुचियों में भारतीय संस्कृति, प्राचीन भारत में औषधियों का इतिहास, भारतीय पुरातत्व, पुरालेख, प्रारंभिक मध्यकालीन भारत में राज्य और समाज, मध्यकालीन भारत में पशु चिकित्सा विज्ञान और सैन्य इतिहास, जेलों का इतिहास, दंड विज्ञान और 19वीं सदी की शुरुआत में औपनिवेशिक शक्ति, गांधी और अस्पृश्यता, औपनिवेशिक अध्ययन और उत्तर–पूर्व भारत का इतिहास, भारतीय प्रवासी, उत्प्रवास और जातीय अध्ययन शामिल है । विभाग के शिक्षकों के शोध कार्य भारत और विदेशों में प्रतिष्ठित सहकर्मी–समीक्षित पत्रिकाओं में, पुस्तकों, पुस्तकों में अध्याय और शोध पत्रों के रूप में प्रकाशित होते हैं। हमारे वरिष्ठ शिक्षक यूट्यूब वीडियो और पॉडकास्ट के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण के लिए यूजीसी के साथ भी जुड़े हुए हैं। कुछ शिक्षक दिल्ली विश्वविद्यालय के पीएचडी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन भी कर रहे हैं । शिक्षण के अलावा, विभाग विद्यार्थियों और शिक्षकों के बौद्धिक विकास को बढ़ाने के लिए विशेष व्याख्यान, सेमिनार, पैनल चर्चा और अकादमिक कार्यशालाओं का आयोजन करता है। इतिहास विभाग का पुस्तकालय अच्छी तरह से सुसज्जित है और सभी विद्यार्थियों के लिए सुलभ है।

विभाग में 'साक्ष्य' नामक एक सक्रिय 'इतिहास सोसायटी' है। सभी छात्र और शिक्षण संकाय इसके सदस्य हैं। 'साक्ष्य' में अपने स्वयं के पदाधिकारियों को चुनने की परंपरा है, जो संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में नियमित रूप से सेमिनार, शैक्षिक यात्राएं, 'हेरिटेज वॉक' और वार्षिक विभागीय उत्सव

'युगांतर' का आयोजन करते हैं। यह प्रतिवर्ष अपनी पत्रिका भी प्रकाशित करता है जिसमें लेख–लेखन, संपादन एवं प्रकाशन का प्रबंध विद्यार्थी स्वयं करते हैं। कॉलेज से निकलने के बाद, और पिछले कुछ वर्षों में, हमारे विद्यार्थियों ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों जैसे अनुसंधान, शिक्षाविद, कानून, नौकरशाही, कॉर्पोरेट क्षेत्र, मीडिया और संचार, बैंक, सेना और मनोरंजन उद्योग में खुद को प्रतिष्ठित किया है।

इतिहास विभाग स्नातक स्तर पर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रश्नपत्रों के संदर्भ में यथासंभव व्यापक विकल्प प्रदान करने का प्रयास करता है। हम दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित एनईपी पाठ्यक्रम का पालन करते हैं। भारतीय उपमहाद्वीप और दुनिया के प्राचीन, मध्ययुगीन और आधुनिक इतिहास से संबंधित मुख्य पेपरों के साथ, हम विद्यार्थियों को दक्षिण–पूर्व एशिया और अफ्रीका आदि पर विभिन्न डीएसई (अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक) पेपरों के माध्यम से वैश्विक और प्रवासी अध्ययन से भी परिचित कराते हैं। संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) और मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी) छात्रों को इतिहास के क्षेत्र में हाल के विकास और कक्षा में सीखे गए (अर्जित) ज्ञान के उनके दैनिक जीवन में व्यावहारिक अनुप्रयोग से परिचित कराते हैं। विभाग द्वारा पढ़ाए जाने वाले प्रश्नपत्रों की विस्तृत श्रृंखला का उद्देश्य शिक्षार्थी की बौद्धिक जिज्ञासा को प्रज्वलित करना और उन्हें शैक्षणिक और व्यावसायिक दुनिया में उनकी यात्रा के लिए प्रेरित और मार्गदर्शन करना है। इतिहास विभाग इतिहास में स्नातकोत्तर (एमए) के लिए भी विद्यार्थियों को प्रवेश देता है।

संकाय सदस्य

1. **डॉ. रतन लाल**
   एमए, एमफिल, पीएचडी, सह आचार्य
2. **डॉ. शंकर कुमार**
   एमए, एमफिल, पीएचडी, सह आचार्य
3. **डॉ. रचना सिंह**
   एमए, एमफिल, पीएचडी, सह आचार्य
4. **डॉ. आर.बी. आजाद चौधरी**
   (शिक्षक –प्रभारी)
   एमए, एमफिल, पीएचडी,
   सहायक आचार्य
5. **डॉ. सौरभ कुमार**
   एमए, एमफिल, पीएचडी,
   सहायक आचार्य
6. **डॉ. सुजय बिस्वास**
   एमए, एमफिल, पीएचडी,
   सहायक आचार्य
7. **डॉ. एस. पनमेई**
   एमए, एमफिल, पीएचडी,
   सहायक आचार्य
8. **डॉ. रुचि वर्मा**
   एमए, एमफिल, पीएचडी,
   सहायक आचार्य

गणित विभाग

हिंदू कॉलेज का गणित विभाग एक प्रसिद्ध शैक्षणिक विभाग है जो कई दशकों से गणितीय शिक्षा का आधार रहा है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और गणितीय सिद्धांतों की गहरी समझ को बढ़ावा देने के लिए जाना जाने वाला यह विभाग लगातार प्रतिभाशाली गणितज्ञों को तैयार करता रहा है और इस क्षेत्र की उन्नति में योगदान देता रहा है।

हिंदू कॉलेज के गणित विभाग के संकाय सदस्य गणित की विभिन्न शाखाओं में विशेषज्ञता के साथ उच्च योग्यता वाले और निपुण व्यक्ति हैं। उनके पास व्यापक शोध अनुभव और शिक्षण के प्रति जुनून है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्रों को विषय में व्यापक शिक्षा मिले। संकाय सदस्य एक सहायक शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए समर्पित हैं और छात्रों को उनके शैक्षणिक प्रयासों में मार्गदर्शन और सलाह देने के लिए तत्पर हैं।

विभाग गणित में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है, जिससे विद्यार्थियों को गणितीय सिद्धांतों और अनुप्रयोगों में एक ठोस आधार मिलता है। स्नातक कार्यक्रम में बीजगणित, कलन, असतत गणित, अंतर समीकरण, विश्लेषण, संभाव्यता और सांख्यिकी आदि सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। यह विद्यार्थियों को जटिल गणितीय अवधारणाओं को समझने और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए आवश्यक गणितीय उपकरण और तकनीकों से लैस करता है। स्नातकोत्तर कार्यक्रम विद्यार्थियों को शुद्ध गणित, अनुप्रयुक्त गणित, गणितीय मॉडलिंग या कम्प्यूटेशनल गणित जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करने की अनुमति देते हैं, जिससे वे अपनी रुचि के चुने हुए क्षेत्र में गहराई से जा सकते हैं।

गणित विभाग का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, तार्किक तर्क और समस्या समाधान कौशल को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है। यह सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच संतुलन बनाता है, यह सुनिश्चित करता है कि विद्यार्थी गणित के अंतर्निहित सिद्धांतों को समझें और साथ ही वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में गणित की अवधारणाओं को लागू करने में दक्षता विकसित करें। विभाग विद्यार्थियों को शोध परियोजनाएँ शुरू करने, गणितीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने और बौद्धिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने के लिए विषय की गहरी समझ को बढ़ावा देने के लिए सेमिनार और कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित करता है।

विभाग के बुनियादी ढाँचे में गणितीय मॉडलिंग के लिए विशेष सॉफ्टवेयर के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित कक्षाएं और कंप्यूटर लैब शामिल हैं। ये संसाधन प्रभावी शिक्षण की सुविधा प्रदान करते हैं और छात्रों को व्यावहारिक प्रयोगों और कम्प्यूटेशनल विधियों के माध्यम से गणितीय अवधारणाओं का पता लगाने के अवसर प्रदान करते हैं।

हिंदू कॉलेज का गणित विभाग सक्रिय रूप से अंतःविषय सहयोग को बढ़ावा देता है और छात्रों को भौतिकी, रसायन विज्ञान, वाणिज्य और अर्थशास्त्र जैसे विभिन्न क्षेत्रों में गणितीय तकनीकों को लागू करने के लिए प्रोत्साहित करता है। अंतःविषय दृष्टिकोण विद्यार्थियों के क्षितिज का विस्तार करता है और उन्हें बहुमुखी कौशल से संपन्न करता है जो आज के प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजार में अत्यधिक मूल्यवान हैं।

विभाग अपने जीवंत गणितीय समुदाय पर गर्व करता है, जो एक्यूटी नामक गणितीय समाज के माध्यम से छात्रों के बीच सौहार्द की भावना को बढ़ावा देता है। यह मंच विद्यार्थियों को गणितीय चर्चाओं में शामिल होने, समस्या समाधान सत्रों में भाग लेने, समस्या समाधान सत्रों में भाग लेने और गणितीय कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित करने के अवसर प्रदान करता है। विभाग प्रसिद्ध गणितज्ञों को अतिथि व्याख्यान देने और अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए आमंत्रित करता है, जिससे विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव समृद्ध होते हैं। शिक्षाविदों के अलावा, एक्यूटी प्रत्येक विद्यार्थी के समग्र विकास पर भी ध्यान केंद्रित करता है और एक्यूटियंस की प्रतिभा को प्रोत्साहित करता है । वार्षिक उत्सव–अल्फा विद्यार्थियों और दर्शकों के बीच अत्यंत उत्साह और उत्साह के साथ आयोजित किया जाता है। अल्फा वास्तव में किसी भी गणित के प्रति उत्साही के लिए स्वर्ग है और साथ ही किसी भी विद्यार्थी के लिए कॉलेज जीवन के रंगों में एक अद्भुत और अविस्मरणीय अनुभव है।

विभाग का वार्षिक प्रकाशन– 'एनुलस' एक ज्ञानवर्धक प्रकाशन है और उच्च गुणवत्ता वाला है जिसमें उच्च गणित और उससे संबंधित स्पेक्ट्रम शामिल हैं जो दुनिया भर में किसी भी गणित प्रेमी के लिए एक रत्न है। एनुलस विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपे शोधकर्ता को आत्मनिरीक्षण करने और उसे बाहर लाने का अवसर प्रदान करता है। गणित विभाग के पूर्व विद्यार्थियों ने अपने करियर में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और शिक्षा, उद्योग, अनुसंधान और सार्वजनिक सेवा में बहुमूल्य योगदान दिया है। हिंदू कॉलेज का गणित विभाग एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक विभाग है जो गणित में व्यापक शिक्षा प्रदान करता है, आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान कौशल का पोषण करता है, तथा विषय के प्रति जुनून को बढ़ावा देता है। अपने समर्पित संकाय, अंतःविषयक दृष्टिकोण, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और जीवंत गणितीय समुदाय के साथ, विभाग गणितज्ञों की भावी पीढ़ी को आकार देने और गणितीय ज्ञान की उन्नति में योगदान देने में लगा हुआ है।

संकाय सदस्य

1. **प्रो. बिंदु बंसल**
   एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., आचार्य
2. **सुश्री सीमा पालीवाल**
   एम.एससी., एम.फिल., सह आचार्य
3. **डॉ. राजेश कुमार**
   एम.एससी., पीएच.डी.,
   सह आचार्य
4. **डॉ. निधि चावला**
   एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.,
   सह आचार्य
5. **प्रो. सचिन वशिष्ठ**
   एम.एससी., पीएच.डी., आचार्य
6. **डॉ. प्रमोद कुमार**
   एम.एससी., पीएच.डी., सह आचार्य
7. **डॉ. समृद्धि मेहता**
   एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.,
   सह आचार्य
8. **श्री बिस्वजीत ताहू**
   एम.एससी., एम.फिल,
   सहायक आचार्य
9. **डॉ. आयशा इब्राहिम (शिक्षक प्रभारी)**
   एम.एससी., एम.फिल, पीएच.डी.,
   सहायक आचार्य
10. **श्री शैलेश कुमार,**
    एम.एससी.,
    सहायक आचार्य
11. **श्री प्रेमराज मीना**
    एम.एससी., सहायक आचार्य

दर्शनशास्त्र विभाग

दर्शनशास्त्र विभाग में भारतीय दर्शन, यूनानी दर्शन, महाद्वीपीय विचार, तर्कशास्त्र, नीतिशास्त्र, सौंदर्यशास्त्र, मनोदर्शन , विज्ञान का दर्शन और धर्मदर्शन जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शिक्षक हैं । पचहत्तर से अधिक वर्षों से कार्यरत यह विभाग निरंतर विकासमान रहा है। प्रारंभ में इस विभाग में केवल एक ही सुप्रसिद्ध विद्वान श्री प्रेमचंद अध्यापक थे, वर्तमान में विभाग में सात अध्यापक हैं। आरंभ में विभाग बीए (प्रोग्राम), दूसरे विभाग के ऑनर्स छात्रों के लिए अंतर अनुशासनिक और अनुशासन केंद्रित पाठ्यक्रम और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए ट्यूटोरियल कक्षाएँ आयोजित करता था। 2007 से विभाग ने स्नातक स्तर के विद्यार्थियों हेतु ऑनर्स पाठ्यक्रम प्रारंभ किया। हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र में ऑनर्स पाठ्यक्रम प्रस्तावित करने वाला एक अग्रणी सह–शिक्षा कॉलेज है। यूजीसीएफ–एनईपी के तहत बी.ए .(ऑनर्स) दर्शनशास्त्र लिए आठ सेमेस्टर में विभाग मुख्य पाठ्यक्रम (सीसी), विषय केंद्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम (डीएसई), मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी), और कौशल विकास पाठ्यक्रम (एसईसी) प्रस्तावित करता है। अन्य विभाग के विद्यार्थियों के लिए कई सामान्य वैकल्पिक (जीई) पाठ्यक्रम भी प्रस्तावित करता है। हमारे विद्यार्थियों ने हमें सम्मान दिलाया है और प्रत्येक वर्ष हम विश्वविद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त कर रहे हैं। विद्यार्थियों के संपूर्ण अकादमिक विकास के उद्देश्य से निर्धारित कक्षाओं और ट्यूटोरियल के अतिरिक्त विभाग समय–समय पर प्रसिद्ध विद्वानों के व्याख्यान, संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा, वाद–विवाद और कार्यशाला श्रृंखला आयोजित करता रहा है। विभाग ने संवाद नामक व्याख्यान श्रृंखला संस्थापित किया है जिसके अंतर्गत देश–विदेश की विभिन्न संस्थाओं–विश्वविद्यालयों के विख्यात विद्वानों को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है। विभाग 'भारतीय दर्शनशास्त्र अनुसंधान परिषद' और 'भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद' की सहायता से समय–समय पर लेक्चर और सम्मेलन भी आयोजित करता है। विभाग का वार्षिकोत्सव 'पेनाथेनिया' और पत्रिका 'फलसफा' विद्यार्थियों को अपनी अकादमिक, रचनात्मक और कलात्मक प्रतिभा दिखाने का अवसर देती हैं । देश–विदेश के विख्यात लेखक, जो दर्शनशास्त्र विभाग के साथ संबद्ध रहे हैं, वे रहे हैं, प्रेमचंद, बलबीर सिंह, रेखा बसु, ध्रुव रैना, पीटर मैकलाघलिन, दया कृष्णा, डेनियल रावहे, वी. सनिल, एच. एस. प्रसाद, विभा चतुर्वेदी, के. पी. शंकरन, पुरुषोत्तम बिलिमोरिआ, शन्कर रमास्वामी, क्रिश्चियन लेडक, रेनेर एबर्ट, विजय तंखा, पुरुषोत्तम अग्रवाल आदि।

संकाय सदस्य

1. **डॉ. देवसिया मुरुपथ एंटनी**
   एमए, एमफिल, पीएचडी, सह आचार्य
   Associate Professor
2. **डॉ. सुमित नंदन**
   एमए, एमफिल, पीएचडी, सह आचार्य
   Associate Professor
3. **डॉ. कृष्ण मणि पाठक**
   एमए, एमफिल, पीएचडी, सह आचार्य
4. **डॉ. अनन्या बरुआ**
   एमए, पीएचडी, सह आचार्य
5. **डॉ. सुदीप राज कुमार (शिक्षक प्रभारी)**
   एमए, एमफिल, पीएचडी, सहायक आचार्य
6. **डॉ. अजय जायसवाल**
   एमए, एमफिल, पीएचडी, सहायक आचार्य
7. **डॉ. रिम्पी**
   एमए, एमफिल, पीएचडी, सहायक आचार्य

राजनीतिक विज्ञान विभाग

एक विषय के रूप में राजनीतिक विज्ञान व्यक्ति और समाज के दैनिक जीवन का अध्ययन है। इसके अंतर्गत ऐसे मूल्यात्मक प्रश्नों का विवेचन होता है, जिनसे किसी भी राजनैतिक व्यवस्था, व्यक्तियों तथा उनके सरकारों और सार्वजनिक अच्छाइयों पर विचार किया जाता है। यह विषय लोगों की सामाजिक तथा समाज में उनकी व्यक्तिगत पहचान का भी अध्ययन करता है। स्वाभाविक है कि इसके अंतर्गत उन सभी विधाओं का भी अध्ययन होता है, जिनसे सार्वजनिक निर्णय लिये जाते हैं तथा सामान्य हितों को साधा जाता है। एक विषय के रूप में राजनीति विज्ञान शक्ति के वितरण प्रबंधन तथा क्रियान्वयन का अध्ययन है। नैतिक, मौलिक मुद्दों राजनीतिक गतिविधियों व संस्थाओं के बीच मध्यस्थता इसका मुख्य बिंदु है। मुख्य रूप से राजनीति विज्ञान, व्यक्ति, समाज, राज्य के मध्य संबंधों का अध्ययन है। राजनीति विज्ञान विभाग की पहचान लोकतांत्रिक शैक्षणिक संस्कृति के लिए प्रतिबद्ध युवा और उत्साही शिक्षकों के कारण है। वर्तमान में इस विभाग में आठ शिक्षक कार्यरत हैं। इस विभाग में अनिवार्य पाठ्यक्रम के अतिरिक्त व्यापक क्षेत्र में राजनीति विभाग के विभिन्न पाठ्यक्रमों यथा, भारत में लोकनीति, साउथ एशिया, नारीवादः सिद्धान्त और व्यवहार, समकालीन राजनीतिक अर्थव्यवस्था, नारीवाद और भारतीय राजनीति, संयुक्त राष्ट्रसंघ और वैश्विक संघर्ष और भारत में सार्वजनिक नीति का अध्यापन किया जाता है। यह विभाग विविध विषयों पर सक्रिय रूप से सेमिनार और सिंपोजिया का आयोजन करता है। वाद–विवाद और चर्चा–परिचर्चा में विद्यार्थियों और शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रहती है । राजनीति विज्ञान में स्नातक (प्रतिष्ठा) और स्नातकोत्तर के अध्यापन की व्यवस्था है। स्नातक

स्तर पर यूजीसीएफ–एनईपी के अंतर्गत कोर पेपर के अतिरिक्त बीए (प्रोग्राम) के लिए डिसीप्लीन पेपर, जेनरिक कोर्स और स्किल इनहांसमेंट पेपर पढ़ाया जाता है। 'पोल्सो' राजनीति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों की संस्था है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुसार इसका चुनाव होता है और चुने हुए सदस्य विभाग के अकादमिक, सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन शिक्षकों के परामर्श से करते हैं। यह संस्था वार्षिक समारोह 'पॉलिटी' का आयोजन करती है, जिसमें प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ पेनलिस्ट के रूप में आते हैं। 'पोल्सो' के तत्त्वाधान में 'एनएन अग्रवाल अंतर्महा –विद्यालयीय पत्र–प्रस्तुति' का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। 'सियासत' वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन करता है, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों के लेख प्रकाशित होते हैं। विभाग के विद्यार्थी सदैव सक्रिय रूप से वाद– विवाद, नृत्य, संगीत, थियेटर, कोरियोग्राफी और अन्य कला प्रस्तुतियों में भाग लेते हैं।

संकाय सदस्य

1.	**डॉ. जगदीश चंदर** एमए, एमफिल, पीएचडी, सह आचार्य	2.	**डॉ. मनीषा पांडे (शिक्षक प्रभारी)** एमए, एमफिल, पीएचडी, आचार्य
3.	**डॉ. सीमा दास** एमए, एमफिल, पीएचडी, आचार्य	4.	**डॉ. अनिरुद्ध कुमार प्रसाद** एमए, एमफिल, पीएचडी, सह आचार्य
5.	**डॉ. चंद्रचूर सिंह** एमए, एमफिल, पीएचडी, आचार्य	6.	**डॉ. तालीम अख्तर** एमए, एमफिल, पीएचडी, सह अचार्य
7.	**डॉ. कस्तूरी दत्ता** एमए, एमफिल, पीएचडी, सहायक आचार्य	8.	**डॉ राम कुमार ठाकुर** एमए, एमफिलय पीएचडी, सहायक आचार्य

भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग हिन्दू कॉलेज के सबसे पुराने और बड़े विभागों में से एक है। इसने कॉलेज को एक संस्थान के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एक शैक्षणिक संस्थान का मुख्य उद्देश्य युवाओं के मन को प्रबुद्ध व्यक्तित्वों में परिवर्तित करना होता है। भौतिकी विभाग ने हमेशा छात्रों और शिक्षकों की शैक्षणिक समुदाय में उच्च नैतिक मूल्यों के पालन पर जोर दिया है। समय के साथ शिक्षक–विद्यार्थी संबंधों में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। विभाग के शिक्षक न केवल शिक्षकों और मार्गदर्शकों की भूमिका निभाते हैं, बल्कि वे ऐसे 'मित्र' भी हैं जिन पर विद्यार्थी जरूरत के समय भरोसा कर सकते हैं। उत्कृष्ट और प्रतिबद्ध संकाय, नवाचारों के लिए प्रेरणादायक वातावरण और छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण यह विभाग देश के सबसे उज्ज्वल विद्यार्थियों को आकृष्ट करता है। विभाग द्वारा चार वर्षीय बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी एवं बी. एससी. फिजिकल साइंस (इलेक्ट्रॉनिक्स) पाठ्यक्रम संचालित करता है, जिसमें प्रत्येक वर्ष पूरा होने के बाद विद्यार्थियों को बाहर निकलने का विकल्प भी मिलता है। साथ ही, विभाग बी.एससी. फिजिकल साइंस (केमिस्ट्री) पाठ्यक्रम के शिक्षण में भी भागीदार है।

विभाग के संकाय सदस्यों की विशेषज्ञता भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे क्वांटम यांत्रिकी, संघनित पदार्थ भौतिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, पदार्थ विज्ञान और उच्च ऊर्जा भौतिकी आदि में है। यह विभाग शिक्षण के साथ–साथ अनुसंधान पर भी विशेष जोर देता है। संकाय सदस्यों द्वारा प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में अनेक शोध पत्र और लेख प्रकाशित किए गए हैं। कई शोधार्थी उनके मार्गदर्शन में पीएच.डी. कर रहे हैं। कई पेटेंट और तकनीक हस्तांतरण भी विभाग के संकाय सदस्यों के नाम हैं। संकाय सदस्य कॉलेज के प्रशासनिक कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभाते हैं, जैसे कि शिक्षक परिषद समितियों के सदस्य और संयोजक, छात्रावास प्रबंधक, इनोवेशन काउंसिल के सदस्य, कॉलेज की विभिन्न सोसाइटीज के स्टाफ सलाहकार आदि।

विभाग के पास तीन व्याख्यान थिएटर, एक कक्षा और तीन प्रयोगशालाएँ हैं, जो सभी आईसीटी–सक्षम है । सभी प्रयोगशालाएँ को हर वर्ष नवीनतम उपकरणों से उन्नत किया जाता है। इसके अलावा, विभाग में आठ फैकल्टी रूम, एक भंडार कक्ष और एक अनुसंधान कक्ष भी हैं। विभाग के अंतर्गत दो अनुसंधान प्रयोगशालाएँ भी संचालित होती हैं– सामग्री संश्लेषण प्रयोगशाला तथा ई–कचरे के पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण से संबंधित कौशल प्रयोगशालाएँ साथ ही विभाग कॉलेज के नवाचार एवं स्टार्टअप प्रकोष्ठ में भी सक्रिय योगदान दे रहा है। विद्यार्थियों को परियोजनाओं, इंटर्नशिप और

समर प्रोग्राम्स के माध्यम से वास्तविक शोध कार्य का अनुभव प्राप्त होता है, जिससे वे भौतिकी की अवधारणाओं के साथ प्रयोग कर सकते हैं, अपनी नवाचारी सोच को आकार दे सकते हैं और रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन कर सकते हैं। विभाग के विद्यार्थी कॉलेज के सामाजिक जीवन में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं और विभिन्न सोसाइटीज, विद्यार्थी संसद और कार्यक्रम आयोजनों में नेतृत्व करते हैं।

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए यह महसूस किया गया कि उनकी रचनात्मक ऊर्जा को भी सही दिशा में प्रवाहित करने की आवश्यकता है। इसी विचार से वार्षिक विभागीय उत्सव "क्वार्क्स" और भौतिकी सोसाइटी "यूरेका" की पत्रिका की शुरुआत हुई। इस उत्सव के अंतर्गत व्याख्यान श्रृंखला, प्रतिष्ठित भौतिकविदों द्वारा पैनल चर्चा, शोध पत्र पाठन, प्रश्नोत्तरी, वाद–विवाद, पोस्टर प्रस्तुति आदि जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विभाग द्वारा क्षेत्रीय भ्रमण, राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं का दौरा, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। विद्यार्थी विभाग द्वारा प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से संचालित किए जाने वाले पूरक पाठ्यक्रमों के माध्यम से उभरते क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं। हमारे छात्रों ने विश्वविद्यालय परीक्षा में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और भारत व विदेश की शीर्ष विश्वविद्यालयों–संस्थानों में उच्च शिक्षा हेतु प्रवेश प्राप्त किया है। विभाग के पूर्व विद्यार्थी विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों जैसे सिविल सेवा, रक्षा सेवा, प्रबंधन, अनुसंधान एवं विकास आदि में अपना विशिष्ट स्थान बना चुके हैं। विभाग समावेशिता के साथ समग्र विकास हेतु एक अनुकूल वातावरण प्रदान करता है और इस समृद्ध परंपरा को जीवित और प्रगतिशील बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

संकाय सदस्य

1.	**प्रो. मनीष कुमार कंसल** एम.एससी., पीएच.डी. (आचार्य)	2.	**प्रो. नाओरेम संताक्रुस सिंह** एम.एससी., पीएच.डी. (आचार्य)
3.	**प्रो. ललित कुमार** एम.एससी., पीएच.डी. (आचार्य)	4.	**प्रो. प्रगति अशधीर** एम.एससी., पीएच.डी. (आचार्य)
5.	**डॉ. अपर्णा सक्सेना** एम.एससी., पीएच.डी. (सह आचार्य)	6.	**डॉ. संजय कुमार चौहान** एम.एससी., पीएच.डी. (सह आचार्य)
7.	**प्रो. आदर्श सिंह** एम.एससी., पीएच.डी. (आचार्य)	8.	**प्रो. विवेक कुमार वर्मा** एम.एससी., पीएच.डी. (आचार्य)
9.	**डॉ. अमित तंवर (विभाग प्रभारी)** एम.एससी., पीएच.डी. (सहायक आचार्य)	10.	**डॉ. नेहा बत्रा** एम.एससी., पीएच.डी. (सहायक आचार्य)
11.	**डॉ. मंजू बाला** एम.एससी., पीएच.डी. (सहायक आचार्य)	12.	**डॉ. रीमा गुप्ता** एम.एससी., पीएच.डी. (सहायक आचार्य)
13.	**डॉ. मनोज वर्मा** एम.एससी., पीएच.डी. (सहायक आचार्य)	14.	**डॉ. गीता रे** एम.एससी., पीएच.डी. (सहायक आचार्य)
15.	**डॉ. प्रियंका** एम.एससी., पीएच.डी. (सहायक आचार्य)	16.	**डॉ. अंकुर शाण्डिल्य** एम.एससी., पीएच.डी. (सहायक आचार्य)
17.	**डॉ. अनिता ढाका** एम.एससी., पीएच.डी. (सहायक आचार्य)	18.	**डॉ. विरेंद्र कुमार** एम.एससी., पीएच.डी. (सहायक आचार्य)
19.	**श्री गिनमिनलेन टौथांग** एम.एससी. (सहायक आचार्य)	20.	**डॉ. काशिमा अरोड़ा** एम.एससी., पीएच.डी. (सहायक आचार्य)

भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग ने सदैव छात्रों और शिक्षकों की शैक्षणिक समुदाय में उच्च नैतिक मूल्यों के पालन पर जोर दिया है। अत्यंत कुशल और प्रतिबद्ध संकाय, नवाचारों के लिए जीवंत वातावरण, तथा छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण यह विभाग 102 स्ट्रीम के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को आकृष्ट करता है। भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा चार वर्षीय बी.एससी. फिजिकल साइंस (इलेक्ट्रॉनिक्स) पाठ्यक्रम संचालित करता है, जिसमें प्रत्येक वर्ष पूरा होने के बाद छात्र को बाहर निकलने का विकल्प भी मिलता है।

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए यह महसूस किया गया कि उनकी रचनात्मक ऊर्जा को भी सही दिशा में प्रवाहित करना आवश्यक है। इस विचार के तहत, फिजिकल साइंस विद इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी "एसीएमई" अपना वार्षिक उत्सव "विवासे" आयोजित करती है। इस उत्सव में प्रतिष्ठित भौतिकविदों द्वारा व्याख्यान श्रृंखला, पैनल चर्चाएँ, शोध पत्र पाठन, प्रश्नोत्तरी, वाद–विवाद, पोस्टर प्रस्तुति आदि विभिन्न कार्यक्रम शामिल होते हैं। विभाग क्षेत्रीय भ्रमण, राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के दौरे, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ और जागरूकता कार्यक्रम भी नियमित रूप से आयोजित करता है।

विद्यार्थी विभाग द्वारा अन्य उत्कृष्ट संस्थानों के सहयोग से संचालित किए जाने वाले कई अतिरिक्त पाठ्यक्रमों में भाग लेकर उभरते क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। हमारे विद्यार्थी विश्वविद्यालय परीक्षाओं में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त करते हैं। वे भारत और विदेश की प्रमुख विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश पाते हैं।

संकाय सदस्य

1.	**डॉ. अमित तंवर (विभाग प्रभारी)** एम.एससी., पीएच.डी. (सहायक आचार्य)		

संस्कृत विभाग

हिंदू महाविद्यालय देश के सबसे प्रतिष्ठित महाविद्यालयों में अन्यतम है। इसका संस्कृत विभाग अपनी अध्ययन–अध्यापन की श्रेष्ठ परम्परा को लेकर सुविख्यात है। विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृत के विशेष अध्ययन के साथ–साथ अंतर–वैषयिक पाठ्यक्रमों में भी संस्कृत का अध्ययन होता है। संस्कृत विभाग में वेद, व्याकरण, दर्शन, साहित्य, संगणकीय भाषाविज्ञान, आयुर्वेद, अभिलेख शास्त्र,आधुनिक संस्कृत साहित्य, संस्कृत–पत्रकारिता आदि विषयों के मर्मज्ञ आचार्य हैं। विभाग में संस्कृत के मूल ग्रंथों का प्राचीन भाष्यों एवं टीकाओं के माध्यम से अध्यापन तथा ग्रंथों की आधुनिक परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता पर विशेष बल दिया जाता है। संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत जगत् में ख्यातिप्राप्त विद्वानों एवं विदुषियों को शास्त्रीय विचार–विमर्श के लिए सविशेष आमंत्रित किया जाता है साथ ही विभाग द्वारा राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सम्मेलनों का भी आयोजन किया जाता है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व को संवर्द्धित करने लिए संस्कृत विभाग में 'ऋक' नाम से एक सक्रिय विद्यार्थी परिषद् प्रतिष्ठित है। परिषद् के द्वारा शैक्षणिक वर्ष पर्यन्त प्रश्न–मञ्च, गायन, सद्य–भाषण, स्वरचित काव्यपाठ, वाद–विवाद, निबन्ध–लेखन, चित्रकला निर्माण, नाट्य–मञ्चन आदि अनेक प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

संस्कृत विभाग द्वारा एक लघु पुस्तकालय भी संचालित है जिसमें छात्रोपयोगी अनेक पुस्तकों का व्यवस्थित संकलन है। विभाग के मेधावी विद्यार्थियों को महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और देश के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा छात्रवृत्ति भी प्राप्त होती है। संस्कृत विभाग के पूर्वविद्यार्थी देश की सर्वोच्च संस्थाओं में विभिन्न प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत हैं।

संकाय सदस्य

1. **डॉ. अनीता राजपाल**
परास्नातक, दर्शन निष्णात, विद्यावारिधि, आचार्या

2. **डॉ. राजेन्द्र कुमार**
परास्नातक, दर्शन निष्णात, विद्यावारिधि, आचार्य

3. **डॉ. विजय गर्ग**
परास्नातक, दर्शन निष्णात, विद्यावारिधि, आचार्य

4. **डॉ. जगमोहन (शिक्षक प्रभारी)**
परास्नातक, विद्यावारिधि, सहायक आचार्य

5. **श्री पूरणमल वर्मा**
परास्नातक, दर्शन निष्णात, सहायक आचार्य

6. **डॉ. जी. सोमशंकर**
परास्नातक, विद्यावारिधि, सहायक आचार्य

7. **डॉ. सुनील जोशी**
परास्नातक, विद्यावारिधि, सहायक आचार्य

समाजशास्त्र विभाग

1969 में स्थापित समाजशास्त्र विभाग के पास अकादमिक उपलब्धियों और रचनात्मक उत्कृष्टता का एक मजबूत रिकॉर्ड है। हमारे छात्र लगातार विश्वविद्यालय परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करते हैं और अक्सर शीर्ष स्थान प्राप्त करते हैं। UGCF & NEP के तहत, विभाग BA (H) समाजशास्त्र में डिग्री के लिए आठ सेमेस्टर में कोर कोर्स (CC), अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (DSE), मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (VAC) और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC) प्रदान करता है। CC पहले दो सेमेस्टर में अनुशासन की बुनियादी बातें सिखाता है, तीसरे और चौथे सेमेस्टर में, छात्रों को समाजशास्त्र के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों, जैसे धर्म, राजनीति, अर्थव्यवस्था, और परिवार और रिश्तेदारी के साथ–साथ लागू कौशल आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रमों का ज्ञान दिया जाता है। पाँचवें और छठे सेमेस्टर में विभिन्न DSE के माध्यम से अनुसंधान के विशेष क्षेत्रों का ज्ञान दिया जाता है, जिसमें विद्यार्थियों को पसंदीदा DSE चुनने का विकल्प दिया जाता है, साथ ही अनिवार्य पाठ्यक्रम जो अनुशासन के सैद्धांतिक और पद्धतिगत अभिविन्यास में आधार प्रदान करते हैं। अंतिम वर्ष विभाग के शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के बीच शोध योग्यता और कौशल को विकसित करने के लिए समर्पित है। पाठ्यक्रम अच्छी तरह से डिजाइन किए गए पाठ्यक्रम के माध्यम से पढ़ाए जाते हैं जिसमें प्रख्यात समाजशास्त्रियों द्वारा मूल पाठ और मानक कार्य शामिल होते हैं। शैक्षणिक रूप से, विभाग इंटरैक्टिव सीखने पर जोर देता है जहाँ छात्रों को साथियों और शिक्षकों दोनों के साथ सार्थक संवाद में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग अन्य विभागों के छात्रों को जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) की एक श्रृंखला भी प्रदान करता है। विभाग में आर्थिक और राजनीतिक समाजशास्त्र, रिश्तेदारी, धर्म, लिंग, शिक्षा, चिकित्सा और स्वास्थ्य और समाजशास्त्रीय सिद्धांतों और अनुसंधान सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला में काफी विशेषज्ञता वाले एक कुशल संकाय हैं। शैक्षणिक वातावरण को और अधिक जीवंत बनाने के लिए अनुशासन के विशेषज्ञों को समय–समय पर चुने गए विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

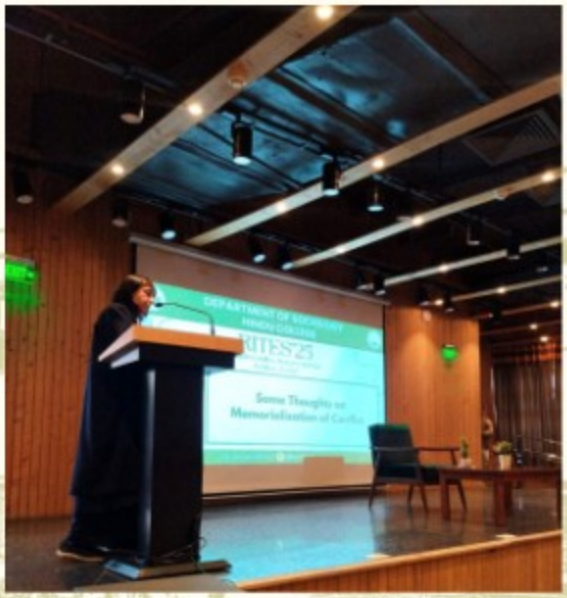

विभाग में 'वर्बंड' नामक एक ऊर्जावान समाजशास्त्रीय सोसाइटी है, जिसके निर्वाचित छात्र पदाधिकारी हैं। संकाय के साथ सक्रिय सहयोग में, सोसाइटी एक शैक्षणिक वर्ष के दौरान अकादमिक सेमिनार, व्याख्यान और कार्यशालाओं का आयोजन करती है। हमारा वार्षिक विभागीय उत्सव RITES सोसाइटी के कैलेंडर का मुख्य आकर्षण हैय यह एक अंतर–कॉलेज कार्यक्रम है जिसमें शैक्षणिक और पाठ्येतर दोनों घटक होते हैं। विभाग में एक

नृवंशविज्ञान फिल्म क्लब, OEUVRE भी है, जो दुनिया भर में नृवंशविज्ञान फिल्मों की स्क्रीनिंग और चर्चा आयोजित करता है। विभाग एक वार्षिक पत्रिका, WAQIF निकालता है, जिसकी संपादकीय टीम में विद्यार्थी शामिल होते हैं। हमारे विद्यार्थी कॉलेज की विभिन्न सह–पाठ्यचर्या सोसाइटियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और अक्सर उनमें महत्वपूर्ण नेतृत्व की भूमिका निभाते हैं। कठोर शैक्षणिक प्रशिक्षण और सक्रिय पाठ्येतर जुड़ावों के माध्यम से, हमारे विद्यार्थी सामाजिक अनुसंधान, सार्वजनिक नीति, पत्रकारिता और मीडिया, मानव संसाधन, सरकारी सेवा, विकास क्षेत्र, सामाजिक कार्य, कानून और शिक्षण और अनुशासनात्मक अनुसंधान के मुख्य क्षेत्रों जैसे कई प्रकार के कैरियर विकल्पों का पता लगाने के लिए सुसज्जित हैं। विभाग से समाजशास्त्र स्नातक तेजी से बदलती दुनिया में एक महत्वपूर्ण और सक्रिय नागरिक के रूप में उभरता है।

संकाय सदस्य

1. **प्रो. अचला प्रीतम टंडन**
   एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., आचार्य
2. **प्रो. शालिनी सूर्यनारायण**
   एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., आचार्य
3. **डॉ. गीतिका डे**
   एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.,
   सह आचार्य
4. **डॉ. ट्विंकल पाल**
   एम.एससी., एम.ए., पीएच.डी.,
   सहायक आचार्य
5. **डॉ. मेहा ठाकोर**
   एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.,
   सहायक आचार्य
6. **सुश्री सोनिया कुमारी (प्रभारी शिक्षिका)**
   एम.ए., एम.फिल.,
   सहायक आचार्य

सांख्यिकी विभाग

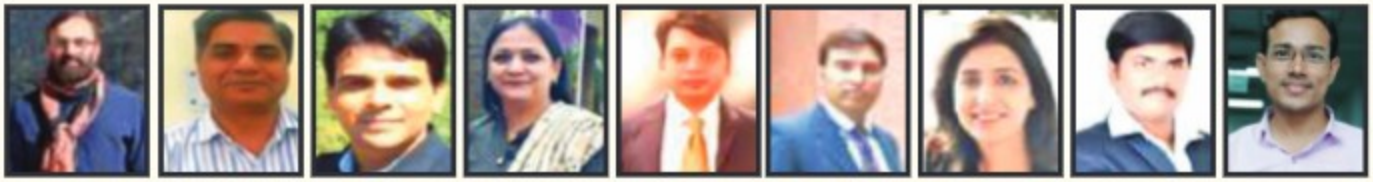

1975 में अपनी स्थापना के बाद से, हिंदू कॉलेज से सांख्यिकी में स्नातक की डिग्री एक लोकप्रिय पाठ्यक्रम बना हुआ है जो हर साल हजारों उम्मीदवारों को आकृष्ट करता है। डिजिटल अर्थव्यवस्था में सांख्यिकी का महत्त्व और प्रासंगिकता सर्वव्यापी है। सांख्यिकी में बीएससी (एच) की डिग्री छात्रों को एक महत्वपूर्ण मानसिकता, जटिल समस्याओं को हल करने की क्षमता और आज सांख्यिकी विज्ञान के असंख्य अनुप्रयोगों के लिए प्रशंसा विकसित करने में सक्षम बनाती है।

विभाग में प्रतिबद्ध शिक्षकों का एक समूह है जो विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं, जैसे अनुमान, स्टोचौस्टिक मॉडलिंग, भविष्यवाणी सिद्धांत, ऑर्डर सांख्यिकी, बेयसियन सिद्धांत, बायोस्टैटिस्टिक्स, आदि। नियमित शिक्षण के अलावा, संकाय सदस्य शोध परियोजनाओं और पुस्तकों के प्रकाशन में भी शामिल हैं।

सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में विद्यार्थियों के लिए कैरियर के अवसरों की एक दुनिया खुलती है। यह डिग्री उन लोगों के लिए भी एक मजबूत आधार तैयार करती है जो संबंधित क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं। विभाग में एक जीवंत समाज है जो वार्षिक उत्सव श्कर्टोसिसश का आयोजन करता है। इस उत्सव में उपदेश व्याख्यान, प्रश्नोत्तरी, वाद–विवाद, पेपर प्रस्तुतियाँ आदि की एक श्रृंखला शामिल है।

संकाय सदस्य

1. **प्रो. (डॉ.) देबाश्री गोस्वामी**
   एम.एससी., एम.फिल., पीएचडी,
   सह आचार्य
2. **प्रो. (डॉ.) कमल नैन**
   एम.एससी., एम.फिल., पीएचडी,
   आचार्य
3. **प्रो. (डॉ.) नरेंद्र कुमार**
   एम.एससी., एम.फिल., पीएचडी,
   सह आचार्य
4. **प्रो. (डॉ.) प्रियंका अग्रवाल (शिक्षक प्रभारी)**
   एम.एससी., एम.फिल., पीएचडी,
   सह आचार्य
5. **प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार वार्ष्णेय**
   एम.एससी., एम.फिल., पीएचडी,
   सह आचार्य
6. **डॉ. संदीप कुमार**
   एम.एससी., एम.फिल., पीएचडी,
   सहायक आचार्य
7. **डॉ. नेहा मिधा**
   एम.एससी., एम. फिल., पीएच.डी.,
   सहायक आचार्य
8. **डॉ. हेमन्त कुमार मोलापाटा**
   एम.एससी., एम. फिल., पीएच.डी.,
   सहायक आचार्य
9. **श्री चन्द्रभान यादव**
   एम.एससी., सहायक आचार्य

प्राणीविज्ञान विभाग

प्राणी विज्ञान के क्षेत्र में स्नातक अध्ययन के लिए प्रसिद्ध प्राणीविज्ञान विभाग ने मार्च, 2023 में शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सराहनीय सेवाओं के 50 वर्षों को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद गर्व से अपनी स्वर्ण जयंती मनाई। विभाग के निपुण संकाय अपने संस्थापक की दृष्टि का एहसास करने के लिए उत्कृष्टता की दिशा में प्रयास जारी है। युवा विद्यार्थियों को उपयुक्त रूप से पोषित और सशक्त बनाया जाता है ताकि वे अपने लिए एक जगह बना सकें जैसा कि वे बाहर प्रतिस्पर्धी दुनिया में अपनी यात्रा शुरू करते हैं। और, यह पूर्व छात्रों के प्रभावशाली रिकॉर्ड से स्पष्ट है जिन्होंने अनुसंधान, शैक्षणिक, वन सेवा, सिविल सेवाओं, सशस्त्र बलों, प्रबंधन, आदि जैसे विविध क्षेत्रों में खुद को स्थापित किया है। विद्यार्थियों की सफलता की मजबूत नींव विभिन्न अनुसंधान विशेषज्ञताओं अर्थात् सेल बायोलॉजी, एंटोमोलॉजी (कीट विज्ञान), फिश बायोलॉजी, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी में प्रशिक्षित 9–सदस्यीय संकाय के परामर्श और मार्गदर्शन द्वारा रखी गई है। विभाग द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के साथ अनुसंधान, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सेमिनारों और इंटरैक्टिव सत्रों के साथ पूरक कक्षा शिक्षण, विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में बहुत काम करता है। व्यावहारिक अधिगम को बढ़ाने के लिए प्रतिष्ठित अनुसंधान प्रयोगशालाओं, क्षेत्र यात्राओं और भ्रमणों का नियमित दौरा आयोजित किया जाता है। संकाय आईआईएससी और जेएनसीएएसआर, बैंगलोर, टीआईएफआर, मुंबई एनबीआरसी गुड़गांवय एनआईआई, दिल्ली, आदि जैसे कुछ प्रसिद्ध अनुसंधान संस्थानों में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के लिए विद्यार्थियों के प्रवेश की सुविधा प्रदान करता है। कठोर प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप, छात्र लगातार अकादमिक प्रदर्शन में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं और विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं को पास करके परास्नातक और पीएचडी के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश प्राप्त करते हैं। नवंबर, 2022 में विभाग को प्रतिष्ठित स्टार कॉलेज योजना के लिए अपने परियोजना प्रस्ताव को स्वीकार किए जाने के बाद जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT), भारत सरकार से वित्तीय अनुदान भी प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों को विभिन्न विस्तार प्रयोगों, इंटर्नशिप और परियोजनाएं, और आउटरीच कार्यक्रम जिनमें उन्हें संकाय के सक्षम मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के तहत अनुसंधान गतिविधियों को करने का अवसर मिला, और वे स्नातक स्तर पर कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों में मौखिक, पोस्टर प्रस्तुतियों के रूप में अपना शोध कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं और

संस्थान के लिए प्रशंसा प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थी इसे अपने आकाओं के साथ छोटे समूहों में अपने व्यावहारिक कौशल को सुधारने का एक शानदार अवसर मानते हैं। इसके अलावा, विद्यार्थियों के समग्र विकास को विभागीय सोसाइटी, 'जेनेसिस' द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों में संलग्न करके सुनिश्चित किया जाता है। 'जेनेसिस' छात्रों को आत्म–अभिव्यक्ति और आत्म–दावा का मौका प्रदान करती है और उनके नरम कौशल को विकसित करने में मदद करती है। छात्र अपने दम पर समाज के धन का प्रबंधन करने के अलावा समाज द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाना, निष्पादित करना सीखते हैं। यह उनमें जिम्मेदारी की भावना पैदा करता है और उनके निष्क्रिय नेतृत्व गुणों को सामने लाता है। इन विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों के माध्यम से विभाग अपने छात्रों को न केवल अकादमिक उत्कृष्टता के लिए सफलतापूर्वक प्रशिक्षित करने में सक्षम है, बल्कि उन्हें परिपक्व और जिम्मेदार व्यक्ति बनाने की दिशा में भी तैयार करता है जो आराम से चुनौतियों का सामना कर सकते हैं जैसा कि वे बाहरी दुनिया में अपनी पहचान बनाने के लिए अपनी यात्रा शुरू करते हैं। विभाग के नौ सदस्यीय संकाय की सूची नीचे दी गई है।

संकाय सदस्य

1. **प्रो.. सोमा एम. घोरई,**
   एम एस सी, पीएच॰ डी॰, आचार्य
2. **डॉ. अनुपम वार्ष्णेय शर्मा,**
   सह आचार्य
3. **प्रो. नीतू, आचार्य**
   (विभाग प्रभारी शिक्षिका)
4. **डॉ. वरुणेन्द्र सिंह रावत,**
   सह आचार्य
5. **डॉ. दिव्या बजाज,**
   सहायक आचार्य
6. **श्री. किरण कुमार सलाम,**
   सहायक आचार्य
7. **डॉ. मोहित कुमार,**
   सहायक आचार्य
8. **डॉ. अमन बुनियादी,**
   सहायक आचार्य
9. **डॉ. रवि कुमार गोस्वामी,**
   सहायक आचार्य

बीए कार्यक्रम विभाग

1980 में स्थापित बीए प्रोग्राम विभाग (बीएपी) के पास शैक्षणिक उपलब्धियों और रचनात्मक उत्कृष्टता का एक मजबूत रिकॉर्ड है। हमारे विद्यार्थी शिक्षा में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं और समाज की भलाई के लिए प्रयास करते हैं। बीए प्रोग्राम विभाग कॉलेज के सबसे लोकप्रिय विभागों में से एक है। विभाग सामाजिक विज्ञान, मानविकी और भाषाओं से विषयों के निम्नलिखित चार संयोजन प्रदान करता हैः इतिहास और राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी और अर्थशास्त्र, हिंदी और दर्शनशास्त्र और संस्कृत और राजनीति विज्ञान।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के तत्वावधान में यूजीसीएफ–2022 के हालिया दिशानिर्देशों के आधार पर, विभाग ने अपने पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र को अनुशासनात्मक, अंतःविषय के साथ–साथ व्यावहारिक प्रवचनों (कौशल आधारित और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों) में समकालीन और विविध पेपरों के पूल के साथ अद्यतन किया है। प्रत्येक सेमेस्टर में कम से कम तीन अनुशासन विशिष्ट पाठ्यक्रमों के संयोजन का अध्ययन करने के अलावा, विद्यार्थियों को उनके पाठ्यक्रम के दौरान कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम, मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम, आधुनिक भारतीय भाषा, जेनेरिक इलेक्टिव के साथ–साथ अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के लिए अपनी पसंद का चयन करने के लिए विभिन्न प्रकार के बहु–विषयक विकल्प प्रदान किए जाते हैं।

विभाग की गतिविधियों के सुचारू संचालन में सहायता के लिए प्रभारी शिक्षक के मार्गदर्शन में एक निर्वाचित विद्यार्थी परिषद का गठन किया जाता है। परिषद तीसरे वर्ष और दूसरे वर्ष के विद्यार्थियों से बनी है जो बीएपी के विद्यार्थियों द्वारा ही विभिन्न पदों पर चुने जाते हैं। विभाग विविध विषयों पर सेमिनार और कार्यक्रम आयोजित करने में बहुत सक्रिय रहा है। कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं और चर्चाओं में नियमित आधार पर संकाय और विद्यार्थियों की भागीदारी विभाग को गतिशील और जीवंत बनाती है। इस विभाग के विद्यार्थी कॉलेज की लगभग सभी सोसायटियों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं और लगभग सभी सोसायटियों में प्रमुख पदों पर हैं। बीएपी द्वारा विभिन्न वार्षिक कार्यक्रमों का आयोजन और मेजबानी की जाती है, अर्थात् विरासत फ्रेशर्स पार्टी, छात्रों के नए बैच का स्वागत करने और उन्हें कॉलेज में आत्मसात करने में मदद करने के लिए आयोजित की जाती है, 'जेनिथ' बीएपी का वार्षिक महोत्सव जोश और उत्साह से भरा होता है क्योंकि यह असंख्य प्रतियोगिताओं और प्रदर्शनों और अभिनेताओं से लेकर पत्रकारों तक की प्रमुख हस्तियों के विभिन्न वार्ता सत्रों का आयोजन करता है, अफसाना विदाई पार्टी का आयोजन स्नातक बैच को सम्मानित करने और उन्हें जीवन की नई यात्रा पर अलविदा कहने के लिए किया जाता है।

संकाय सदस्य

1.	**डॉ. अंशिका सागर (शिक्षिका प्रभारी)** एम.ए., पीएच.डी., सहायक प्रोफेसर		

खेल विभाग

हिंदू कॉलेज का खेल उत्कृष्टता में एक शानदार अतीत रहा है। कॉलेज में खेल के लिए सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिसमें एक बड़ा मैदान, बेहतरीन खेल परिसर है जिसमें अत्याधुनिक व्यायामशाला, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल कोर्ट, फुटबॉल ग्राउंड और क्रिकेट पिच हैं। कॉलेज खिलाड़ियों को सभी सुविधाएँ प्रदान करता है और लगभग सभी प्रमुख खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेता है। विश्वविद्यालय स्तर पर, बास्केटबॉल, फुटबॉल और क्रिकेट की हमारी टीमों ने अनुकरणीय प्रदर्शन किया है। हमारे विद्यार्थी न केवल विश्वविद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भी अपनी पहचान बना चुके हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को उनकी स्ट्रीम की परवाह किए बिना खेल सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं और यह उनके द्वारा सामान्य वैकल्पिक विषयों में से एक के रूप में शारीरिक शिक्षा को चुनने की लोकप्रियता से स्पष्ट है। हिंदू कॉलेज सभी विद्यार्थियों को खेलों में अपनी विशेषज्ञता और प्रदर्शन बढ़ाने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करता है। हमारे खिलाड़ियों के समग्र शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक स्वस्थ वातावरण प्रदान किया जाता है।

बास्केटबॉल हिंदू कॉलेज की एक खासियत है जिसमें एक मानक आकार का बास्केटबॉल कोर्ट (28 मीटर X 15 मीटर) है। कॉलेज की महिला बास्केटबॉल टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटरकॉलेज टूर्नामेंट में भाग लिया और उपविजेता पुरस्कार हासिल किया। सौम्या मान और अर्शिया डबास दिल्ली विश्वविद्यालय की टीम का हिस्सा थीं, जिन्होंने उत्तर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भाग लिया। सिद्धार्थ तुषीर ने कोर्फबॉल विश्व चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया और वह उत्तर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में दिल्ली विश्वविद्यालय की टीम का भी हिस्सा थे। अंश तिवारी ने यूपी की अंडर 23 लड़कों की क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व किया, जबकि कार्तिकेय ने इंटर कॉलेज एक्वेटिक चैम्पियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया। शतरंज में, नव्या तायल, उत्तर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय शतरंज चौम्पियनशिप की विजेता रहीं दिल्ली विश्वविद्यालय की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त कर अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए अर्हता प्राप्त की।

संकाय सदस्य

1.	**श्री जय इंद्रपाल सिंह, (शिक्षक प्रभारी)** सह आचार्य	2.	**डॉ. चंद्रशेखर दत्ता,** सहायक आचार्य

दिल्ली विश्वविद्यालय स्नातक कार्यक्रमों में पंजीकरण और प्रवेश नियमित छात्रों के लिए

नियमित छात्रों के लिए:

- उम्मीदवार भारत का नागरिक या भारत का विदेशी नागरिक (ओसीआई) होना चाहिए।
- दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए, सभी उम्मीदवारों (सुपरन्यूमेरी कोटा के तहत आवेदन करने वालों सहित) को CUET (UG)–2025 के लिए पंजीकरण करना होगा।सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी–यूजी) 2025 | CUET & UG 2025 | भारत
- सीट आवंटन और प्रवेश के लिए, उम्मीदवारों को दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉमन सीट आवंटन प्रणाली (CSA)(UG)–2025 में आवेदन करना होगा। CSAS¼UG½–2025 आदि के माध्यम से आवंटन और प्रवेश से संबंधित विवरण अलग से अधिसूचित किए जाएंगे। उम्मीदवार को अवश्य जाना चाहिए https://www-admission-uod-ac-in/ एक नियमित आधार पर।

महत्वपूर्ण बिंदु

(दिल्ली विश्वविद्यालय के अस्वीकरण के अधीन)

स्रोत–प्रवेश 2025 स्नातक प्रवेश

कृपया हिंदू कॉलेज में प्रवेश के संदर्भ में निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में रखें।

1. दिल्ली विश्वविद्यालय में सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश सीयूईटी (यू॰ जी॰) – 2025 में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल), नॉन–कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) और विदेशी नागरिकों के लिए प्रवेश को छोड़कर।
2. शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश पाने के इच्छुक पात्र उम्मीदवार को इस सूचना बुलेटिन (बी॰ ओ॰ आई॰) 2025–26 की सामग्री को अवश्य पढ़ना चाहिए, साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित अधिसूचनाएं, अपडेट और जानकारी भी अवश्य पढ़नी चाहिए। https://www-admission-uod-ac-in/ बहुत सावधानी से।
3. अभ्यर्थी ने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं की परीक्षा या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो।
4. अभ्यर्थी ने भारत में किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय अथवा भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) द्वारा 10+2 प्रणाली के समकक्ष मान्यता प्राप्त किसी विदेशी बोर्ड/विश्वविद्यालय से कक्षा 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।
5. दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए, अभ्यर्थी को उन विषयों में CUET (UG) – 2025 में उपस्थित होना अनिवार्य है, जिनमें वह कक्षा XII में उपस्थित हो रहा हैध् उत्तीर्ण हुआ है।
6. यदि कक्षा XII में पढ़ा गया विषय CUET (UG) – 2025 में उल्लिखित नहीं है, तो उम्मीदवार को उस भाषा/डोमेन विशिष्ट विषय में उपस्थित होना चाहिए जो कक्षा XII में उसके द्वारा पढ़े गए विषय के समान/निकट से संबंधित हो (उदाहरण के लिए, यदि किसी उम्मीदवार ने कक्षा XII में बायोकेमिस्ट्री का अध्ययन किया है, तो उसे CUET (UG) – 2025 में जीवविज्ञान में उपस्थित होना चाहिए)। कक्षा XII में लिए गए विषयों के साथ CUET (UG) विषयों की समानता स्थापित करने के लिए, कम से कम 50% पाठ्यक्रम का विवरण मेल खाना चाहिए। समानता स्थापित करने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित है। इस संबंध में विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।
7. आबंटन और प्रवेश केवल भाषा/भाषाओं, डोमेन विशिष्ट विषयों और/या सामान्य योग्यता परीक्षा (जीएटी) के संयोजन पर आधारित होगा जिसमें उम्मीदवार सीयूईटी (यूजी) में उपस्थित हुआ हो।–2025 तक संबंधित कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता के अनुसार। CUET पेपर और पाठ्यक्रम की सूची के लिए, NTA की वेबसाइट (https://cuet-nta-nic-in) देखें।
8. उम्मीदवार को यह जाँचने की सलाह दी जाती है कि वह जिस कार्यक्रम के लिए CUET (UG) – 2025 में शामिल हो रहा है, उसके लिए वह सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करता है या नहीं। प्रवेश उम्मीदवार द्वारा अध्ययन के संबंधित कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए निर्धारित पात्रता आवश्यकताओं को पूरा करने के अधीन है। यदि कोई उम्मीदवार संबंधित कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए निर्धारित किसी भी पात्रता मानदंड को पूरा नहीं करता है और प्रवेश परीक्षा में शामिल होता है, तो यह उम्मीदवार के अपने जोखिम और लागत पर होगा। यदि किसी भी स्तर पर, यह पाया जाता है कि पात्रता आवश्यकताएँ पूरी नहीं हुई हैं, तो प्रवेश, यदि दिया गया है, तो स्वतः ही रद्द कर दिया जाएगा।
9. शैक्षणिक वर्ष 2025–26 में प्रवेश के लिए केवल CUET (UG) – 2025 में प्राप्त अंकों पर ही विचार किया जाएगा।
10. अभ्यर्थी को कार्यक्रम–विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए और फिर CUET (UG) – 2025 की भाषा/भाषाओं और/या डोमेन विशिष्ट विषयों में उपस्थित होना चाहिए।

11. दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों को दिल्ली विश्वविद्यालय की कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (यू॰जी॰)–2025 के लिए भी आवेदन करना होगा। सीएसएएस (यू॰जी॰)–2025 आदि के माध्यम से आवंटन और प्रवेश से संबंधित विवरण दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अलग से अधिसूचित किए जाएंगे।

12. सीयूईटी (यूजी) – 2025 या आवश्यक भाषा/भाषाओं, डोमेन विशिष्ट विषयों और/या सामान्य योग्यता परीक्षा (जीएटी) में गैर–उपस्थित होने से संबंधित शिकायत पर विचार नहीं किया जाएगा।

13. सीयूईटी (यूजी) – 2025 के लिए पंजीकरण करने से पहले, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सूचना बुलेटिन (बीओआई) 2025–26 को ध्यान से पढ़ें और दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, 1922 और विधियों से परामर्श करें। दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश, नियम और विनियम, जो विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, उन पर बाध्यकारी होंगे।

14. उम्मीदवारों को CUET (UG)–2025 फॉर्म भरते समय सावधान रहना चाहिए क्योंकि उम्मीदवार के नाम, हस्ताक्षर और फोटो जैसे कुछ फील्ड बाद में CUET (UG) – 2025 से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वचालित रूप से एकीकृत कर दिए जाएँगे। ये फील्ड संपादन योग्य नहीं होंगे।

15. आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम उम्मीदवार के नाम से मेल खाना चाहिए जैसा कि उसके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाण पत्र और CUET (UG) –2025 में दिखाई देता है। इसी तरह, माता–पिता के नाम भी प्रमाण पत्र में मेल खाने चाहिए।

16. दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश–I के अनुसार, विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों में स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोई न्यूनतम आयु सीमा नहीं है, सिवाय उन कार्यक्रमों के जहां संबंधित नियामक निकायों, जैसे कि मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई), राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई), डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीआई), आदि ने अपने नियमों में न्यूनतम आयु आवश्यकता निर्धारित की है।

17. स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए गैप ईयर कोई बाधा नहीं होगी। हालांकि, ऐसे उम्मीदवारों को शैक्षणिक वर्ष 2025–26 में प्रवेश के लिए CUET (UG) – 2025 में भी शामिल होना होगा।

18. जहां भी आवश्यक होगा, सीयूईटी (यूजी) – 2025 के अंकों में उचित अनुपात किया जाएगा (अतिरिक्त कोटा सहित)।

19. दिल्ली विश्वविद्यालय के दिनांक 24/04/1997 के एसी संकल्प 40 के अनुसार, विश्वविद्यालय के किसी भी छात्र को दिल्ली विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय से एक साथ दो नियमित डिग्री कार्यक्रम करने की अनुमति नहीं है। हालाँकि, यदि वह योग्य है तो वह विश्वविद्यालय के विभागों / केंद्रों / कॉलेजों द्वारा प्रस्तावित अंशकालिक डिप्लोमा / प्रमाणपत्र कार्यक्रमों का अध्ययन कर सकता है। उम्मीदवारों को सभी अपडेट के लिए वेबसाइट की जाँच करनी चाहिए। स्नातक प्रवेश (यूजी) से संबंधित अधिसूचनाओं और अपडेट के लिए कृपया वेबसाइट पर जाएं। दिल्ली विश्वविद्यालय (https://www-admission-uod-ac-in/).

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए श्रेणीवार सीटों का वितरण

क्र. सं.	अवधि	सेवन	जनरल	अ॰ ज॰	अ॰ ज॰ज॰	अ॰ पि॰ व॰	ई॰ ड॰ ए॰	कुल
1.	बीए प्रोग.							
	इतिहास, राज॰ विज्ञ॰	13	5	2	1	4	1	13
	अर्थशास्त्र, अंग्रेजी	13	5	2	1	4	1	13
	हिंदी, दर्शन	12	5	2	1	3	1	12
	संस्कृत, राज॰ विज्ञ॰	12	5	2	1	3	1	12
2.	बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी	49	20	7	4	13	5	49
3.	बी.ए.(ऑनर्स) हिंदी	40	16	6	3	11	4	40
4.	बीए (ऑनर्स) संस्कृत	29	12	4	2	8	3	29
5.	बीए(ऑनर्स) अर्थशास्त्र	68	28	10	5	18	7	68
6.	बीए (ऑनर्स) इतिहास	49	20	7	4	13	5	49
7.	बीए (ऑ॰) राज॰ विज्ञ॰	49	20	7	4	13	5	49
8.	बीए (ऑनर्स) स॰ शा॰	49	20	7	4	13	5	49
9.	बीए (ऑनर्स) द॰ शा॰	49	20	7	4	13	5	49
10.	बी.ए. (ऑनर्स) संगीत	19	8	3	1	5	2	19
11.	बी.कॉम (ऑनर्स)	79	32	12	6	21	8	79
12.	बी.एससी. (ऑ॰) भौ॰	79	32	12	6	21	8	79
13.	बी.एससी. (ऑ॰) र॰ विज्ञ॰	79	32	12	6	21	8	79
14.	बी.एससी. (ऑ॰) व॰ विज्ञ॰	40	16	6	3	11	4	40
15.	बी.एससी. (ऑ॰) जूलॉजी	40	16	6	3	11	4	40
16.	बी.एससी. (ऑ॰) गणित	49	20	7	4	13	5	49
17.	बी.एससी. (ऑ॰) सांख्यि॰	40	16	6	3	11	4	40
18.	बी.एससी. (पीएस) र॰ विज्ञ॰	59	24	9	4	16	6	59
19.	बी.एससी. (पीएस) इले॰	40	16	6	3	11	4	40
20.	कुल	956	388	142	73	257	96	956

ECA प्रवेश

ईसीए श्रेणी में प्रवेश 2025–26 के लिए सीट मैट्रिक्स

क्र. सं.	वर्ग	उप–श्रेणी	सीटों की सं॰
1	नृत्य	2.ए नृत्य, भारतीय शास्त्रीय	4
2	संगीत (वाद्य, भारतीय)	7.जी॰ संगीत (वाद्य, भारतीय) बांसुरी	1
		7.एच॰ संगीत (वाद्य, भारतीय) सितार	1
3	संगीत (वाद्य, पश्चिमी)	संगीत (वाद्ययंत्र, पश्चिमी) गिटार (लीड)	1
4	थिएटर–		3
		कुल	10

ईसीएसमिति (2025–26)

क्र.सं.	नाम	फोन नंबर	मेल पता
1.	डॉ. गीता रे – संयोजक	9818919756	geet.ray@gmail.com
2.	श्री किरण कुमार सलाम	9711783591	kiran87salam@gmail.com
3.	डॉ. साक्षी	8287766717	sakshi060188@gmail.com
4.	डॉ. सुषमा यादव	9582897305	yadav.sushma01@gmail.com
5.	सुश्री वैशाली शर्मा	9999564331	vaishali27345@gmail.com

SPORTS ADMISSIONS

खेल श्रेणी में 2025–26 में प्रवेश के लिए सीट मैट्रिक्स

क्र.सं.	स्पोर्ट्स खेल	पुरुषों	महिला
1.	बास्केट बॉल	05	-
2.	क्रिकेट	01	-
3	फुटबॉल	04	-
	कुल	10	-

खेल श्रेणी समिति2025–26

क्र.सं.	नाम	फोन नंबर	ईमेल आईडी
1.	डॉ. संदीप कुमार संयोजक	9719440022	ch.sandeepkumar@gmail.com
2.	डॉ. अजय कुमार	9650813715	ajai432005@gmail.com
3.	डॉ॰ हेमंता कुमार मोहपात्रा	9700470566	hemanthkumarstat@gmail.com
3.	डॉ॰ रवि कुमार गोस्वामी	9910137995	ravigoswamigen@gmail.com

महत्त्वपूर्ण प्रवेश समितियाँ

केंद्रीय प्रवेश समिति (2025–26)

क्र. सं.	नाम	फोन नंबर	मेल पता
1	डॉ. रविन्द्र कुमार – संयोजक	9811778909	ravijnu@gmail.com
2	सुश्री पायल मधिया	8860996049	payal.madhia@gmail.com
3	डॉ. सुजय बिस्वास	9910203829	biswasujay77@gmail.com
4	श्री गिनमिनलेन तोउथांग	8076083125	gintouthang@gmail.com
5	डॉ. मंजू बाला	8745037342	manjubala474@gmail.com
6	डॉ. अन्नू अग्रवाल	9818808637, 8178977359	annuaggarwal86@gmail.com
7	श्री अमित कुमार पासवान	9555762260, 9999730940	apaswan@hinducollege.du.ac.in

शिकायत समिति (2025–26)

क्र. सं.	नाम	फोन नंबर	मेल पता
1	डॉ. प्रमोद कुमार – संयोजक	8750271201	pramod_algebra@yahoo.com
2	प्रोफेसर नीरा शर्मा	9555511105	neera01@gmail.com
3	डॉ. राजेश कुमार – गणित	9968175494	rajeshhinducollege@gmail.com
4	डॉ. हेमंत कुमार मोलापाटा	9700410566	hemanthkumarstat@gmail.com
5	डॉ. सोडोलाकपोउ पानमेई	9999051711	sodolakpoupanmei@hinducollege.ac.in
6	डॉ. रिम्पी	9818973505	rimpi2703@gmail.com
7.	डॉ. सौरभ कुमार	7303906495	saurabhkumar@hinducollege.ac.in

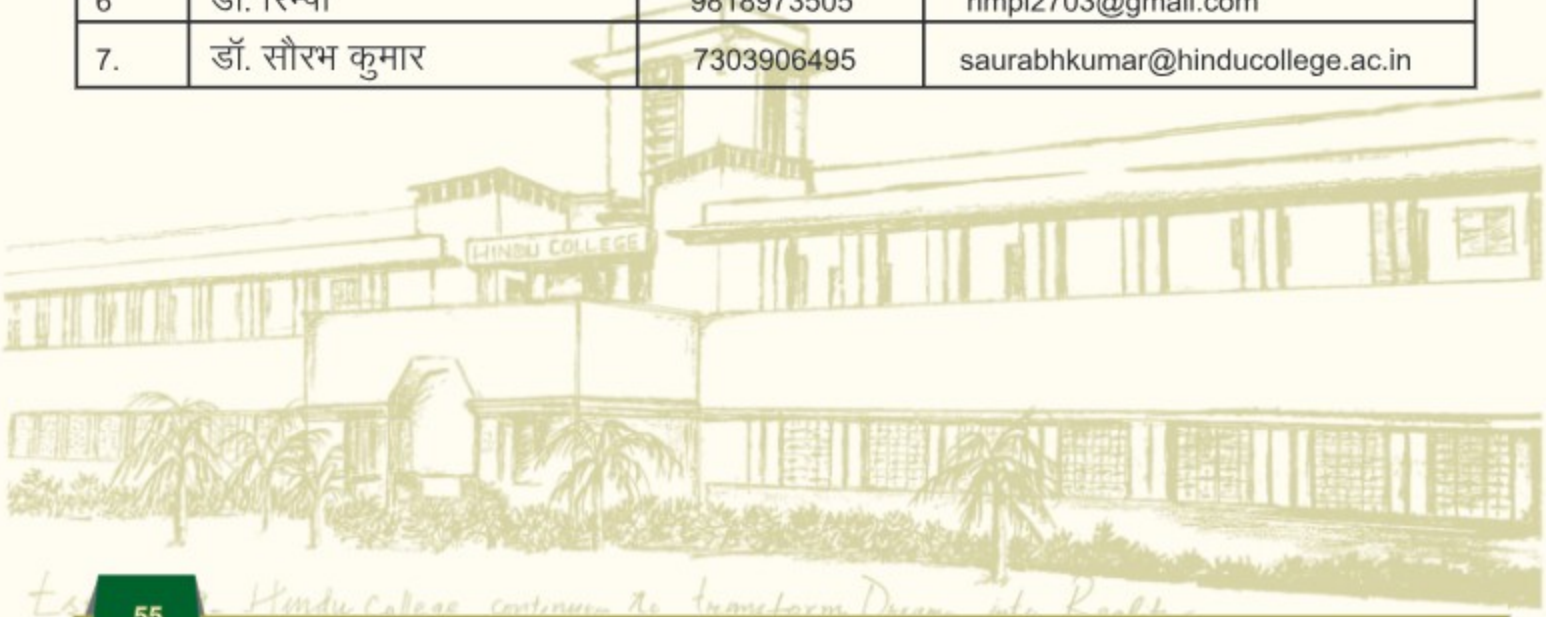

महत्वपूर्ण प्रवेश समितियाँ (जारी)

हेल्प डेस्क समिति (2025–26)

क्र. सं.	नाम	फोन नंबर	मेल पता
1	डॉ. अजय कुमार	9650813715	ajailecthc@rediffmail.com
2	श्री संजीव दत्त शर्मा	9868485335	sanjivduttsharma@yahoo.com
3	श्री बिस्वजीत ताहू	9873327772	tahu.biswajit@gmail.com
4	डॉ. मायांगलम एम. देवी	9451669890	manolataiit@gmail.com
5	डॉ. रवि गोस्वामी	9910137995	ravigoswamigen@gmail.com
6	डॉ. अनीता ढाका	9643974175	dhaka.anita@gmail.com
7	डॉ. अंशुल ध्यानी	9871059266	anshuld42@gmail.com

पाठ्यक्रम–वार प्रभारी शिक्षक (2025–26)

शिक्षक प्रभारी	विभाग	फोन	ई–मेल
डॉ. डी. मोनिका राम	वनस्पति विज्ञान	9810910626	monikaram00@yahoo.co.in
डॉ. विनीता नरूला	र॰ विज्ञ॰ और बीएससी भौ॰ विज्ञान (र॰ विज्ञ॰ के साथ)	9015522550	vinitanarula36@yahoo.co.in
श्री अतुल गुप्ता	व्यापार	9871853120	atulgupta.hindu@gmail.com;
डॉ. अंशिका सागर	अर्थशास्त्र और बी.ए. (कार्यक्रम)	9958170000	anshikasagar@hinducollege.ac.in
डॉ. ऋचा बजाज	अंग्रेजी	9891546182	richabajaj@hinducollege.ac.in
प्रोफेसर बिमलेंदु तीर्थंकर	हिन्दी	9873404932	bimlendutirthankar@yahoo.com
डॉ. आरबी आजाद चौधरी	इतिहास	7827414535	r.bazadchoudhary@gmail.com
डॉ. आयशा इब्राहीम	अंक शास्त्र	9718162061	aibraheem@hinducollege.du.ac.in
डॉ. सुदीप राज कुमार	दर्शन	8447186337	sudeep1111@hotmail.com
डॉ. अमित तंवर	भौतिकी एवं बी.एस.सी. भौतिक विज्ञान (इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ)	9968314777	amit07tanwar@gmail.com
प्रो मनीषा पांडे	राजनीति विज्ञान	9811070889	pandeymaneesha@gmail.com
डॉ. जगमोहन	संस्कृत	9910472026	jagmohandu@gmail.com
सुश्री सोनिया कुमारी	समाज शास्त्र	9811584496	ink.sonia@gmail.com
प्रोफेसर मनोज कुमार वार्ष्णेय	आंकड़े	8860060886	mkvarshney_du@yahoo.com
प्रो. नीतू	जूलॉजी	9810906308	neetukukreja@gmail.com
डॉ. पल्लवी सक्सेना	पर्यावरण विज्ञान	9873245631	pallavienvironment@gmail.com

स्नातक शुल्क संरचना (2025–26)

हिंदू कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय प्रथम वर्ष की फीस का विवरण– 2025–26

क्र॰ सं॰	अवधि	सा॰/ओ॰ बी॰ सी॰ ई डब्ल्यूएस	एससी एस॰ टी॰	लो॰ नि॰ वि॰	विदेशी शुल्क
1	बी.ए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	28670	28485	245	52628
2	बी.ए (ऑनर्स) अंग्रेजी	28670	28485	245	52628
3	बी.ए (ऑनर्स) हिंदी	28670	28485	245	52628
4	बीए (ऑनर्स) इतिहास	28670	28485	245	52628
5	बी.ए (ऑनर्स) संगीत	28670	28485	245	52628
6	बी.ए (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र	28670	28485	245	52628
7	बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	28670	28485	245	52628
8	बी.ए (ऑनर्स) संस्कृत	28670	28485	245	52628
9	बी.ए (ऑनर्स) समाजशास्त्र	28670	28485	245	52628
10ए	बी.ए. प्रोग्राम (अंग्रेजी, अर्थशास्त्र)	28670	28485	245	52628
10बी	बीए प्रोग्राम (हिंदी, दर्शनशास्त्र)	28670	28485	245	52628
10सी	बी.ए. प्रोग्राम (संस्कृतराजनीति विज्ञान)	28670	28485	245	52628
10डी	बी.ए. प्रोग्राम (इतिहासराजनीति विज्ञान)	28670	28485	245	52628
11	बी.कॉम (ऑनर्स) कॉमर्स	28670	28485	245	52628
12	बी.एससी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान	31270	31085	245	55228
13	बी.एससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	31270	31085	245	55228
14	बी.एससी (ऑनर्स) गणित	29120	28935	245	53078
15	बी.एससी (ऑनर्स) भौतिकी	31270	31085	245	55228
16	बी.एससी (ऑनर्स) सांख्यिकी	29420	29235	245	53378
17	बी.एससी (ऑनर्स) जूलॉजी	31270	31085	245	55228
18	बी.एससी.(एपीएस/पीएस) एपीएस इले॰	31270	31085	245	55228
19	बी.एससी.(एपीएस/पीएस) पीएस रस॰ विज्ञ॰	31270	31085	245	55228

स्नातकोत्तर शुल्क संरचना (2025–26)

क्र॰ सं॰	अवधि	सा॰/ओ॰ बी॰ सी॰ ई डब्ल्यूएस	एससी एस॰ टी॰	लो॰ नि॰ वि॰	विदेशी शुल्क
1	एम.एक अंग्रेजी	27976	27755	6994	51934
2	एम.ए॰ हिंदी	27976	27755	6994	51934
3	एम॰ ए॰ इतिहास	27976	27755	6994	51934
4	एम॰ ए॰ दर्शनशास्त्र	27976	27755	6994	51934
5	एम॰ ए॰ राजनीतिक विज्ञान	27976	27755	6994	51934
6	एम॰ संस्कृत	27976	27755	6994	51934
7	एम॰ कॉम	27976	27755	6994	51934
8	एम॰ एससी॰ वनस्पति विज्ञान	28082	27861	7020	52040
9	एम॰ एससी॰ रसायन विज्ञान	28082	27861	7020	52040
10	एम॰ एससी॰ गणित	28082	27861	7020	52040
11	एम॰ एससी॰ ओ॰ रिसर्च	28082	27861	7020	52040
12	एम॰ एससी॰ भौतिकी	28082	27861	7020	52040
13	एम॰ एससी॰ आंकड़े	28082	27861	7020	52040
14	एम॰ एससी॰ प्राणि विज्ञान	28082	27861	7020	52040

WELCOME TO THE PUBLIC POLICY LAB OF HINDU COLLEGE

महत्त्वपूर्ण पाठ्यक्रम लिंक

हिंदू कॉलेज द्वारा प्रस्तुत SEC/VAC/GE/DSE पेपर का विवरण, दिल्ली विश्वविद्यालयरूछमाहीमैं (2025–26)

स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी), मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी), सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम (जीई) और अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक पाठ्यक्रम (डीएसई) चुनना होगा। इन पाठ्यक्रमों और उन्हें प्रदान करने वाले विभागों के बारे में अधिक जानने के लिए आप निम्न लिंक पर जा सकते है
https://hinducollege.ac.in/acd-papers.aspx

अतिरिक्त पाठ्यक्रम 2025–26 कॉलेज के विभिन्न विभाग छात्रों को उनके पाठ्यक्रम द्वारा प्रदान की गई जानकारी

अपने ज्ञान के आधार को बढ़ाने में मदद करने के लिए कुछ ऐड–ऑन पाठ्यक्रम भी प्रदान करते हैं। ये पाठ्यक्रम उन्हें ज्ञान की एक नई धारा बनाने में मदद करते हैं जो उनके चुने हुए विषयों में उपलब्ध नहीं नई अवधारणाओं और व्यवसायों को सीखने की उनकी इच्छा को संतुष्ट कर सकता है। इन ऐड ऑन पाठ्यक्रमों के बारे में अधिक जानने के लिए आप नीचे दिए गए लिंक का अनुसरण कर सकते हैं:
https://hinducollege.ac.in/acd-short-courses.aspx

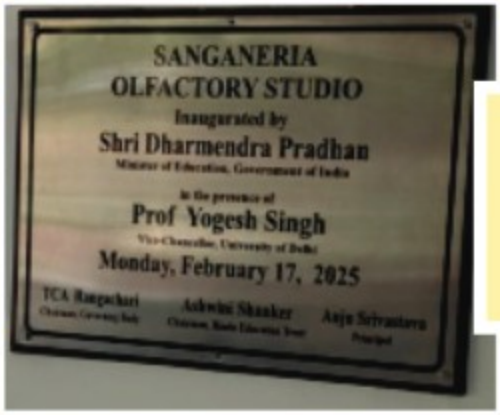

SANGANERIA
OLFACTORY STUDIO

विदेशी भाषा पाठ्यक्रम

कॉलेज निम्नलिखित भाषाओं में अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करता है:

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	सहयोगी / समन्वयक	अवधि
1.	फ्रेंच	दिल्ली फ्रेंच एलायंस	एक वर्ष
2.	जर्मन	गोएथे इंस्टिट्यूट	एक वर्ष
3.	स्पैनिश	इंस्टिट्यूटो सर्वेंटेस	एक वर्ष
4.	रूसी	दिल्ली विश्वविद्यालय	एक वर्ष

प्रमाण पत्र सभी सफल अभ्यर्थियों को जारी किया जाएगा।

पुरस्कार, छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता

कॉलेज द्वारा विद्यार्थीयों को निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं–

1. डॉ॰ जगमोहन एस. पाबली पुरस्कार प्रति वर्ष एक विद्यार्थी को।
2. भसीन स्मारक पुरस्कार हर साल प्रथम स्थान पर आने वाले विद्यार्थी को इतिहास में एम.ए. (प्री.) परीक्षा में उत्तीर्ण तथा कम से कम द्वितीय श्रेणी प्राप्त करना।
3. शारदा टुटेजा पुरस्कार– यह पुरस्कार हर साल अंग्रेजी में एमए (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले तथा कम से कम द्वितीय श्रेणी प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को दिया जाता है। यदि एमए (पूर्वार्द्ध) अंग्रेजी में कोई भी विद्यार्थी पात्रता की न्यूनतम शर्त को पूरा नहीं करता है, तो यह पुरस्कार बीए (एच) अंग्रेजी तृतीय वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी को उसके परिणाम के आधार पर दिया जाएगा।
4. केएन श्रीवास्तव पुरस्कार– हर साल सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी को पुरस्कृत किया जाता है, हॉकी टीम में अच्छा प्रदर्शन और अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड होना आवश्यक है।
5. अनिल चोपड़ा पुरस्कार– यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष सेमेस्टर I और II में इतिहास विषय में स्नातक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ छात्र को प्रदान किया जाता है।
6. कृपा राम और सीता वती पुरस्कार– हर वर्ष पुरस्कृत किया जाता है।
7. भाम्मी शाह घई पुरस्कार–प्रतिवर्ष पुरस्कृत किया जाता है।
8. एक्शन ग्रुप पुरस्कार– यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष उस विद्यार्थी को दिया जाता है जो बी.कॉम. (ऑनर्स) के द्वितीय भाग में सर्वोच्च अंक प्राप्त करता है तथा सेमेस्टर I और II की परीक्षा में वाणिज्य विषय में स्नातक ऑनर्स प्राप्त करता है।
9. शहीद द्वितीय लेफ्टिनेंट. दविंदर कुमार चोपड़ा पुरस्कार– यह पुरस्कार हर वर्ष बी.एस.सी. के सर्वांगीण सर्वश्रेष्ठ छात्र को दिया जाता है जो पढ़ाई और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता दिखाता है।
10. ईश चंद्र स्मारक पुरस्कार– यह पुरस्कार अंग्रेजी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के विद्यार्थी को भाग I और II की परीक्षा में उसके संयुक्त प्रदर्शन के आधार पर प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है।
11. बृज लाल स्मारक पुरस्कार– हिंदू कॉलेज में प्रथम स्थान पर आने वाले बीएससी (ऑनर्स) भौतिकी तृतीय वर्ष के विद्यार्थी को हर वर्ष 700 रुपये का पुरस्कार दिया जाता है।
12. श्री बिशन सरूप बंसल मेमोरियल पुरस्कार–ए3000/– रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा यह पुरस्कार बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र तृतीय वर्ष में कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को दिया जाता है।
13. एमके रस्तोगी पुरस्कार– तृतीय वर्ष (ऑनर्स) भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, संस्कृत और हिंदी के टॉपर को प्रतिवर्ष 900/– रुपये के पांच पुरस्कार दिए जाएंगे।

14. मोनिका तेजा स्मारक पुरस्कार, 500/– रुपये का पुरस्कार हर साल एमए (पूर्ववर्ती) अंग्रेजी परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को दिया जाता है।
15. प्रोफेसर प्रेम चंद स्मारक पुरस्कार– एमए (अंतिम) दर्शनशास्त्र परीक्षा में कम से कम प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को प्रति वर्ष नकद या वस्तु के रूप में 500/– रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।
16. प्रो. एम.एम. शंखधर स्मारक पुरस्कार–एमए (पूर्व) राजनीति विज्ञान परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 500/– रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।
17. महु भसीन स्मारक पुरस्कार–दोबीए (एच) अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष के एक विद्यार्थी और बीए (एच) संगीत द्वितीय वर्ष के एक विद्यार्थी को योग्यता के आधार पर हर साल 3400 रुपये का पुरस्कार दिया जाता है।
18. प्रो पापिया घोष मेमोरियल पुरस्कार–कॉलेज के इतिहास विषय के एमए (अंतिम वर्ष) के टॉपर विद्यार्थी को हर वर्ष 4,800/– रुपये का पुरस्कार दिया जाता है।
19. बीएन मित्रा पुरस्कार–बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी तृतीय वर्ष के टॉपर को 900 रुपये प्रति वर्ष का पुरस्कार दिया जाता है।
20. शैक्षणिक पुरस्कार– वार्षिक परीक्षा में प्राप्त परिणामों के आधार पर विद्यार्थियों को कक्षावार एवं विषयवार शैक्षणिक पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।
21. संगीता नेगी पुरस्कार– बी.एस.सी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान तृतीय वर्ष के टॉपर को 2000/–

RAJ BHARGAVA FOUNDATION SCHOLARSHIP

First instituted in 2021-22 Raj Bhargava Foundation Scholarship is aimed at recognising meritorious students in Social Sciences. It is awarded annually to First year students who undergo a multi-stage selection process to qualify and is among the most prestigious scholarship awarded by the college.

रुपये का पुरस्कार दिया जाता है।

विद्यार्थियों को निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं–

1. प्रेमवती रघुबीर सिंह छात्रवृत्ति– 600/– रुपये मूल्य की दो छात्रवृत्तियाँ, हर साल उन हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों को दी जाती हैं, जिन्होंने पिछली परीक्षा में प्रथम श्रेणी प्राप्त की है और जिन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। छात्रवृत्ति राशि का उपयोग छात्रावास शुल्क के भुगतान, पुस्तकों की खरीद आदि के लिए किया जा सकता है।
2. आरबीराम किशन दास छात्रवृत्ति– आरबी राम किशन दास द्वारा दिए गए दान से 600/– रुपये मूल्य की पच्चीस छात्रवृत्तियाँ हर साल कॉलेज के जरूरतमंद और योग्य विद्यार्थियों को प्रदान की जाती हैं, बशर्ते कि उन्होंने पिछली परीक्षा में कम से कम 55% अंक प्राप्त किए हों और किसी अन्य छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता न हों। छात्रवृत्ति आमतौर पर एक वर्ष के लिए मान्य होगी।
3. राय अछः राम छात्रवृत्ति– कॉलेज के एमए/एमएससी विद्यार्थियों को हर साल योग्यता के आधार पर 850/– रुपये की चार छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। दो छात्रवृत्तियाँ क्रमशः पिछले वर्ष के लिए और दो अंतिम वर्ष के लिए हैं। सबसे पहले, उन्हें संबंधित परीक्षा में कम से कम द्वितीय श्रेणी के साथ उच्चतम प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थीयों को प्रदान किया जाएगा। उपयुक्त छात्रों की अनुपस्थिति में, छात्रवृत्तियाँ आवश्यक शर्तों को पूरा करने वाले विद्यार्थियों को प्रदान की जा सकती हैं। उपयुक्त विद्यार्थीयों की अनुपस्थिति में, ये आवश्यक योग्यता रखने वाले अन्य कॉलेज के विद्यार्थियों को प्रदान की जा सकती हैं।
4. गणपत राय गोपाल देवी मेरिट छात्रवृत्ति–बीए (ऑनर्स) इतिहास तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परीक्षा के भाग I और II में उनके प्रदर्शन के आधार पर प्रति वर्ष 500/– रुपये मूल्य की दो छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं (अधिमानतः उन्हें जिन्होंने प्रथम श्रेणी प्राप्त की हो)
5. जीवन लाल खन्ना स्मारक छात्रवृत्तियाँ–दोविज्ञान के विद्यार्थियों को योग्यता–सह–साधन के आधार पर प्रतिवर्ष रु. 1350/– मूल्य की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। यदि कोई विज्ञान का विद्यार्थी या केवल एक विद्यार्थी शर्तों को पूरा नहीं करता है, तो शेष छात्रवृत्तियाँ कला के विद्यार्थियों को प्रदान की जा सकती हैं।
6. सुल्तान चंद मेमोरियल छात्रवृत्ति

(i) यह 2800 रुपये प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति बी.कॉम. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के उस विद्यार्थी को दी जाती है, जिसने प्रथम प्रयास में प्रथम वर्ष में कम से कम 75ः अंकों के साथ सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हों।

(ii) प्रत्येक वर्ष 2800/– रुपये की एक छात्रवृत्ति बी.कॉम. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के विद्यार्थी को प्रदान

की जाएगी, जो प्रथम प्रयास में कम से कम 75% अंक प्राप्त करके द्वितीय वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा में टॉपर होगा।

7. मास्टर शिव प्रसाद मेमोरियल छात्रवृत्ति–एबीए/बीएससी गणित के द्वितीय/तृतीय वर्ष के विद्यार्थी को योग्यता–सह–साधन के आधार पर रु. 8000/– प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

8. डॉ. एसएस गुलशन छात्रवृत्ति–

(I) बी.कॉम. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के विद्यार्थी को, जो द्वितीय भाग की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करता है, एक वर्ष के लिए 2500/– रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

(II) बी.कॉम. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के एक निर्धन विद्यार्थीयों को, जिसने पार्ट II परीक्षा में कम से कम 50% अंक प्राप्त किए हों, एक वर्ष के लिए 2500/– रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। बी.पी.एल./पी.आर./पी.आर.एस./ए.ए.वाई. राशन कार्ड की सत्यापित प्रति आवश्यक होगी।

9. प्रो. बृज वर्मा (विवाहित श्री पी.सी.वर्मा, प्राचार्य, 1980–1995) स्मारक छात्रवृत्ति मानविकी/सामाजिक विज्ञान के (योग्यता–सह–आवश्यकता) के आधार पर प्रत्येक वर्ष एक विद्यार्थी को 5500/– रुपये की एक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिसमें हिंदी के विद्यार्थी को प्राथमिकता दी जाएगी। (एच) I/II/III/वर्ष। पुरस्कार विजेता प्रथम श्रेणी का छात्र होना चाहिए जिसे वित्तीय सहायता की आवश्यकता हो।

10. प्रो. आर.आर. गुप्ता मेमोरियल छात्रवृत्ति– बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी अंतिम वर्ष के जरूरतमंद एवं मेधावी विद्यार्थी को द्वितीय वर्ष के परिणाम प्रदर्शन के आधार पर 6200/– रुपये मूल्य की एक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

11. डॉ. (सुश्री) उषा अग्रवाल छात्रवृत्ति–बी.कॉम. (ऑनर्स) के विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 3500/– रुपये की एक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

12. श्रीमती रोशन देवी मारवाह और एसएच दीना नाथ मारवाह(माता–पिता) और डॉ. प्राण नाथ

मारवाह (दाता पुत्र) स्मारक छात्रवृत्ति – बी.एस.सी. (ऑनर्स) के तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर (संयुक्त) तथा पंचम एवं छठे सेमेस्टर (संयुक्त) के विद्यार्थियों को (मेरिट कम मीन्स) के आधार पर प्रतिवर्ष 3000/– रूपये की चार छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाएंगी।

13. सुरेंद्र– करेन गुप्ता एआरसी फाउंडेशन– रसायन विज्ञान और भौतिकी में बीएससी (एच), तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर (संयुक्त) की विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थीयों को प्रति वर्ष 10,000/– रुपये की चार छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाएंगी, साथ ही रसायन विज्ञान और भौतिकी के प्रमुख विषयों में स्नातक की डिग्री, प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर (संयुक्त) में भी प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को भी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाएंगी।
14. निखिल यादव मेमोरियल छात्रवृत्ति– बी.कॉम. (ऑनर्स) के विद्यार्थियों को 5000/– रूपये की दो छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाएंगी।
15. एसके मिश्रा मेमोरियल छात्रवृत्ति–एकबी.कॉम. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के विद्यार्थी को मेरिट कम मीन्स के आधार पर (द्वितीय वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर) 5000/– रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।
16. स्वर्गीय श्री राम किशन दास जैन मेमोरियल छात्रवृत्ति–बीएससी (ऑनर्स) गणित के छात्र को 2500/– रुपये की दो छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाएंगी, एक प्रथम वर्ष के विद्यार्थी को तथा एक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को।
17. डॉ. बी.एम. भाटिया छात्रवृत्ति– बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष में अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 5200/– रुपये की एक छात्रवृत्ति।
18. दीपक सिन्हा मेमोरियल छात्रवृत्ति– हिंदू कॉलेज से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले एमए (प्रीवियस) हिंदी के दो छात्र और एमए (फाइनल) हिंदी के एक विद्यार्थी को 8500/– रुपए की छात्रवृत्ति दी जाएगी। छात्रवृत्ति प्रदान करने का मूल मानदंड योग्यता–सह–साधन होगा।
19. संजय श्रीवास्तव छात्रवृत्ति–बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास के प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष और तृतीय वर्ष के टॉपर विद्यार्थी को 8000/– रुपये की एक–एक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।
20. संगीता नेगी छात्रवृत्ति–बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के टॉपर विद्यार्थी को 2000/– रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।
21. चन्द्र बिसारिया मेरिट छात्रवृत्ति–

(i) बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी के टॉपर को 12000/– रुपये की एक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिसने हिंदू कॉलेज से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की है और हिंदू कॉलेज में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है। छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए मूल मानदंड योग्यता सह साधन होगा।

(ii) बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान के टॉपर को 12000/– रुपये की एक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिन्होंने हिंदू कॉलेज से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की है और हिंदू कॉलेज में स्नातकोत्तर

पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है। छात्रवृत्ति प्रदान करने का मूल मानदंड योग्यता सह साधन होगा।

22. अमित प्रसाद मेमोरियल छात्रवृत्ति–बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र के प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष और तृतीय वर्ष में एक–एक विद्यार्थी को योग्यता एवं साधन के आधार पर 12000/– रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

23. सरोज बाला मलिक छात्रवृत्ति– तृतीय वर्ष के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों को योग्यता के आधार पर 12000/– रुपये की दो छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाएंगी।

24. एस. हरबनान सिंह अर्थशास्त्र के लिए वित्तीय सहायता–एक छात्रवृत्ति बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र के प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष और तृतीय वर्ष में एक–एक विद्यार्थी को मेरिट सह साधन के आधार पर 5300/– रुपये प्रदान किए जाएंगे।

अन्य छात्रवृत्तियाँ:

1. सीएच. भगवान सहाय चौहान मेमोरियल छात्रवृत्ति–
   - (एं) 250/– रुपये की एक छात्रवृत्ति, प्रत्येक वर्ष एम.ए. संस्कृत/हिंदी (प्री. एवं फाइनल) में प्रथम श्रेणी में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को प्रदान की जाती है।
   - (बी) 250/– रुपये की एक छात्रवृत्ति, बी.ए. के चौहान राजपूत विद्यार्थी को प्रतिवर्ष प्रदान की जाती है।
   - (सी) कला/मानविकी के प्रथम/द्वितीय/तृतीय वर्ष में अध्ययनरत, जिसने पिछली परीक्षा में अच्छा डिवीजन प्राप्त किया हो।
2. एसपी रैना मेमोरियल छात्रवृत्ति– हिंदू कॉलेज, दिल्ली में अंग्रेजी के वरिष्ठ संकाय, स्वर्गीय श्री एसपी रैना की स्मृति में छात्रवृत्ति कला/ मानविकी/ वाणिज्य के बीए (प्रतिष्ठा) तृतीय वर्ष के विद्यार्थी को प्रथम और द्वितीय वर्ष में विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर प्रतिवर्ष प्रदान की जाती है, जो छात्र किसी अन्य सरकारी, विश्वविद्यालय या कॉलेज छात्रवृत्ति का प्राप्तकर्ता नहीं है। छात्रवृत्ति योग्यता सह साधन के आधार पर प्रदान की जाएगी (अधिमानतः प्रथम श्रेणी वाले छात्र को)।
3. लाला प्रेम लाल गुप्ता मेमोरियल छात्रवृत्ति–छात्रवृत्तियह पुरस्कार श्री हंस राज गुप्ता द्वारा अपने पिता स्वर्गीय लाला प्रेम लाल गुप्ता की स्मृति में दिए गए दान से प्रदान किया जाता है, जो प्रतिवर्ष योग्यता–सह–साधन के आधार पर प्रदान किया जाता है।
4. श्रीमती कैलाशवती खन्ना छात्रवृत्ति–पुरस्कार वार्षिक।
5. नांगिया छात्रवृत्ति–पुरस्कार वार्षिक।
6. राजीव मेहरा मेमोरियल छात्रवृत्ति– यह हर वर्ष किसी जरूरतमंद और योग्य विद्यार्थी को दी जाती है, जिसने किसी सरकारी, विश्वविद्यालय, कॉलेज छात्रवृत्ति या अन्य किसी छात्रवृत्ति का प्राप्तकर्ता न हो, तथा यह आमतौर पर एक वर्ष के लिए दिया जाता है।
7. डॉ दीपक कुमार सिन्हा मेमोरियल छात्रवृत्ति–प्रतिवर्ष बी.ए.(ऑनर्स) हिंदी अंतिम वर्ष के एक विद्यार्थी को योग्यता–सह–साधन के आधार पर प्रदान किया जाता है।
8. ओपी कौशिक मेमोरियल छात्रवृत्ति–पुरस्कार वार्षिक।

वित्तीय सहायता

1. शारीरिक रूप से विकलांग विद्यार्थियों के लिए परामर्श सेवाएँ।
2. जरूरतमंद और योग्य विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के आधार पर कॉलेज फीस में छूट दी

जाती है। परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर छूट प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों को निर्धारित प्रपत्र पर महाविद्यालय कार्यालय में आवेदन करना होगा।

3. अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति– भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को उनकी संबंधित राज्य सरकारों द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। ऐसे छात्रों को कॉलेज में प्रवेश लेने के तुरंत बाद प्रिंसिपल के माध्यम से संबंधित राज्य सरकार को निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन करना आवश्यक है।

अखिल भारतीय प्रवेश छात्रवृत्ति परीक्षा–

दिल्ली विश्वविद्यालय प्रत्येक वर्ष अक्टूबर माह में दिल्ली में एक प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करता है। जिसके अंतर्गत छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं, जिनकी संख्या 50 है। प्रत्येक छात्रवृत्ति 250/– प्रति माह की है, जो विश्वविद्यालय में ऑनर्स डिग्री कोर्स करने के लिए वर्षों तक मान्य है।

यह प्रतियोगिता उन विद्यार्थियों के लिए खुली है, जिन्होंने सीबीएसई, नई दिल्ली से एसएससी परीक्षा (10.2 पैटर्न शिक्षा के अंतर्गत) या इसके समकक्ष परीक्षा कुल मिलाकर 55: अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो।

अन्य विशिष्टताएँ/पुरस्कार/सम्मान

वर्ष के उत्कृष्ट खेल विद्यार्थियों को विशिष्टता चिह्न प्रदान किया जाएगा, बशर्ते कि वे इस प्रयोजन के लिए निर्धारित न्यूनतम मानक को प्राप्त कर लें।

उपस्थिति नियम

विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने के लिए पात्र होने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को कॉलेज में सभी विषयों में दिए गए कुल व्याख्यानों की कम से कम दो तिहाई संख्या में उपस्थित होना पड़ता है, साथ ही प्रत्येक सेमेस्टर में अलग–अलग ट्यूटोरियल/प्रीसेप्टोरियल में भी उपस्थित होना पड़ता है। विश्वविद्यालय अध्यादेश VII, खंड 2–ए, भाग (ii) में कहा गया है कि कॉलेज को उस विद्यार्थी का नाम काटने का अधिकार होगा जो उपस्थिति में अनियमित है या जब विद्यार्थी की अनुपस्थिति इतनी लंबी अवधि के लिए है कि वह अपेक्षित प्रतिशत उपस्थिति दर्ज नहीं कर सकता है। इन नियमों का सख्ती से पालन किया जाता है। माता–पिता/अभिभावकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने बच्चों की पढ़ाई में प्रगति और कक्षाओं में समय की पाबंदी जानने के लिए समय–समय पर अपने बच्चों के शिक्षकों से मिलें।

टिप्पणीः यदि देर से प्रवेश दिया जाता है, तो यह पूरी तरह से संबंधित विद्यार्थियों के जोखिम पर होगा और उपस्थिति के संबंध में कोई रियायत नहीं दी जाएगी। उपस्थिति की गणना उस तिथि से की जाएगी, जिस दिन कॉलेज गर्मी की छुट्टियों के बाद फिर से खुलेगा।

जब किसी विद्यार्थी को कॉलेज द्वारा प्रायोजित प्रतिस्पर्धी आयोजनों – खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और वाद–विवाद में कॉलेज का प्रतिनिधित्व करना होता है – तो उसे प्रिंसिपल को लिखित रूप में पहले से अनुमति के लिए आवेदन करना होगा।

अन्य कारणों से उपस्थिति से छूट केवल तभी दी जा सकती है जब प्रिंसिपल द्वारा लिखित रूप में अनुमति दी गई हो। ऐसी अनुमति काफी पहले प्राप्त की जानी चाहिए, परीक्षा के समय नहीं।

बीमारी/अस्पताल में भर्ती होने के कारण छुट्टी के लिए आवेदन किसी मान्यता प्राप्त चिकित्सक से प्राप्त चिकित्सा अवकाश और फिटनेस प्रमाण पत्र द्वारा समर्थित होना चाहिए, तथा छुट्टी की समाप्ति पर विद्यार्थी के कॉलेज में पुनः शामिल होने के एक सप्ताह के भीतर प्राचार्य के पास पहुंच जाना चाहिए।

यूजीसीएफ के अंतर्गत आंतरिक एवं सतत मूल्यांकनः 2022

10 फरवरी 2023 की अधिसूचना [ईसी संकल्प संख्या 60–1/(60–1–13) दिनांक 03.02.2023, के अनुसार, स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा–2022 के तहत निम्नलिखित मूल्यांकन पैटर्न अपनाया जाएगा, जिसे शैक्षणिक वर्ष 2022–2023 से लागू किया जाएगा।

ट्यूटोरियल और सतत मूल्यांकन (सीए)

- 'ट्यूटोरियल' के लिए 1 क्रेडिट वाले किसी भी पाठ्यक्रम में, मूल्यांकन अनिवार्य है क्योंकि प्रत्येक अर्जित क्रेडिट को अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) में दर्ज किया जाता है।
- ट्यूटोरियल घटकों में शामिल हैं:
- साहित्य समीक्षा
  - पुस्तक समीक्षा
  - फिल्म समीक्षा
  - समूह परियोजना गतिविधि
  - शोध सह प्रस्तुति
  - रचनात्मक लेखन या पेपर लेखन
  - समूह चर्चा
  - समस्या समाधान अभ्यास
  - रचनात्मक उत्पादन
  - अभिनव परियोजना
  - अन्य विषय–संबंधित शैक्षणिक कार्य

ट्यूटोरियल्स के सतत मूल्यांकन के लिए 40 अंक आबंटित हैं।

40 अंकों में से 5 अंक उपस्थिति के लिए निम्नानुसार आबंटित किए गए हैं:

(क). 67% < उपस्थिति < 70% – 1 अंक
(ख) 70% < उपस्थिति < 75% – 2 अंक
(ग) 75% < उपस्थिति < 80% – 3 अंक
(घ) 80% < उपस्थिति < 85% – 4 अंक
(ड) उपस्थिति > 85% – 5 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (आईए)

- IA में कक्षा परीक्षण, असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण और उपस्थिति शामिल हैं। उदाहरण विखंडन,
  - 25 अंकों के IA के लिए, 10 (टेस्ट), 10 (असाइनमेंट / प्रस्तुतिकरण), 5 (उपस्थिति)
  - 30 अंकों के IA के लिए, 12 (टेस्ट), 12 (असाइनमेंट / प्रस्तुतिकरण), 6 (उपस्थिति)
- उपस्थिति अंक 6 में से निम्नानुसार हैं:

(क) 67% < उपस्थिति < 70% – 1.2 अंक

(ख) 70% < उपस्थिति < 75% – 2.4 अंक

(ग) 75% < उपस्थिति < 80% – 3.6 अंक

(घ) 80% < उपस्थिति < 85% – 4.8 अंक

(ड) उपस्थिति > 85% – 6 अंक

निगरानी और शिकायत निवारण

- प्रत्येक कॉलेज में आईए के लिए निगरानी समिति आईए और सीए प्रक्रियाओं और शिकायत निवारण के लिए जिम्मेदार है। IA/CA से असंतुष्ट छात्र निम्नलिखित से मिलकर बनी अपीलीय संस्था में अपील कर सकते हैं,
  - प्राचार्य
  - प्रभारी शिक्षक / वरिष्ठ संकाय
  - संबंधित शिक्षक
  - कॉलेजों के डीन / निदेशक, दक्षिण दिल्ली परिसर (अध्यक्ष) द्वारा नामित व्यक्ति

सिद्धांत और व्यावहारिक मूल्यांकन

सिद्धांत और आंतरिक मूल्यांकन में व्याख्यान और ट्यूटोरियल सामग्री दोनों शामिल हैं।

प्रैक्टिकल (4 क्रेडिट), 25% सीए 50% अंतिम टर्म 25% वाइवा

प्रैक्टिकल (2 क्रेडिट), 25% सीए 50% अंतिम टर्म, (प्रैक्टिकल / लिखित) 25% वाइवा

ग्रेड सुधार और पुनः पंजीकरण

छात्र थ्योरी / प्रैक्टिकल / आईए स्थिति के आधार पर शर्तों के अनुसार सुधार के लिए उपस्थित हो सकते हैं या पुनः पंजीकरण करा सकते हैं।

घटकों में ग्रेड संतुष्टि के विभिन्न संयोजनों के लिए सुधार नियम अलग–अलग होते हैं।

अंतिम अंक और ग्रेड रूपांतरण

अंतिम प्रतिशत = ग्रैंड सीजीपीए × 10

नियम अनुशासन का

1. विद्यार्थी अपने आचरण के लिए प्रिंसिपल के प्रति उत्तरदायी हैं और उन्हें कॉलेज के अंदर या बाहर ऐसा कुछ भी करने से मना किया जाता है जो अनुशासन का उल्लंघन हो या कॉलेज के अनुशासन और सामान्य कामकाज में हस्तक्षेप हो। अनुशासन के किसी भी नियम का उल्लंघन करने पर विद्यार्थी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। अनुशासनात्मक कार्रवाई में चेतावनी देना और / या कक्षाओं से, परीक्षा से, कॉलेज लाइब्रेरी के इस्तेमाल से या यहां तक कि कॉलेज से भी निलंबन शामिल हो सकता है, या दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुशासन नियमों के अध्यादेश XV (B), XV (C) और XV (D) में दिए गए किसी भी तरह के प्रावधान के अनुसार कोई कार्रवाई की जा सकती है।
2. छात्रों को स्टाफ के सदस्यों (शिक्षण और प्रशासनिक) और अपने साथी विद्यार्थियों के प्रति विनम्र तरीके से व्यवहार करना चाहिए। अवज्ञा, अभद्र भाषा या अभद्र व्यवहार जिसमें चिढ़ाना आदि शामिल है, के साथ सख्ती से निपटा जाएगा।
3. छात्रों को कक्षा के दौरान पूर्ण शांति बनाए रखनी चाहिए तथा अव्यवस्थित व्यवहार से दूर रहना चाहिए।

ORDINANCE XV-B of the UNIVERSITY OF DELHI

Maintenance of Discipline among Students of the University

1. All powers relating to discipline and disciplinary action are vested in the Vice-Chancellor.

2. The Vice-Chancellor may delegate all or such power as he/she deems proper to the Proctor and to such other persons as he/she may specify in this regard.

3. Without prejudice to the generality of power to enforce discipline under the Ordinance, the following shall amount to acts of gross indiscipline:

   (a) Physical assault or threat to use physical force against any member of the teaching and non-teaching staff of any Institution/Department and against any student within the University of Delhi;

   (b) Carrying of, use of, or threat to use of any weapon;

   (c) Any violation of the provisions of the Civil Right Protection Act, 1976;

   (d) Violation of the status, dignity and honour of students belonging to the Scheduled castes and tribes;

   (e) Any practice-whether verbal or otherwise-derogatory of women;

   (f) Any attempt at bribing or corruption in any manner;

   (g) Willful destruction of institutional property;

   (h) Creating ill-will or intolerance on religious or communal grounds;

   (i) Causing disruption, in any manner, of the of the academic functioning of the university system;

   (j) Ragging as per Ordinance XV-C.

4. Without prejudice to the generality of his/her powers relating to the maintenance of discipline and taking such action in the interest of discipline as may "seem to him appropriate", the Vice Chancellor may, in the exercise of his/her powers aforesaid, order or direct that:

   (a) any student or students be expelled; or

   (b) any student or students be, for a stated period, rusticated; or

   (c) be not for a stated period, admitted to a course or courses of study in a college, department or institution of the University; or

   (d) be fined with a sum of rupees that may be specified; or

(e) be debarred from taking a University or College or Departmental Examination or Examinations for one or more years, or

(f) that the result of the student or students concerned, in the Examination or Examinations in which he/she or they have appeared be cancelled.

5. The Principals of the Colleges, Heads of the Halls, Deans of the Faculties, Heads of Teaching Departments in the University, the Principal, School of Correspondence Courses and Continuing Education and Librarians shall have the authority to exercise all such disciplinary powers over students in their respective Colleges, Institutions, Faculties and Teaching Departments in the university as may be necessary for the proper conduct of teaching in the institutions, Halls and teaching in the concerned Departments. They may exercise their authority through, or delegate authority to, such of the teachers in their colleges, institutions or Departments as they may specify for these purposes.

6. Without prejudice to the power of the Vice-Chancellor and the Proctor as aforesaid, detailed rules of discipline and proper conduct shall be framed. These rules may be supplemented where necessary by the Principals of Colleges, Heads of Halls, Deans of Faculties and Heads of Teaching Departments in this University. Each student shall be expected to provide himself/herself with a copy of these rules.

7. At the time of admission, every student shall be required to sign a declaration that on admission he/she submits himself/herself to the disciplinary jurisdiction of the Vice-Chancellor and the several authorities of the University who may be vested with the authority to exercise discipline under the Acts, the Statutes, the Ordinances and the Rules. that have been framed there under by the University.

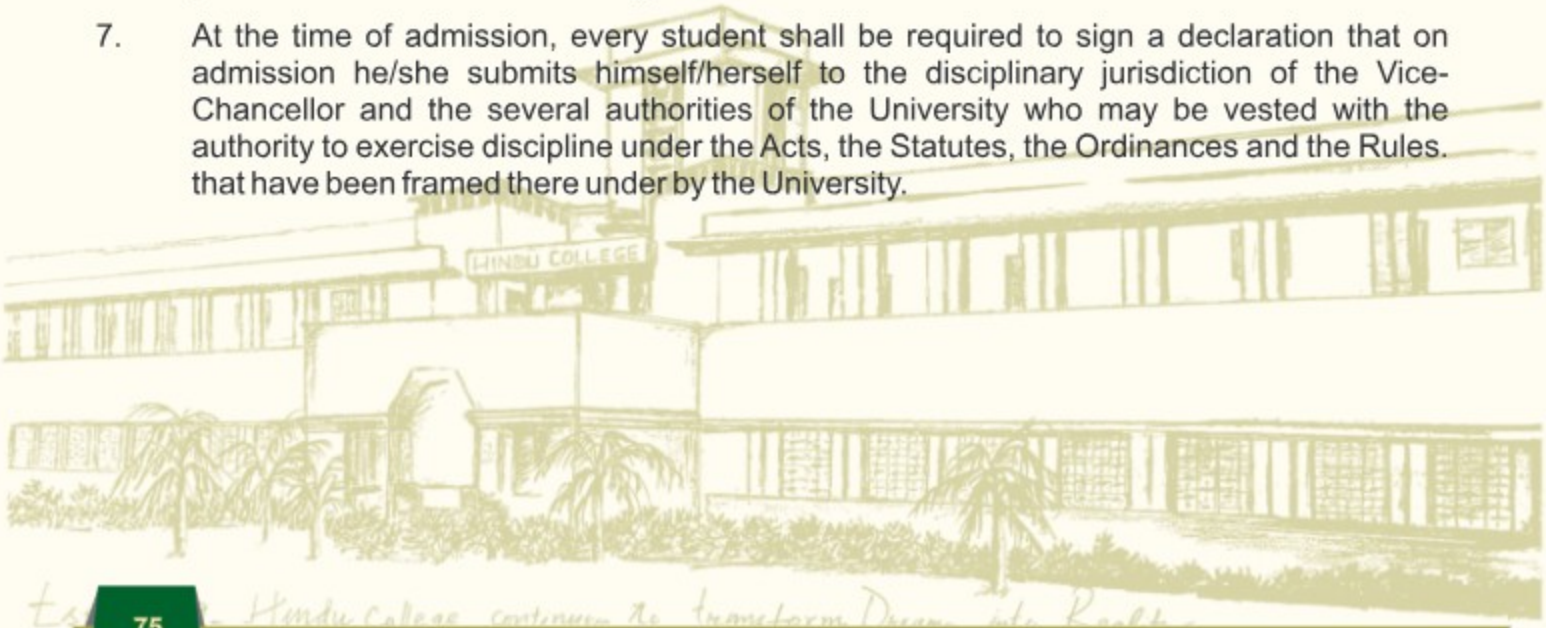

IMPORTANT UNIVERSITY ORDINANCES (Contd.)

ORDINANCE XV-C of the UNIVERSITY OF DELHI

Prohibition of and Punishment for Ragging

1. Ragging in any form is strictly prohibited within the premises of College/Department or Institution and any part of Delhi University system as well as on public transport.

2. Any individual or collective act or practice of ragging constitutes gross indiscipline and shall be dealt with under this Ordinance.

3. Ragging for the purposes of this Ordinance means any act, conduct or practice by which dominant power or status of senior students is brought to bear on students freshly enrolled or students who are in any way considered junior or inferior by other students and includes individual or collective acts or practices which:

   (a) involve physical assault or threat to use of physical force;

   (b) violate the status, dignity and honour of women students;

   (c) violate the status, dignity and honour of students belonging to the scheduled caste and tribes;

   (d) expose students to ridicule and contempt and affect their self-esteem;

   (e) entail verbal abuse and aggression, indecent gestures and obscene behavior.

4. The Principal of a College, the Head of the Department of an Institution, the authorities of College, of University Hostels or Halls of Residence shall take immediate action on any information of the occurrence of ragging.

5. Notwithstanding anything in Clause (4) above, the Proctor may also suo moto enquire into any incident of ragging and make a report to the Vice-chancellor of the identity of those who have engaged in ragging and the nature of the incident.

6. The Proctor may also submit an initial report establishing the identity of the perpetrators of ragging and the nature of the ragging incident.

7. If the Principal of College or Head of the Department or Institution or the Proctor is satisfied that for some reason, to be recorded in wri ting, it is not reasonably practical to hold such an enquiry, he/she may so advise the Vice-Chancellor accordingly.

8. When the Vice-Chancellor is satisfied that it is not expedient to hold such an enquiry, his/her decision shall be final.

9. On the receipt of a report under Clause (5) or (6) or a determination by the relevant authority under Clause (7) disclosing the occurrence of ragging incidents described in Clause 3 (a), (b) and (c), the Vice-Chancellor shall direct or order rustication of a student of students for a specific number of years.

10. The Vice-Chancellor may in other cases of ragging order or direct that any student or students be expelled or be not, for a stated period, admi ed to a course of study in a college, departmental examination for one or more years, or that the results of the student concerned in the examination or examinations in which they appeared, be cancelled.

IMPORTANT UNIVERSITY ORDINANCES (Contd.)

11. In case any students who have obtained degrees of Delhi University are found guilty under this Ordinance, appropriate action under Statute 15 for withdrawal of degrees conferred by the University shall be initiated.

12. For the purpose of this Ordinance, abetment to ragging will also amount to ragging.

13. All institutions within the Delhi University system shall be obligated to carry out instructions/direc ons issued under this Ordinance, and to give aid and assistance to the Vice Chancellor to achieve the effective implementation of the Ordinance.

IMPORTANT UNIVERSITY ORDINANCES (Contd.)

ORDINANCE XV-D of the UNIVERSITY OF DELHI

The Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 (MINISTRY OF LAW AND JUSTICE)

An Act to provide protection against sexual harassment of women at work place and for the prevention and redressal of complaints of sexual harassment and for matters connected there with incidental thereto.

WHEREAS sexual harassment results in violation of the fundamental rights of a woman to equality under articles 14 and 15 of the Constitution of India and her right to life and to live with dignity under article 21 of the Constitution and right to practice any profession or to carry on any occupation, trade or business which includes a right to a safe environment free from sexual harassment.

AND WHEREAS the protection against sexual harassment and the right to work with dignity are universally recognized human rights by international conventions and instruments such as Convention and the Elimination of all forms of discrimination against Women, which has been ratified on the 25th June, 1993 by the Government of India.

AND WHEREAS it is expedient to make provisions for giving effect to the said Convention for protection of women against sexual harassment at workplace.

For details, please see the website https://wcd.nic.in/sites/default/files/Sexual-Harassment-at Workplace-Act.pdf

कॉलेज हॉस्टल

श्रीमती इंदु पुंज कन्या छात्रावास
हिंदू कॉलेज
सुश्री कृतिका शर्मा,प्रबंधक– कन्या छात्रावास

लगभग 125 वर्षों के शानदार इतिहास के साथ, कॉलेज अपने स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए अत्यधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आकर्षित करता है। हिंदू कॉलेज की छात्राओं के लिए आवासीय सुविधा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, कॉलेज परिसर में एक चार मंजिला संरचना का निर्माण किया गया था। कॉलेज की छात्राओं के लिए छात्र निवास, जो शैक्षणिक सत्र 2017–18 से पूरी तरह कार्यात्मक हो गया, का औपचारिक रूप से आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने उद्घाटन किया। हमें इस बात पर गर्व है कि हमारे निवासियों में उत्कृष्टता के मूल्य के लिए पूरे दिल से समर्पित छात्राओं का एक समूह है। सभी आवासीय कमरे वातानुकूलित हैं। छात्रावास के मुख्य द्वार पर सुरक्षा गार्डों के साथ चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान की जाती है। निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर समय सीसीटीवी कैमरे हैं। छात्रावास में भूतल पर एक आम कमरा है जहाँ निवासी दैनिक समाचार पत्र और पत्रिकाएँ पढ़ सकते हैं छात्रावास में एक बैडमिंटन कोर्ट और अन्य मनोरंजक गतिविधियों के लिए एक खुली हवा वाली जगह है। अन्य सुविधाओं में आधुनिक सुविधाओं वाला एक विशाल रसोईघर, एक कॉमन डाइनिंग हॉल, एक मेडिकल रूम और प्रत्येक मंजिल पर कॉमन रूम शामिल हैं, जिनका उपयोग

छात्रों द्वारा रीडिंग रूम और कॉन्फ्रेंस रूम के रूप में किया जा रहा है। प्रत्येक मंजिल पर नाश्तेध्ताजा पेय पदार्थों की स्वयं–तैयारी के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित पेंट्री प्रदान की गई है। प्रत्येक मंजिल पर वाटर कूलर हैं। प्रत्येक मंजिल पर कपड़े धोने के कमरे पूरी तरह से स्वचालित वाशिंग मशीन और कपड़े धोने के स्टैंड से सुसज्जित हैं। चौबीसों घंटे चलने वाली लिफ्ट सेवा छात्रों की विभिन्न मंजिलों पर सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करती है।

पर्यावरण संबंधी मुद्दों के प्रति प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, छात्रावास की छत पर सौर जल तापन प्रणाली स्थापित की गई है। पूरे स्थान को साफ–सुथरा रखने के लिए बहुत सावधानी बरती जा रही है। छात्रावास में दिव्यांगों के लिए शुल्क में छूट दी जाती है। विभिन्न राज्यों और विविध पृष्ठभूमि से आने वाली छात्राओं के लिए, छात्राओं के लिए छात्र निवास एक बहुत ही आरामदायक स्थान है – 'घर से दूर एक घर'।

पुरुष छात्रावास हिंदू कॉलेज

निर्माणाधीन

कॉलेज पुस्तकालय

लाईब्रेरी

हिंदू कॉलेज लाइब्रेरी दिल्ली यूनिवर्सिटी कॉलेज लाइब्रेरी में सबसे पुराने पुस्तकालयों में से एक है। यह 1899 में कॉलेज की स्थापना के साथ ही अस्तित्व में आई थी। हिंदू कॉलेज पुस्तकालय पूरी तरह से वातानुकूलित और कम्प्यूटरीकृत है। पुस्तकालय सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए खुला है।

यहाँ एक अच्छी तरह से सुसज्जित वाचनालय है, जहाँ विभिन्न विषयों पर बड़ी संख्या में दैनिक, साप्ताहिक, पत्रिकाएं और पत्रिकाएं उपलब्ध हैं।

दो नई मंजिलें, जिनमें से प्रत्येक लगभग 895 वर्ग मीटर की है, बनकर तैयार हो गई हैं।दोनों मंजिलें वातानुकूलित हैं, इनमें स्त्री–पुरुष सुविधाएँ अलग–अलग हैं, सीसीटीवी निगरानी और अग्नि सुरक्षा प्रणालियाँ स्थापित हैं, और एक यात्री लिफ्ट भी कार्यात्मक है।

नवनिर्मित दूसरी मंजिल अब उपयोगकर्ताओं के लिए आरक्षित अनुभाग के रूप में खुली है। सभी महत्वपूर्ण पाठ्यपुस्तकें आरक्षित अनुभाग में रखी जाती हैं ताकि विद्यार्थी अपने ट्यूटोरियल, असाइनमेंट लिख सकें। इसमें 125 छात्रों के बैठने की क्षमता और एक पुस्तक स्टैक क्षेत्र है।

तीसरी मंजिल ई–लर्निंग के लिए एसएनपी पुंज मेमोरियल नॉलेज सेंटर को समर्पित है, जिसमें 65 कंप्यूटर वाई–फाई से जुड़े हैं, जिससे उपलब्ध ई–संसाधनों तक पहुंचा जा सकता है, 100 उपयोगकर्ताओं के लिए एक पठन क्षेत्र है, इसमें एक इंटरैक्टिव स्क्रीन और स्कैनिंग और प्रिंटिंग की सुविधा के साथ बहु–कार्यात्मक फोटोकॉपी मशीन भी है।

सदस्यता

महाविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक और अन्य कर्मचारी पुस्तकालय के सदस्य बनने के हकदार हैं।

सेवाएँः ऋण विशेषाधिकार

स्नातक छात्रों के लिए	05 पुस्तकें	14 दिन
स्नातकोत्तर छात्रों के लिए	06 पुस्तकें	14 दिन
शिक्षण कर्मचारी	35 पुस्तकें	30 दिन
गैर–शिक्षण कर्मचारी	05 पुस्तकें	14 दिन

संदर्भ सेवा

संदर्भ सेवाएँ इसका उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को उनकी आवश्यक जानकारी प्राप्त करने और पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों का पूरा उपयोग करने में सहायता करना है। इसमें शामिल हैं:

- सूचना संसाधनों और सेवाओं के उपयोग में मार्गदर्शन।
- एनएलआईएसटी का उपयोग कैसे करें?
- ओपीएसी का उपयोग कैसे करें?

फोटोकॉपी सेवा

पुस्तकालय छात्रों और कर्मचारियों को पुस्तकालय में उपलब्ध दस्तावेजों से लेख/पाठ की फोटोकॉपी उपलब्ध कराने में मदद करता है। इस उद्देश्य के लिए उपयोगकर्ता अपने पुस्तकालय कार्ड के विरुद्ध वांछित दस्तावेज जारी करवा सकता है और विक्रेता से फोटोकॉपी करवाने के तुरंत बाद उसे वापस कर सकता है।

नई आगमन प्रदर्शन सेवा

पुस्तकालय में नई जोड़ी गई पुस्तकों को उधार के लिए जारी किए जाने से पहले न्यू अराइवल डिस्प्ले रैक पर प्रदर्शित किया जाता है।

पुस्तक(पुस्तकों) का आरक्षण

जिन पुस्तकों की मांग अधिक है और जो सामान्यतः जारी रहती हैं, उन्हें उपयोगकर्ता संचलन काउंटर पर आरक्षित कर सकता है।

ओपेक सेवा

ओपीएसी आपको लाइब्रेरी में लेखक, शीर्षक और कीवर्ड आदि के आधार पर अपनी पसंद की पुस्तक खोजने की सुविधा देता है।

इंटरनेट का उपयोग

पुस्तकालय वाई–फाई सक्षम है और उपयोगकर्ता एनएलआईएसटी और दिल्ली विश्वविद्यालय के माध्यम से इंटरनेट और ई–पत्रिकाओं और ई–पुस्तकों तक पहुंच सकते हैं।

S.N.P. Punj Memorial Knowledge Centre For E-Learning

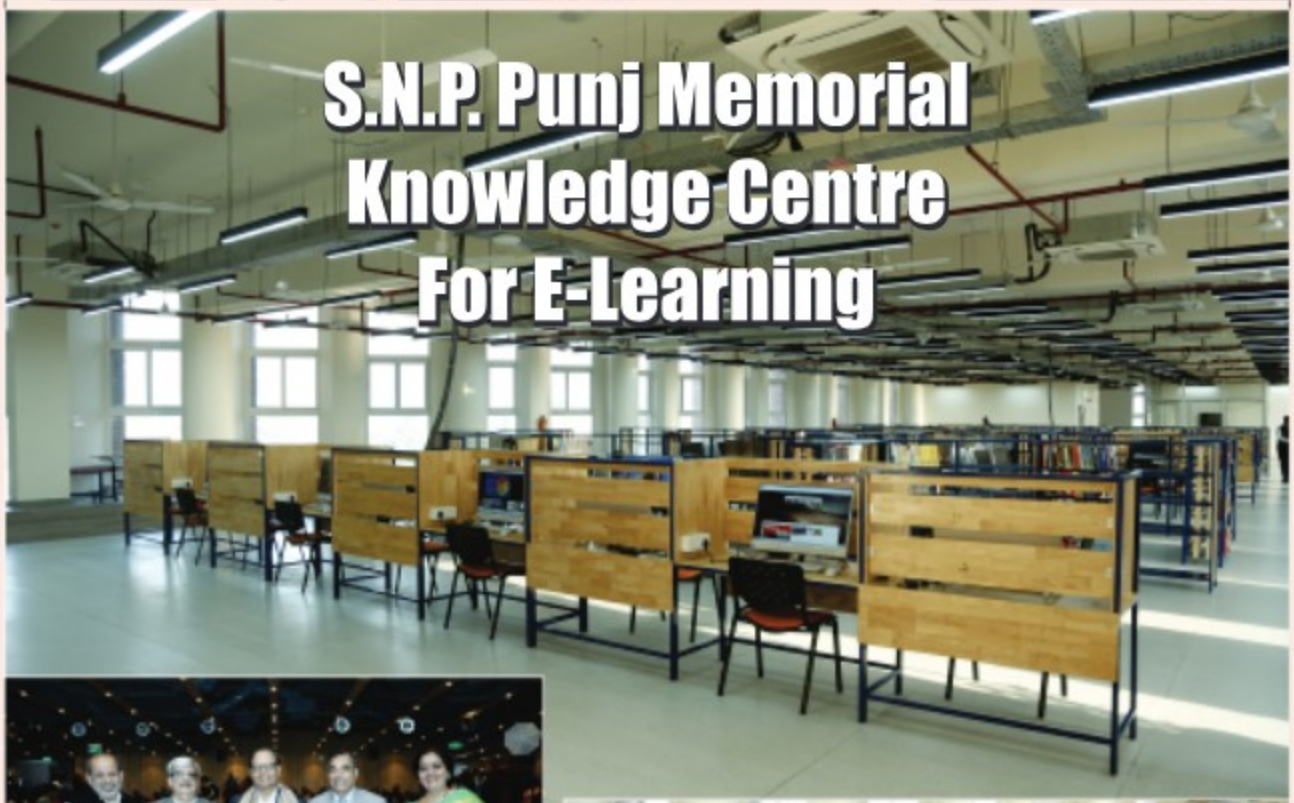

अनुसंधान फ़ेलोशिप

हिंदू कॉलेज प्रबंधन ने कॉलेज के शिक्षकों और छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए अनुसंधान फ़ेलोशिप की दो योजनाएँ शुरू की हैं।

डॉ. बी.एम. भाटिया मेमोरियल रिसर्च फ़ेलोशिप

डॉ. भाटिया फ़ेलोशिप का उद्देश्य शिक्षकों को शोध करने और देश के आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह फ़ेलोशिप कॉलेज के प्रबंधन द्वारा तय दिशा–निर्देशों के आधार पर प्रदान की जाएगी।

प्रो. एन वी थडानी मेमोरियल रिसर्च फ़ेलोशिप

यह फ़ेलोशिप विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र और वाणिज्य के संकाय सदस्यों को अंतःविषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए प्रदान की जाती है, जिससे सामाजिक लाभ हो। अनुसंधान को संबंधित विभागों के दस विद्यार्थियों सहायकों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

ललित कुमार जैन मेमोरियल रिसर्च फ़ेलोशिप

यह फ़ेलोशिप गणित और सांख्यिकी, सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र और वाणिज्य सहित विज्ञान के संकाय सदस्यों को समाज को लाभ पहुंचाने वाले अंतः विषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए प्रदान की जाती है। अनुसंधान को संबंधित विभागों के अधिकतम दस विद्यार्थियों सहायकों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

उक्त दोनों फेलोशिप के बारे में अधिक जानकारी कॉलेज की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

व्यापक भौक्षणिक गतिविधियाँ

विद्या विस्तार योजना

हिंदू कॉलेज ने 25.04.2022 को हस्ताक्षरित त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय की विद्या विस्तार योजना के तहत भारत के तीन पूर्वोत्तर कॉलेजों के साथ भागीदारी की है। इस योजना का लक्ष्य देश के दूर–दराज के क्षेत्रों में स्थित उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ सहयोग करना है। तीनों कॉलेज हैं–1) नॉर्थ कामरूप कॉलेज, असमय 2) नर बहादुर भंडारी कॉलेज, सिक्किम और 3) दोरजी खांडू गवर्नमेंट कॉलेज (DKGC), तवांग, अरुणाचल प्रदेश। तीनों कॉलेजों में से तवांग और नॉर्थ कामरूप भारत के सबसे दूरदराज के इलाकों और सीमावर्ती इलाकों में स्थित हैं, जबकि सिक्किम कॉलेज पहुंच योग्य जगह पर स्थित है। योजना के बारे में अधिक जानने के लिए कृपया नीचे दिए गए लिंक पर जाएँ:https://hinducollege-ac-in/vidya-aspÛ

विज्ञान और नवाचार को बढ़ावा देना

नवाचार परिषद

शिक्षा विभाग, भारत सरकार ने एक 'नवाचार प्रकोष्ठ' की स्थापना की है।

देश भर के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईएल) में नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिंदू कॉलेज इनोवेशन काउंसिल (एचसीआईसी) की स्थापना वर्ष 2018 में इनोवेशन सेल के तहत की गई है। इसकी प्राथमिक भूमिका विभिन्न नवाचार और उद्यमिता से संबंधित गतिविधियों जैसे कि विचार, समस्या समाधान, अवधारणा विकास का प्रमाण, डिजाइन थिंकिंग, आईपीआर, प्रोजेक्ट हैंडलिंग और अन्य में बड़ी संख्या में संकाय, विद्यार्थियों और कर्मचारियों को शामिल करना है।

प्रबंधन प्रीइन्क्यूबेशन/इन्क्यूबेशन स्टेज इत्यादि, ताकि कॉलेज में नवाचार और उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित और स्थिर हो सके। यह हिंदू कॉलेज पाक्षिक व्याख्यान श्रृंखला (HFLS) का भी आयोजन करता है, जो एक इंटरैक्टिव श्रृंखला है जिसमें नवाचार, उद्यमिता, बौद्धिक संपदा अधिकार आदि जैसे क्षेत्रों पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता शामिल होते हैं। नवीनतम हिंदू कॉलेज नवाचार और स्टार्टअप परिषद (HCISC) की स्थापना है, जिसकी भूमिका स्टार्ट–अप को बढ़ावा देना है और हिंदू कॉलेज की स्टार्टअप नीति के तहत संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों दोनों को बॉक्स से बाहर सोचने और स्टार्टअप के लिए उद्यम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

डीबीटी स्टार कॉलेज

डीबीटी स्टार कॉलेज योजना

स्टार कॉलेज योजना की शुरुआत भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वर्ष 2008 में की गई थी, जिसका उद्देश्य देश भर में विज्ञान शिक्षण को बेहतर बनाने के लिए स्नातक शिक्षा प्रदान करने वाले कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को सहायता प्रदान करना था। यह योजना बुनियादी विज्ञान विषयों में स्नातक स्तर पर आलोचनात्मक सोच को बेहतर बनाने और प्रयोगात्मक विज्ञान को 'हाथों पर' प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई थी। व्यापक परिप्रेक्ष्य में, इस योजना की शुरुआत इस परिकल्पना के साथ की गई थी कि यह अधिक विद्यार्थियों को विज्ञान में उच्च शिक्षा लेने के लिए प्रोत्साहित करेगी। इस योजना के माध्यम से विभाग उत्कृष्टता की क्षमता वाले कॉलेजों की पहचान करता है और शिक्षाविदों और प्रयोगशाला गतिविधियों के लिए बुनियादी ढाँचा विकसित करने के लिए सहायता प्रदान करता है। इस सहायता से बदले में शिक्षण को बढ़ावा मिलने और छात्रों को प्रयोगात्मक विज्ञान के लिए अद्वितीय अनुभव प्रदान करने की उम्मीद है।

हिंदू कॉलेज को वर्ष 2022 में इस योजना के तहत चार सहभागी विभागों, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी और प्राणी विज्ञान के साथ अनुदान दिया गया था। इस योजना ने न केवल इन विभागों के तहत चलाए जाने वाले विज्ञान पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षण–अधिगम शिक्षाशास्त्र को बढ़ाया है, बल्कि अंतःविषय सहयोग और कार्य संस्कृति को भी विकसित किया है। इस योजना के तहत की गई पहलों ने सामूहिक रूप से एक मजबूत शैक्षणिक माहौल में योगदान दिया है, जिससे विद्यार्थियों को अपने संबंधित क्षेत्रों और उससे परे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है।

कॉलेज और संबंधित विभागों को इस योजना से एक से अधिक तरीकों से बहुत लाभ हुआ है, जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया है:

संकाय, सहायक कर्मचारी और विद्यार्थी विकास

इस योजना के तहत, संकाय सदस्यों के साथ–साथ विद्यार्थियों को कक्षा से परे जाकर विस्तार और शोध के अवसरों के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह योजना प्रशिक्षण, अभिविन्यास और पुनश्चर्या कार्यक्रमों के माध्यम से संकाय विकास का समर्थन करती है। प्रयोगशाला और सहायक कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण और कौशल वृद्धि कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, छात्रों को अंतःविषय परियोजनाओं, कार्यशालाओं और आउटरीच कार्यक्रमों जैसी विभिन्न गतिविधियों में शामिल किया जाता है, जिससे उनकी शोध क्षमताओं में वृद्धि होती है और एक सहयोगी शिक्षण वातावरण को बढ़ावा मिलता है।

कौशल संवर्धन

कॉलेज ने ड्रोसोफिला अनुसंधान और मशरूम–संस्कृति जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कौशल

इकाइयाँ स्थापित की हैं। ये इकाइयाँ विद्यार्थियों, शिक्षकों और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती हैं, जो कौशल विकास में योगदान देती हैं और निरंतर सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देती हैं।

आउटरीच

इस योजना के तहत आयोजित आउटरीच कार्यक्रमों का उद्देश्य स्कूली बच्चों के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाना है, जिससे अगली पीढ़ी के वैज्ञानिकों को प्रेरणा मिले। इसके अलावा, कॉलेज सामाजिक लाभ के लिए जागरूकता कार्यक्रम और अभियान चलाने के लिए कम सुविधा प्राप्त स्कूलों और इलाकों की पहचान करने का प्रयास करता है।

अंतःविषय सहयोग

डीबीटी स्टार कॉलेज योजना ने वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी और प्राणी विज्ञान जैसे विभागों के बीच अंतःविषय सहयोग को बढ़ावा दिया है। इन विभागों के संकाय सदस्य व्यावहारिक प्रशिक्षण, सेमिनार और शैक्षिक यात्राओं सहित विभिन्न गतिविधियों का समन्वय करते हैं, जिससे छात्रों को वैज्ञानिक अवधारणाओं की समग्र समझ मिलती है और अभिनव सोच को बढ़ावा मिलता है।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय

हिंदू कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय परियोजना कार्यालय (ओआईपी) छात्रों के लिए वैश्विक संपर्क की सुविधा प्रदान करता है

अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करके, विनिमय कार्यक्रमों का आयोजन करके और अंतर–सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मेजबानी करके। इसका उद्देश्य अकादमिक और सांस्कृतिक आदान–प्रदान के लिए एक जीवंत मंच बनाना है। OIP विद्यार्थियों को सम्मेलनों और कार्यशालाओं जैसे अंतर्राष्ट्रीय अवसरों से भी जोड़ता है, जिससे वैश्विक रूप से अधिक जागरूक विद्यार्थी समुदाय को बढ़ावा मिलता है।

विद्यार्थी गतिविधियाँ / संलग्नताएँ

इंद्रप्रस्थ– कॉलेज पत्रिका

कॉलेज की पत्रिका 'इंद्रप्रस्थ' में छात्रों द्वारा लिखे गए लेख और कॉलेज की शैक्षिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और खेल गतिविधियों की रिपोर्ट प्रकाशित होती है। पत्रिका के प्रत्येक भाग का संपादन एक विद्यार्थी संपादक द्वारा शिक्षण स्टाफ के एक सदस्य की देखरेख में किया जाता है।

कॉलेज संसद

हिंदू कॉलेज संसद देश का एक अनूठा छात्र संगठन है.कॉलेज के सभी विद्यार्थी और शिक्षक इसके सदस्य हैं। विद्यार्थी वर्ष की शुरुआत में अपने बीच से प्रधानमंत्री का चुनाव करते हैं। विपक्ष का एक नेता भी होता है। संसद का अध्यक्ष हिंदू कॉलेज गणराज्य के अध्यक्ष के रूप में प्रिंसिपल द्वारा नामित एक शिक्षक होता है। कॉलेज संसद अकादमिक और अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए एक मंच है। यह सार्वजनिक भाषण और नेतृत्व गुणों के लिए एक उत्कृष्ट प्रशिक्षण मैदान है। यह विभिन्न संस्थाओं को धन आवंटित करता है।

खेल

कॉलेज में एक बड़ा मैदान है, जो विभिन्न खेल गतिविधियों के लिए उपलब्ध है। इसके अलावा कॉलेज में एक उत्कृष्ट खेल परिसर है, जिसमें एक अत्याधुनिक जिम है जिसका उपयोग विद्यार्थी, शिक्षक और गैर–शिक्षण कर्मचारी बड़े पैमाने पर करते हैं।

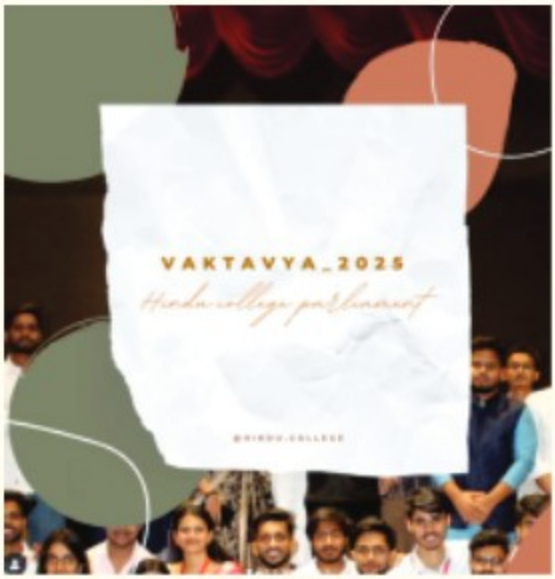
VAKTAVYA_2025
Hindu college parliament
@HINDU.COLLEGE

HINDU COLLEGE

"ONE NATION,
ELECTION"

HINDU COLLEGE

मक्का–वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव

मक्का नामक वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव कॉलेज के सर्वधर्म–समभाव चरित्र को उजागर करता है। यह 1973 से सफलतापूर्वक मनाया जा रहा है और इसमें विश्वविद्यालय भर के छात्रों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी जाती है। मक्का कैलेंडर का मुख्य आकर्षण है – छात्रों के लिए खुद को अभिव्यक्त करने और इस कॉलेज की समृद्ध परंपरा के उत्तराधिकारी के रूप में कार्य करने का सबसे बड़ा मंच।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

हिंदू कॉलेज की एनएसएस इकाई उन विद्यार्थियों के लिए एक सक्रिय और उत्साही मंच है जो समाज में योगदान देने के लिए उत्सुक हैं। भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत काम करने वाली यह इकाई 'नॉट मी, बट यू' के आदर्श वाक्य पर आधारित है, जो युवाओं में निस्वार्थ सामुदायिक सेवा की भावना को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को दर्शाता है।

विभिन्न प्रकार की आउटरीच और विकासात्मक गतिविधियों के माध्यम से, इकाई विद्यार्थी को एक मजबूत नागरिक भावना के साथ जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाती है। स्वयंसेवक नियमित रूप से जागरूकता अभियान, स्वच्छता अभियान, वंचित क्षेत्रों में शिक्षण कार्यक्रम और स्थिरता परियोजनाओं जैसी पहलों में लगे रहते हैं।

इसके अलावा, छात्र राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों जैसे कि MY Bharat पहल, राष्ट्रीय एकता शिविर, युवा संसद और राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेते हैं, जिससे उन्हें वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने और नेतृत्व और संचार कौशल विकसित करने का अवसर मिलता है। यूनिट के स्वयंसेवक प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस परेड शिविरों में भी कॉलेज का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे उनका अनुभव और समृद्ध होता है।

दो वर्षों में 240 घंटे की समर्पित सेवा सफलतापूर्वक पूरी करने पर स्वयंसेवकों को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाता है, जिससे उनके शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास में वृद्धि होती है। जो विद्यार्थी कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना में शामिल होना चाहते हैं उन्हें हिन्दी विभाग के डॉ॰ पल्लव (कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना) से संपर्क करना होगा।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए एनसीसी विंग है। यह दिल्ली नौसेना इकाई से जुड़ा हुआ है और विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास में प्रशिक्षण प्रदान करता है। छात्रों को साहसिक शिविरों में भाग लेना होगा और उन्हें गणतंत्र और स्वतंत्रता दिवस परेड के लिए भी ड्यूटी सौंपी जाएगी। 'सी' प्रमाण पत्र के सफल समापन पर, छात्रों को रक्षा सेवाओं में अधिकारी की नौकरियों के लिए लिखित परीक्षा से छूट मिलती है। उन्हें अपने अंतिम प्रतिशत में अंकों में अतिरिक्त लाभ भी मिलता है। जो विद्यार्थी कॉलेज के एनसीसी विंग में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें हिंदू कॉलेज के हिंदी विभाग के सब लेफ्टिनेंट ओर एन सी सी अधिकारी डॉ. हरिंदर कुमार से संपर्क करना होगा।

mecca
2024
Hindu College
Annual Festival

कॉलेज सोसायटी

कॉलेज विभिन्न जीवंत समितियों के माध्यम से विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन करता है। ये समितियाँ प्रिंसिपल द्वारा नियुक्त शिक्षण संकाय के एक सदस्य (प्रभारी शिक्षक) के मार्गदर्शन में काम करती हैं। कॉलेज में निम्नलिखित समितियाँ हैं:

180 डिग्री कंसल्टिंग

180 डिग्री कंसल्टिंग (180 डीसी) दुनिया की सबसे बड़ी विश्वविद्यालय–आधारित कंसल्टेंसी है, जो सामाजिक रूप से जागरूक संगठनों को निःशुल्क परामर्श सेवाएँ प्रदान करके सकारात्मक सामाजिक प्रभाव पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है। 35 से अधिक देशों में शाखाओं के साथ, 180 डीसी प्रतिभाशाली विश्वविद्यालय के छात्रों को गैर सरकारी संगठनों, सामाजिक उद्यमों और प्रभाव–संचालित व्यवसायों से जोड़ता है ताकि अभिनव और टिकाऊ समाधानों के माध्यम से जटिल चुनौतियों का समाधान किया जा सके।

2020 में स्थापित, हिंदू कॉलेज शाखा किफायती, उच्च गुणवत्ता वाली सलाहकार सेवाएँ प्रदान करने के लिए सबसे प्रतिभाशाली छात्रों को शामिल करके परिसर में वैश्विक परामर्श अनुभव लाने का प्रयास करती है। हमारा काम शिक्षा, स्थिरता, स्वास्थ्य सेवा, आजीविका और सामाजिक समावेश जैसे विविध क्षेत्रों में फैला हुआ है।

हमारी सेवाओं में बाजार और नीति अनुसंधान, सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन, वित्तीय नियोजन और धन उगाहने की रणनीति, डेटा विश्लेषण, संगठनात्मक रणनीति और साझेदारी विकास शामिल हैं। हम एक कठोर बहु–चरणीय भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से अपने सदस्यों का सावधानीपूर्वक चयन करते हैं और उन्हें प्रभावी परियोजना वितरण सुनिश्चित करने के लिए परामर्श पद्धतियों और ग्राहक जुड़ाव में व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

अपनी स्थापना के बाद से, 180 डीसी हिंदू ने 40 से अधिक परियोजनाएं पूरी की हैं, जिसमें भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मलेशिया और लेबनान से लेकर इंडोनेशिया और यूके तक के संगठनों को 55,000 से अधिक परामर्श घंटे दिए गए हैं। हमारे सदस्यों को बीसीजी, ईवाई, पीडब्ल्यूसी, आईआईएम बैंगलोर और अन्य के उद्योग विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन और आईआईएम बैंगलोर, एमडीआई गुड़गांव, अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ बेरूत और ट्रैरिटी कंसल्टिंग ग्रुप जैसे संस्थानों के साथ साझेदारी का लाभ मिलता है।

हम नेक्सस की भी मेजबानी करते हैं, जो हमारा वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम है जिसमें जस्टकेसइट, एक राष्ट्रीय केस प्रतियोगिता, और जस्टमिक्सइट, एक नेटवर्किंग मिक्सर शामिल है जो छात्रों को पेशेवरों और पूर्व छात्रों से जोड़ता है। इसके अतिरिक्त, हमारी प्लेसमेंट बुक पहल छात्रों को अग्रणी फर्मों में परामर्श और वित्तीय प्लेसमेंट के लिए मूल्यवान संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान करती है।

180 डिग्री कंसल्टिंग हिंदू कॉलेज में, हम एक समावेशी और सहयोगी संस्कृति को बढ़ावा देते हैं जहाँ फीडबैक, सीखना और सामाजिक प्रभाव एक साथ चलते हैं। हमारा मिशन विद्यार्थियों को परिवर्तनकर्ता बनने और रणनीतिक परामर्श के माध्यम से सार्थक, स्थायी प्रभाव देने के लिए सशक्त बनाना है।

आरंभ – पश्चिमी नृत्य सोसायटी

आरम्भ की स्थापना 2013 में हुई थी। यह सोसाइटी पश्चिमी नृत्य के सभी रूपों को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। हम यहाँ आरम्भ में न केवल नृत्य करते हैं बल्कि पूरे दिल से प्रदर्शन भी करते हैं। यह सोसाइटी छात्रों को कई कॉलेजों की विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। यह सोसाइटी न केवल प्रशिक्षित पेशेवरों को बल्कि उन लोगों को भी मौका देने का प्रयास करती है जिनमें क्षमता है और जो अपनी प्रतिभा को निखारने का प्रयास करते हैं। हर साल, सदस्य शुरुआत से शुरू करते हैं और एक शक्तिशाली कृति बनाने में अपना दिल लगाते हैं जो न केवल प्रतिभा, बल्कि एकता और दृष्टि को प्रदर्शित करती है। गहन अभ्यास से लेकर बैकस्टेज पलों तक, आरम्भ वह जगह है जहाँ ऐसे बंधन बनते हैं जो कॉलेज से कहीं आगे तक जाते हैं। यह एक ऐसी जगह है जहाँ आप स्थिरता, विश्वास और संचार का मूल्य सीखते हैं। एक सोसाइटी से कहीं ज्यादा, आरम्भ एक यात्रा है और हम इसमें आपका स्वागत करने के लिए तैयार हैं।

अभिरंग–हिन्दी विभाग की हिन्दी नाट्य संस्था

हिंदी विभाग की नाट्य संस्था अभिरंग का सफर 2005 में शुरू हुआ। आज यह संस्था अपने दूसरे दशक के पड़ाव पर है। इस नाट्य संस्था का उद्देश्य हिंदी के विद्यार्थियों को मंच प्रदान करना है। अब तक अभिरंग ने अनेक नाटकों का मंचन किया है जिनमें कबिरा खड़ा बाजार में, मोटेराम का सत्याग्रह, सीमारेखा, तेरी मेरी उसकी बात, प्रेमकथा पंचतंत्र से, कफ़न, सद्गति, दीपदान इन में मुख्य हैं। सुप्रसिद्ध रंगकर्मी वागीश कुमार सिंह तथा अरविन्द गौड़ भी अभिरंग से जुड़े रहे हैं। इसमें सत्र के दौरान नाट्य मंचन,व्याख्यान, नाटककार से संवाद, व अंतरमहाविद्यालयी गतिविधियां शामिल है। इस संस्था से जुड़े विद्यार्थी रंगकर्म से आज तक जुड़े हुए हैं और अपना नाम स्थापित कर रहे हैं।

अभ्यास

अभ्यास प्रतिबद्ध व्यक्तियों की एक टीम है जो हर पहल के माध्यम से उत्कृष्टता और प्रभाव के लिए प्रयास करते हैं। वे न केवल विद्यार्थियों को मूल्यवान इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करते हैं बल्कि उन्हें आत्मविश्वास से आगे बढ़ने के लिए कौशल और मानसिकता बनाने में भी मदद करते हैं। लेकिन अभ्यास सिर्फ करियर निर्माण से कहीं आगे जाता है – यह विकास, विचारों और सार्थक बदलाव के लिए खड़ा है। इस दृष्टिकोण के प्रति सच्चे रहते हुए, टीम लगातार इंटर्नशिप मेलों, व्यावहारिक सम्मेलनों और मैराथन जैसी समुदाय–केंद्रित पहलों का एक शक्तिशाली मिश्रण लाती है – एक ऐसा स्थान बनाती है जहाँ महत्वाकांक्षा कार्रवाई से मिलती है।

अमूर्तन – ललित कला सोसायटी

हिंदू कॉलेज की ललित कला संस्था एब्सट्रेक्शन का इतिहास 25 साल से भी पुराना है। अपनी स्थापना के बाद से ही एब्सट्रेक्शन ने पेंटिंग, स्केचिंग, सुलेख, भित्तिचित्र, क्ले मॉडलिंग और मूर्तिकला जैसे कला के विभिन्न रूपों को समर्थन और प्रोत्साहित करने का प्रयास किया है। इसने न केवल विभिन्न कॉलेजों के छात्रों को बल्कि शिक्षकों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने और अपनी रचनात्मक तीक्ष्णता साबित करने के लिए मंच प्रदान किया है। एक आर्ट गैलरी 'भरत राम सेंटर ऑफ आर्ट' रचनात्मक गतिविधियों का केंद्र बन गई है। अपने शांत और हरे–भरे माहौल के साथ यह केंद्र कला पारखी लोगों के बीच तुरंत लोकप्रिय हो गया है और कला प्रेमियों के लिए एक पसंदीदा जगह है। एब्सट्रेक्शन ने विभिन्न अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में अपने कलाकारों की उत्कृष्ट कला कृतियों से कॉलेज को गौरवान्वित किया है। इसके सदस्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लगी विभिन्न समितियों से सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं। चाहे वह MECCA समिति हो, संस्थापक दिवस समिति हो या अंतरध्वनि, इसके सदस्य एक अनिवार्य हिस्सा रहे हैं। एब्सट्रेक्शन हर साल सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन करता है जिसका बेसब्री से इंतजार किया जाता है। यह विभिन्न कॉलेजों से प्रतिभाओं को आकृष्ट करता है और एक बड़ी सफलता रही है।

अधृता– शास्त्रीय नृत्य सोसायटी

2014 में अपनी स्थापना के बाद से, हिंदू कॉलेज की भारतीय नृत्य सोसायटी – अधृता भारत की समृद्ध अमूर्त विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। भारतीय नृत्य और संस्कृति के प्रति गहरी श्रद्धा के साथ, यह सोसायटी एक कला के रूप में नृत्य की बहुमुखी प्रतिभा और अभिव्यंजक शक्ति का जश्न मनाती है।

शास्त्रीय और लोक नृत्य शैलियों में युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देकर, अधृता ने भारतीय नृत्य के क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए लगातार काम किया है। पिछले कुछ वर्षों में, हमने विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों पर हिंदू कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया है – दिल्ली विश्वविद्यालय सर्किट से लेकर बाहरी प्रतियोगिताओं तक, और यहां तक कि न्यूजीलैंड दूतावास द्वारा आयोजित क्रॉस–सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक – हमारे संस्थान को कई पुरस्कार दिलाए हैं। आज, अधृता दिल्ली की सबसे प्रतिष्ठित नृत्य समितियों में से एक है। हमारे सदस्यों में कथक, ओडिसी, भरतनाट्यम, मोहिनीअट्टम, विभिन्न भारतीय लोक शैलियों और बॉलीवुड में प्रशिक्षित नर्तक शामिल हैं। वे नियमित रूप से परिसर के अंदर और बाहर अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं, सांस्कृतिक गौरव और कलात्मक उत्कृष्टता की भावना को मूर्त रूप देते हैं।

अलंकार

अलंकार, हिंदू कॉलेज की भारतीय संगीत सोसाइटी 1998 में अपनी स्थापना के बाद से ही संस्था के सांस्कृतिक जीवन का एक अभिन्न अंग रही है। अलंकार ने कुछ सबसे आकर्षक और दिल को छू लेने वाले रागों जैसे मिया मल्हार और बागेश्री में रचनाएँ की हैं, जिन्हें उभरते संगीतकारों ने गाया है, जो इस समूह की आत्मा रहे हैं, और हमारे इतिहास की किताब पर अपनी छाप छोड़ी है। अलंकार को हिंदू कॉलेज में हमारी पीढ़ी के कुछ सबसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों द्वारा नेतृत्व किए जाने का सम्मान मिला है और दिल्ली विश्वविद्यालय और देश भर से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को अपने सदस्यों के रूप में पाकर धन्य है। अलंकार ने देश भर में प्रतिष्ठित कॉलेज कार्यक्रमों में प्रशंसा और पुरस्कार जीते हैं। वार्षिक संगीत उत्सव, हारमनी, विश्वविद्यालय के संगीत मंडलियों के बीच उच्च सम्मान में आयोजित किया जाता है जो रोजमर्रा की जिंदगी में संगीत को आत्मसात करने में मदद करता है।

अंकुर–दिव्यांगों के लिए समाज और सक्षमता इकाई

अंकुर, दिव्यांग विद्यार्थियों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध कॉलेज सोसायटी, समान अवसर सेल (ईओसी) और एनएसएस, एनसीसी और अन्य जैसे विभिन्न छात्र–नेतृत्व वाले समूहों के साथ मिलकर काम करती है। सोसायटी एक गर्मजोशी भरा, समावेशी और सहायक वातावरण बनाने का प्रयास करती है जो सभी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने में सक्षम बनाता है। अंकुर किसी भी तरह की सहायता प्रदान करने के लिए समर्पित है – शैक्षणिक, भावनात्मक, तार्किक – यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी विद्यार्थी पीछे न छूट जाए। जागरूकता अभियानों, सुलभता पहलों, संवेदीकरण कार्यशालाओं और मेंटरशिप कार्यक्रमों के माध्यम से, अंकुर कॉलेज समुदाय के भीतर सहानुभूति, सम्मान और समान अवसर की भावना को बढ़ावा देता है।

एरिया– वेस्टर्न म्यूजिक सोसाइटी

हिंदू कॉलेज की वेस्टर्न म्यूजिक सोसाइटी ARIA पिछले पाँच सालों में दिल्ली विश्वविद्यालय की सबसे सफल सांस्कृतिक सोसाइटीज में से एक रही है। ARIA का वर्ष 2014 में शुरू होता है।

अगस्त में कठोर ऑडिशन के साथ, एक वार्षिक अनुष्ठान जिसके माध्यम से नए लोगों को सोसायटी में शामिल होने का मौका मिलता है। सोसायटी दो समूहों में विभाजित है: एकैपेला (वोकल ग्रुप) और इंस्ट्रूमेंटल बैंड। कैलेंडर पर पहला कार्यक्रम आमतौर पर कॉलेज फ्रेशर्स होता है जहाँ ARIA, हिंदू कॉलेज परिवार के नए सदस्यों के लिए एक शानदार शो प्रस्तुत करता है। इसके बाद, सोसायटी पूरे देश में सभी प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में भाग लेती है और गैर–प्रतिस्पर्धी गिग्स और संगीत कार्यक्रमों में भी भाग लेती है। सोसायटी नियमित रूप से अभ्यास कर रही है और दिल्ली विश्वविद्यालय में लगभग सभी उत्सवों में भाग लेकर जीत हासिल कर रही है। इस प्रक्रिया में प्रशंसा और सराहना मिलती है।

कॉकस–चर्चा मंच

कॉकस–द डिस्कशन फोरम हिंदू कॉलेज का प्रमुख समूह चर्चा और मॉडल यूनाइटेड नेशंस सोसाइटी है। इसका उद्देश्य युवाओं को उनके आस–पास के प्रासंगिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाना और उन्हें वैश्विक समाज में सूचित और बुद्धिमान व्यक्तियों के रूप में उनकी भूमिकाओं के प्रति जागरूक करने के लिए एक मंच बनाना है। इसे प्राप्त करने के लिए, कॉकस मॉडल यूनाइटेड नेशंस प्रारूप में समूह चर्चा और औपचारिक बहस करता है। सोसाइटी पूरे शैक्षणिक सत्र में हर हफ्ते सामान्य रुचि से लेकर समसामयिक मामलों तक के मुद्दों पर समूह चर्चा आयोजित करती है। यह छात्रों को लीक से हटकर सोचने, विचारधाराओं को पोषित करने, व्यावहारिक परिवर्तनों का स्वागत करने, विचारों को आत्मसात करने के लिए प्रोत्साहित करता है।मंछात्रों को एक अच्छे राजनयिक के गुण सिखाए जाते हैं: आत्मविश्वास, संज्ञान, सुसंगति, दृढ़ता। समाज के सदस्य दो प्रमुख कार्यक्रमों के आयोजन में शामिल हैं:–

(क) अंतर्राष्ट्रीय हिंदू मॉडल संयुक्त राष्ट्र

मॉडल यूनाइटेड नेशंस संयुक्त राष्ट्र संगठन का एक अकादमिक अनुकरण है जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को नागरिक शास्त्र, प्रभावी संचार, वैश्वीकरण और बहुपक्षीय कूटनीति के बारे में शिक्षित करना है। मॉडल यूएन में, छात्र विदेशी राजनयिकों के रूप में भूमिका निभाते हैं और

संयुक्त राष्ट्र, निकायों, अंतर–सरकारी संगठन और क्षेत्रीय संगठनों के एक प्रेरित सत्र में भाग लेते हैं। IHMUN देश के सबसे बड़े डन्छ सम्मेलनों में से एक है। IHMUN में भारत के प्रमुख संस्थानों की भागीदारी देखी गई है, जिसमें विभिन्न IIT, सेंट स्टीफंस कॉलेज, सेंट जेवियर्स कॉलेज, NLS (नेशनल लॉ स्कूल) बैंगलोर और NLU (नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी) दिल्ली शामिल हैं। इसमें भारतीय उपमहाद्वीप, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, कनाडा आदि के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के छात्रों की अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी भी देखी गई है।

(ख) कम्पास

वक्ताव्य, वार्षिक समूह चर्चा उत्सव और IHMUN के माध्यम से, कॉकस का लक्ष्य अपनी पकड़ को बढ़ाना और लोगों, मुद्दों और बहस के स्तरों की व्यापक श्रेणी तक पहुँचना है, जो पहले से कहीं ज़्यादा है। यह डीयू में अपनी तरह का पहला समूह चर्चा उत्सव है और इसका उद्घाटन 2010 में हुआ था। इसके प्रतिभागियों द्वारा भी इसका काफी इंतजार किया जाता है और इसका समर्थन किया जाता है, जिनमें से ज्यादातर देश भर के कॉलेजों और संस्थानों के विद्यार्थी हैं। यह उत्सव उन्हें विचारों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, और साथ ही उन्हें प्रभावी और निष्पक्ष निर्णय लेने वाले बनने के लिए तैयार करता है।

सीडीएफ–कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन सोसाइटी

सीडीएफ सोसाइटी कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 25 के तहत पंजीकृत एक गैर–लाभकारी संगठन है। इसका हिंदू कॉलेज चौप्टर एक युवा–नेतृत्व वाली शाखा है जो संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ संरेखित उद्यमशीलता कार्रवाई के माध्यम से स्थायी परिवर्तन लाने पर केंद्रित है। सीडीएफ युवाओं को अभिनव, समुदाय–संचालित परियोजनाओं के माध्यम से गरीबी, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सशक्त बनाता है। हिंदू कॉलेज चौप्टर एसडीजी 1 (गरीबी उन्मूलन), 3 (अच्छा स्वास्थ्य), 4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा) और 8 (सभ्य कार्य) को प्राथमिकता देता है, जिसमें नीचे दिए गए अनुभागों में उल्लिखित विभिन्न पहल शामिल हैं।

दिशा – प्लेसमेंट सेल

दिशा – प्लेसमेंट सेल छात्रों और उद्योग के पेशेवरों के बीच की खाई को पाटने में सहायक रहा है, जिससे विद्यार्थियों को सूचित कैरियर विकल्प बनाने और उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाने में मदद मिली है। एक महत्वपूर्ण इंटरफेस के रूप में कार्य करते हुए, सेल कॉरपोरेट्स को छात्रों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, भर्तीकर्ताओं को प्लेसमेंट, इंटर्नशिप, फेलोशिप और आर्टिकलशिप के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवारों की पहचान करने में सहायता करता है। पिछले कुछ वर्षों में AB InBev] Bain & Company, और DE Shaw & Co- सहित 30 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियाँ हमारे प्लेसमेंट प्रोग्राम में उत्सुकता से भाग ले रही हैं। छात्रों को हिंदू कॉलेज के विद्यार्थियों और पूर्व विद्यार्थियों को दिशा द्वारा प्रदान किए जाने वाले असाधारण कैरियर के अवसरों का लाभ उठाने के लिए खुद को उम्मीदवार के रूप में नामांकित करना होगा।

DISHA
Disha's
WALL OF FAME 2025
THE PLACEMENT CELL, HINDU COLLEGE
HC
HINDU
COLLEGE, DELHI

HINDU COLLEGE

अर्थलिंग्स–वन्यजीव समाज

कॉलेज की पारिस्थितिक समितियों में, अर्थलिंग्स – द वाइल्डलाइफ सोसाइटी अपने उत्साह, सक्रिय भागीदारी और लोकप्रियता के लिए सबसे अलग है। यह सोसाइटी न केवल पर्यावरण शिक्षा के प्रति कॉलेज की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि विद्यार्थियों और व्यापक परिसर समुदाय के बीच पारिस्थितिक जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका उद्देश्य प्रकृति के प्रति जिज्ञासा और प्रशंसा को बढ़ावा देना है और वन्यजीवों से संबंधित समस्याओं के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करना है। वन्यजीव संरक्षण के एक उत्साही प्रचारक के रूप में और ऐसा करने वालों के साथ काम करने के इच्छुक और उससे भी अधिक, अर्थलिंग्स जैव विविधता से समृद्ध स्थानों पर शैक्षिक क्षेत्र यात्राओं का आयोजन करते हैं। ये भ्रमण सदस्यों को वन्यजीवों और संरक्षण के बारे में गहन, व्यावहारिक सीखने के अनुभव प्रदान करते हैं। वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के सहयोग से, अर्थलिंग्स प्रभावशाली धन उगाही और जागरूकता अभियान चलाता है, जिससे कॉलेज से परे इसकी पहुंच और प्रभाव बढ़ता है। अपने सामुदायिक सहभागिता प्रयासों के अलावा, अर्थलिंग्स प्रोजेक्ट सियाही भी चलाता है, जो वंचित क्षेत्रों में बच्चों को पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में शिक्षित करने के लिए समर्पित एक पहल है।

ये सभी पहल मिलकर पृथ्वीवासियों को पारिस्थितिक जागरूकता, कार्रवाई और परिवर्तन के लिए एक गतिशील शक्ति बनाती हैं।

चुनावी साक्षरता क्लब

2017 में स्थापित, हिंदू कॉलेज में चुनावी साक्षरता क्लब (ईएलसी) समर्पित है चुनावी जागरूकता को बढ़ावा देना और छात्रों के बीच जिम्मेदार नागरिकता को प्रोत्साहित करना, संकाय, और व्यापक समुदाय। कॉलेज के मूल मूल्यों के साथ संरेखित, क्लब विभिन्न प्रकार के इंटरैक्टिव, शैक्षिक और के माध्यम से लोकतांत्रिक भागीदारी को बढ़ावा देता है।

ईएलसी एक समावेशी और प्रतिनिधि निकाय के रूप में कार्य करता है, जिसमें संकाय, शिक्षक और अन्य लोगों की भागीदारी होती है। विद्यार्थियों और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए यह एक विविधतापूर्ण कार्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को अवसर प्रदान करता है चर्चाओं और बहसों से लेकर मतदाता जागरूकता तक, नागरिक गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से आगे बढ़ना जागरूकता कार्यक्रम और विशेषज्ञों द्वारा संचालित सेमिनार। यह क्लब विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने में मदद करता है। जैसे कि सार्वजनिक भाषण, आलोचनात्मक सोच और राजनीतिक साक्षरता, साथ ही लोकतांत्रिक मूल्यों का संचार करना।

एनेक्टस

2013 में स्थापित एनेक्टस हिंदू कॉलेज छात्रों और अकादमिक नेताओं को एक साझा मिशन के साथ एक साथ लाता है: समुदायों के उत्थान और जरूरतमंद लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए उद्यमशीलता की शक्ति का दोहन करना। हमारी यात्रा प्रोजेक्ट श्रेष्ठ से शुरू हुई, जो एनेक्टस हिंदू कॉलेज द्वारा की गई पहली पहल थी। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) के खादी विभाग के सहयोग से शुरू की गई इस परियोजना का उद्देश्य दिल्ली के बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में रहने वाली महिलाओं में उद्यमशीलता कौशल विकसित करना था। अगरबत्ती बनाने के व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से, प्रोजेक्ट श्रेष्ठ ने इन महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए सशक्त बनाया।

अंग्रेजी वाद–विवाद सोसायटी

स्वतंत्रता–पूर्व युग के दौरान 1930 के दशक में स्थापित इंग्लिश डिबेटिंग सोसाइटी, कॉलेज की सबसे पुरानी और सबसे प्रतिष्ठित सोसाइटियों में से एक है। विभिन्न विभागों के 60 सदस्यों के साथ, हम संसदीय और पारंपरिक दोनों तरह की बहसों में भाग लेते हैं। हमारा ध्यान बौद्धिक रूप से खुले और समावेशी माहौल में आलोचनात्मक सोच, मजबूत तर्क और एक अच्छी तरह से गोल ज्ञान आधार को बढ़ावा देने पर है।

हम चार प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं: प्रेमचंद स्मारक वाद–विवाद, संजय श्रीवास्तव स्मारक वाद–विवाद, कयामतः महिला और लैंगिक–लैंगिक अल्पसंख्यक वाद–विवाद, और राहतः धन संचय टूर्नामेंट – इन सभी में भारत और विदेश के अग्रणी संस्थानों से भागीदारी होती है।

मित्र कोना – परामर्श कक्ष

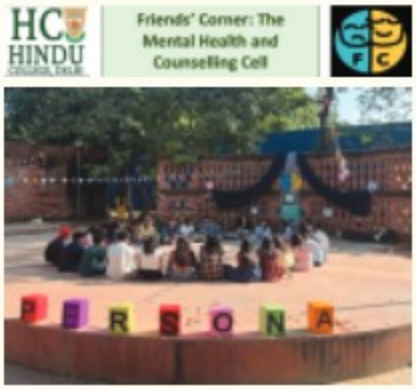

यह सोसाइटी सभी विद्यार्थियों को एक मूल्यवान 'मानव संसाधन' के रूप में पहचानती है। यह मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और अधिक सहानुभूतिपूर्ण और समावेशी परिसर संस्कृति बनाने के लिए इंटरैक्टिव कार्यशालाओं, जागरूकता अभियान और इंटरैक्टिव गतिविधियों का आयोजन करती है। इसका उद्देश्य प्रमुख मुद्दों पर जागरूकता फैलाना, जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना और विद्यार्थियों को सशक्त बनाना है ताकि वे उच्च स्तर के आत्म–सम्मान के साथ जिम्मेदार, आत्मविश्वासी और स्वतंत्र व्यक्ति बन सकें। अपने मूल में, फ्रेंड्स कॉर्नर केवल एक परामर्श सेवा नहीं है, यह एक मित्र, एक संरक्षक और प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षणिक और व्यक्तिगत यात्रा में समर्थन का एक मजबूत स्तंभ है। इस प्रकार, फ्रेंड्स कॉर्नर का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच 'कल्याण' की सामान्य भावना को बढ़ावा देना है और यदि वांछित है, तो व्यक्तिगत परामर्श प्रदान करता है, ताकि उन्हें कुशल और प्रभावी व्यक्ति बनने में मदद करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जा सके।

गांधी अध्ययन मंडल

हिंदू कॉलेज का गांधी स्टडी सर्किल एक छात्र–नेतृत्व वाली संस्था है जो महात्मा गांधी के आदर्शों और दर्शन को बढ़ावा देती है। यह अहिंसा, सत्य और सामाजिक न्याय पर व्याख्यान, चर्चा, फिल्म स्क्रीनिंग और आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करता है। यह संस्था समकालीन मुद्दों के संदर्भ में गांधीवादी विचारों के साथ आलोचनात्मक जुड़ाव को प्रोत्साहित करती है। यह अक्सर छात्रों के बीच नागरिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए गैर सरकारी संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ सहयोग करती है। अपनी गतिविधियों के माध्यम से, इसका उद्देश्य आज के समाज में गांधीवादी मूल्यों को प्रासंगिक बनाए रखना है।

हिंदू कंसल्टिंग ग्रुप

हिंदू कंसल्टिंग ग्रुप स्टार्ट–अप और बड़ी कंपनियों को बेहतरीन, उच्च–स्तरीय परामर्श सेवाएँ प्रदान करता है, जो टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने वाले अभिनव समाधानों के लिए हमारे उद्योग ज्ञान का लाभ उठाता है। हमारा लक्ष्य भविष्य के सलाहकारों को आवश्यक कॉर्पोरेट कौशल से लैस करके उन्हें सशक्त बनाना है। हम वित्त पोषित और गैर–वित्त पोषित स्टार्ट–अप, प्रतिष्ठित कंपनियों और गैर सरकारी संगठनों को रणनीति और प्रबंधन परामर्श सेवाएँ प्रदान करते हैं, जिसमें विशिष्ट शोध, मूल्यांकन, विश्लेषण, विपणन रणनीति, विकास और विस्तार रणनीति, उत्पाद और मूल्य निर्धारण रणनीति, पिच डेक का निर्माण और बहुत कुछ शामिल है। हमने 35 से अधिक परियोजनाएँ पूरी की हैं, जिनमें से हमारे कुछ प्रसिद्ध ग्राहकों में IPV वेंचर्स, जोमैटो फीडिंग इंडिया, टीच फॉर इंडिया, पोषण, क्राउड, अनस्टॉप, किन्नर और कई अन्य शामिल हैं।

हर साल, हम अपनी प्रतिष्ठित केसबुक जारी करते हैं, जिसमें विभिन्न केस स्टडीज, मार्केट एंट्री फ्रेमवर्क और बहुत कुछ का व्यापक संकलन होता है, जो लगभग 3000 व्यक्तियों को लाभान्वित करते हुए साक्षात्कार की तैयारी और प्रदर्शन का समर्थन करता है। हिंदू कंसल्टिंग ग्रुप में अनुसंधान और विश्लेषणात्मक प्रभाग विभिन्न पहलों पर व्यापक शोध और विश्लेषण करने के लिए समर्पित है।

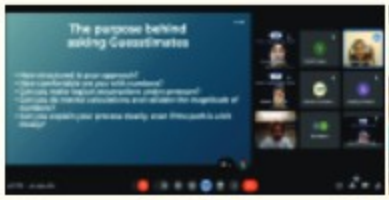

हिंदू कॉलेज क्वीर कलेक्टिव

हिंदू कॉलेज क्वीर कलेक्टिव (HCQC) दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज का छात्र–नेतृत्व वाला LGBTQIA+ रिसोर्स सेल है, जो विविध क्वीर पहचानों की अभिव्यक्ति और अन्वेषण के लिए एक सुरक्षित और समावेशी स्थान बनाने का प्रयास करता है। हम क्वीर, प्रश्न पूछने वाले और संबद्ध छात्रों के लिए एक प्रतिनिधि निकाय के रूप में काम करते हैं, उनके अधिकारों और जरूरतों की वकालत करते हुए क्वीर अनुभवों के भीतर अंतरसंबंध पर बड़े समुदाय को शिक्षित करते हैं। नवंबर, 2024 में, HCQC ने एक जीवंत प्राइड परेड का आयोजन किया, जिसके पहले कॉलेज के सभागार में एक सांस्कृतिक समारोह आयोजित किया गया, एक ऐसी पहल जो हिंदू कॉलेज के भीतर विशिष्ट रूप से पोषित है, जिसे विश्वविद्यालय के अन्य स्थानों में शायद ही कभी देखा गया हो।

इब्तिदाः द ड्रामेटिक्स सोसाइटी

इब्तिदा हिंदू कॉलेज की प्रशंसित नाट्य संस्था है। इसने लगातार थिएटर करने के मानकों और अपेक्षाओं को बढ़ाया है और इस प्रकार इसे दिल्ली विश्वविद्यालय के थिएटर सर्किट में सबसे अधिक मांग वाले समूहों में से एक माना जाता है। यह संस्था नियमित और शास्त्रीय मंच प्रदर्शनों से लेकर अधिक सहज और सोच–समझकर तैयार किए गए नुक्कड़ नाटकों तक विभिन्न प्रकार के थिएटर का पोषण करती है। पिछले कुछ वर्षों में, इब्तिदा ने धीरे–धीरे प्रदर्शनों में इलेक्ट्रॉनिक मल्टीमीडिया को शामिल किया है और साथ ही यह दिल्ली विश्वविद्यालय के एकमात्र कॉलेज के रूप में भी खड़ा है जो अभी भी माइम थिएटर की पुरानी दुनिया की कला को बरकरार रखता है। इब्तिदा की स्थापना 1991 में संकाय सदस्यों, डॉ. हरीश नवल (हिंदी विभाग) और सुश्री सुचित्रा गुप्ता (इतिहास विभाग) के साथ–साथ थिएटर के शौकीन श्री इम्तियाज अली के संयुक्त प्रयासों से हुई थी, जो आगे चलकर प्रसिद्ध और बहुत पसंद किए जाने वाले बॉलीवुड निर्देशक बन गए। इब्तिदा अपनी विरासत का श्रेय अपने

UNMAAD
Written & Directed by
Vansh Raj Kaul

EKAKI

Winners

PREMIERING
SOON
PREM
KUTI

सदस्यों की अथक मेहनत और समर्पण को भी देती है। वार्षिक कैलेंडर की शुरुआत में, नए प्रवेश के बाद, इब्तिदा उन छात्रों के लिए ऑडिशन आयोजित करता है जो समाज का हिस्सा बनना चाहते हैं। इब्तिदा में हर साल औसतन एक दर्जन से ज़्यादा नुक्कड़ नाटकों का मंचन होता है, जिसमें लैंगिक भेदभाव से लेकर भ्रष्टाचार तक के विभिन्न सामाजिक सरोकार शामिल होते हैं। थिएटर समूह विशिष्ट सामाजिक पहलों के संबंध में लक्षित समूहों को प्रेरित करने में भी भाग लेता है। समाज का वार्षिक उत्सव मदीना सामाजिक मुद्दों पर आयोजित किया जाता है।

मंथन द क्विजिंग सोसाइटी

मंथन हिंदू कॉलेज की क्विज सोसाइटी है। संतुलित टीम गठन की सुविधा के लिए हिंदू कॉलेज के क्विजर्स को एक साथ लाने और इस तरह कई क्विज जीतने के लिए समर्पित, सोसाइटी कॉलेज की ओर से क्विज भी आयोजित करती है। हाल ही में सोसाइटी ने मक्का, वार्षिक हिंदू कॉलेज उत्सव के लिए तीन क्विज आयोजित किए। सदस्यों का चयन चयन परीक्षा में उनके प्रदर्शन के साथ–साथ पूरे वर्ष उनके प्रदर्शन और क्विज–मेकिंग के आधार पर किया जाता है। उन्हें सामान्य क्विज प्रारूपों, क्विज–मेकिंग, होस्टिंग और संगठन में प्रशिक्षित किया जाता है। सोसाइटी ने विभिन्न क्विज प्रतियोगिताओं में शीर्ष पुरस्कार जीते हैं।

मास्क–अंग्रेजी नाट्य समाज

हिंदू कॉलेज की प्रतिष्ठित इंग्लिश ड्रामेटिक सोसाइटी मास्क, महत्वाकांक्षी कलाकारों के लिए एक प्रतिष्ठित मंच है। रोमांचक तीन–राउंड ऑडिशन प्रक्रिया के साथ, मास्क एक प्रतिभाशाली और समावेशी समूह तैयार करता है जो असाधारण प्रदर्शन देने के लिए समर्पित है। 2011 से, सोसाइटी ने सत्तर से अधिक उल्लेखनीय शो बनाए हैं, जिन्हें दिल्ली और बाहर प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में मान्यता मिली है। मास्क अपना वार्षिक थिएटर फेस्टिवल – मास्करेड आयोजित करता है, जिसमें दिल्ली कॉलेजिएट थिएटर सर्किट के विभिन्न कॉलेजों में कुछ बेहतरीन स्टेज प्रस्तुतियाँ दिखाई जाती हैं, जो थिएटर पावरहाउस के रूप में मास्क की स्थिति को मजबूत करती हैं।

नक्षत्र– फैशन सोसायटी

नक्षत्र, फैशन सोसाइटी महत्वाकांक्षी फैशन डिजाइनरों और मॉडलों के लिए एक जीवंत स्थान है। यह एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है जहाँ रचनात्मकता सहयोग से मिलती है, जिससे छात्रों को फैशन के लिए अपनी प्रतिभा का पता लगाने और उसे व्यक्त करने का मौका मिलता है। हम फैशन के प्रति उत्साही लोगों के लिए फैशन डिजाइनिंग और रनवे दोनों के क्षेत्रों में अपने कौशल को बढ़ाने के लिए एक समावेशी वातावरण बनाते हैं, हम उन्हें कॉलेज परिसर से परे उद्योग में एक एक्सपोजर भी प्रदान करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में नक्षत्र ने कई प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीतकर कॉलेज का नाम रोशन किया है। सोसायटी ने वर्ष 2024–25 के लिए अपना वार्षिक आयोजन "कालचक्र" तैयार किया है, जिसमें प्राचीन भारतीय परंपरा और समय के साथ इसकी उत्कृष्टता को दर्शाया गया है। प्रदर्शन करने वाली टीम ने कई फैशन वॉक प्रतियोगिताओं में भाग लिया और कई प्रतिष्ठित खिताब हासिल किए।

'पनाचे', हर साल आयोजित होने वाला फैशन इवेंट है जिसमें प्रतिष्ठित कॉलेजों की विभिन्न प्रसिद्ध टीमें भाग लेती हैं।

उत्तर–पूर्व सेल

कॉलेज का नॉर्थ–ईस्ट सेल इसकी सबसे सक्रिय सोसाइटी में से एक है, जो उत्तर–पूर्वी राज्यों के छात्रों को अपनी अनूठी, विविध संस्कृतियों और समृद्ध विरासत को व्यक्त करने और प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह एक ऐसी जगह के रूप में भी काम करता है जहाँ छात्र अपनी चिंताओं को साझा और संबोधित कर सकते हैं, जिससे घर से दूर एक दोस्ताना और समावेशी माहौल बनाने में मदद मिलती है। सेल नियमित रूप से उत्तर–पूर्वी राज्यों की कम ज्ञात संस्कृतियों और परंपराओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए काम करता है, जबकि इस क्षेत्र से जुड़ी रूढ़ियों और मिथकों को सक्रिय रूप से खारिज करता है। इन प्रयासों के माध्यम से, इसका उद्देश्य हमारे संविधान की प्रस्तावना में निहित भाईचारे, एकता और अखंडता की भावना को बढ़ावा देना है। इन लक्ष्यों को कई तरह के अभिनव कार्यक्रमों और अभियानों के माध्यम से आगे बढ़ाया जाता है, जिसमें वार्ता, सेमिनार, रचनात्मक रील, वीडियो और इसके वार्षिक पत्रिका और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिखाए जाने वाले लेख शामिल हैं। इसकी कुछ उल्लेखनीय पहलों में गलतफहमी दूर करना, द फूड सीरीज और अन्य शामिल हैं।

सेल का वार्षिक उत्सव, एनईटीम, एक जीवंत, बहुआयामी कार्यक्रम है जो उत्तर–पूर्व भारत की कला, संस्कृति और इतिहास का जश्न मनाता है। यह क्षेत्र के हस्तशिल्प, भोजन, कपड़े, साहित्य और समकालीन विकास को प्रदर्शित करता है, साथ ही संगोष्ठियों और चर्चाओं के माध्यम से इसकी चुनौतियों और चिंताओं को भी संबोधित करता है।

पंचतत्व – हिंदू कॉलेज की पर्यावरण सोसायटी

हिंदू कॉलेज की पर्यावरण सोसायटी पंचतत्व, पाँच मूलभूत तत्वों– पृथ्वी (पृथ्वी), जल (जल), अग्नि (अग्नि), वायु (वायु) और अंतरिक्ष (आकाश) की प्राचीन भारतीय अवधारणा से प्रेरणा लेती है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे ब्रह्मांड के मूल तत्त्व हैं। 1999 में अपनी स्थापना के बाद से, पंचतत्व एक जीवंत और गतिशील मंच के रूप में विकसित हुआ है जो पारिस्थितिक संतुलन और पर्यावरणीय स्थिरता के लोकाचार को दर्शाता है। यह सोसायटी वृक्षारोपण अभियान, रीसाइक्लिंग पहल, सफाई अभियान, जागरूकता मार्च, जलवायु परिवर्तन पर कार्यशालाएँ, पर्यावरण–थीम वाली कला और फोटोग्राफी प्रदर्शनियाँ, और प्रमुख पर्यावरण गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग सहित कई सार्थक गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को जोड़ती है। इन पहलों का उद्देश्य न केवल जागरूकता फैलाना है, बल्कि परिसर में सक्रिय पर्यावरणीय नागरिकता की संस्कृति को बढ़ावा देना भी है। पंचतत्व इस विश्वास पर काम करता है कि वास्तविक, स्थायी परिवर्तन जमीनी स्तर पर शुरू होता है, और जब व्यक्ति सूचित और प्रेरित होते हैं, तो वे सामूहिक रूप से प्रकृति के साथ समाज के संबंधों में पर्याप्त परिवर्तन ला सकते हैं। सोसायटी का आदर्श वाक्य, भविष्यसूचक चेतावनी से लिया गया है, 'जब आखिरी पेड़ कट जाएगा, आखिरी नदी जहरीली हो जाएगी, और आखिरी मछली मर जाएगी, तभी हमें एहसास होगा कि हम पैसे नहीं खा सकते,' पर्यावरण क्षरण की तात्कालिकता और गंभीरता का एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है। हिंदू कॉलेज अकादमिक उत्कृष्टता और समग्र विकास को बढ़ावा देना जारी रखता है, पंचतत्व स्थिरता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का आधार बना हुआ है। प्रत्येक बीतते वर्ष के साथ, सोसायटी न केवल एक पर्यावरण वकालत समूह के रूप में, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए ग्रह को संरक्षित करने के लिए समर्पित एक आंदोलन के रूप में अपनी भूमिका की पुष्टि करती है।

संहिता–भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक समाज

संहिता का उद्देश्य सभी समाजों को अपने प्रदर्शन प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। इसमें न केवल सांस्कृतिक बल्कि भाषा और साहित्य के आयोजन भी शामिल हैं। यह अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत के साहित्यिक विभागों के साथ मिलकर प्रस्तुतियाँ, संगोष्ठियाँ, प्रतिलेख वाचन आदि आयोजित करता है ताकि छात्रों को साहित्य और भाषाओं का गहन अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। यह समाज संपूर्ण रहस्यमय और भारतीय संस्कृति के सौंदर्यपरक पहलुओं को व्यापक दर्शकों, विशेषकर युवाओं तक पहुंचाना।

विज्ञान मंच

हिंदू कॉलेज के विज्ञान मंच की स्थापना प्रेरित छात्रों और समर्पित संकाय सदस्यों के एक समूह द्वारा कक्षाओं के बाहर विज्ञान का अध्ययन करने और सामाजिक विज्ञान और मानविकी को साथ लेकर कॉलेज के विज्ञान विभागों के बीच खुली बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए की गई थी। अंतःविषय अनुसंधान के महत्त्व को स्वीकार करते हुए, मंच नियमित रूप से अंतःविषय प्रकृति की वार्ता और संगोष्ठियों का आयोजन करता है। हाल के कार्यक्रमों में पोषण सप्ताह, आहार का जीवंत उत्सव "क्वांटम कंप्यूटिंग" और रहस्यमय "मायावी न्यूट्रिनो" पर आकर्षक चर्चाएँ और एक आकर्षक "चंद्रमा अवलोकन रात" शामिल हैं।

स्क्राइब – साहित्यिक समाज

2011 में स्थापित, स्क्राइब महत्वाकांक्षी लेखकों को अपने रचनात्मक आउटपुट को दूसरों के साथ साझा करने के लिए एक केंद्र बिंदु प्रदान करता है जो लिखित शब्द के लिए उनके जुनून को साझा करते हैं। इस प्रकार, सोसायटी युवा लेखकों को लेखन की नई शैलियों को अपनाने, सोसायटी की साप्ताहिक बैठकों में प्रस्तुतियाँ देने और दूसरों से मिलने वाली प्रतिक्रिया के साथ विकसित होने के लिए प्रेरित और चुनौती देती है। काफी अनुशासित तरीके से काम करते हुए, सोसायटी अपने सदस्यों को एक विषय सौंपती है जिसे उनमें से प्रत्येक को संबोधित करना होता है। जादुई यथार्थवाद, काल्पनिक समाज और भय जैसे विषयों ने ऐसे विषय प्रदान किए हैं जो अतीत में छात्रों को आकर्षित करते रहे हैं। सोसायटी हिंदू कॉलेज के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव MECCA के लिए रचनात्मक लेखन कार्यक्रम आयोजित करती है। इसके छात्रों ने पूरे परिसर में आयोजित विभिन्न रचनात्मक लेखन कार्यक्रमों में कॉलेज को गौरवान्वित किया है। सोसायटी युवा छात्रों की कल्पना के अभ्यास के लिए एक पोषण स्थान प्रदान करती है, जो विद्वानों के निर्णय से मुक्त है।.

एससी–एसटी सेल

दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज में एससी/एसटी सेल की स्थापना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशों (डीओएफ संख्या 1–7/2011 (एससीटी)) के अनुसार की गई थी। सेल का प्राथमिक उद्देश्य अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के विद्यार्थियों के कल्याण को बढ़ावा देना है, ताकि कॉलेज समुदाय के भीतर उनका शैक्षणिक और सामाजिक एकीकरण सुनिश्चित हो सके।

स्पिक मैके

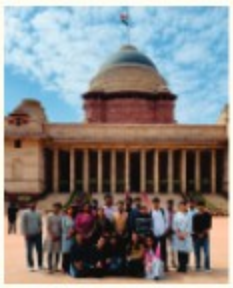

हिंदू कॉलेज में युवाओं में भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति के प्रचार के लिए सोसायटी का अध्याय परिसर समुदाय का एक जीवंत और अभिन्न अंग है। सोसायटी युवा मस्तिष्कों को भारतीय सभ्यता के शाश्वत मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना चाहती है, विशेष रूप से निष्काम कर्म (निःस्वार्थ कार्य) और स्वयंसेवा की भावना के आदर्शों पर जोर देती है।

पूरे वर्ष, छात्र स्वयंसेवा के माध्यम से सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, जिससे प्रतिबद्धता और उद्देश्य की गहरी भावना विकसित होती है। अध्याय में सिनेमा क्लासिक्स सहित कई तरह की गतिविधियाँ शामिल हैं, जहाँ कालातीत फिल्में दिखाई जाती हैं और उन पर चर्चा की जाती हैय हेरिटेज क्लब, जो भारत की सांस्कृतिक ताने–बाने की समृद्धि की खोज करता हैय और हेरिटेज वॉक जो इमर्सिव अनुभवों के माध्यम से इतिहास को जीवंत करते हैं। साप्ताहिक बैठकें संवाद और योजना के लिए मंच के रूप में काम करती हैं, जिससे निरंतर सीखने और चिंतन को सुनिश्चित किया जाता है।

इनके अलावा, यह अध्याय लोक परंपराओं और शिल्प की सुंदरता का जश्न मनाता है, शास्त्रीय कलाओं के अनुशासन और सुंदरता को बढ़ावा देता है, और योग और ध्यान सत्रों के माध्यम से समग्र कल्याण का पोषण करता है। कुल मिलाकर, हिंदू कॉलेज का स्पिक मैके अध्याय प्रत्येक छात्र को सांस्कृतिक रूप से जागरूक, संवेदनशील और कुशल बहुआयामी व्यक्तित्व के रूप में आकार देने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाता है। स्पिक मैके की स्थापना 1977 में डॉ. किरण सेठ ने की थी।

सृज्या– कोरियोग्राफी सोसाइटी

2003 में स्थापित, सृज्या हिंदू कॉलेज की कोरियोग्राफी सोसाइटी है। जैज, बैले और समकालीन जैसे नृत्य रूपों में निहित, सृज्या अन्य नृत्य सोसाइटियों से अलग है, क्योंकि यह विचारोत्तेजक प्रदर्शन प्रस्तुत करती है जो आंदोलन को अर्थ के साथ मिलाती है। प्रत्येक वर्ष, सोसाइटी एक अद्वितीय थीम पर केंद्रित एक शक्तिशाली दस मिनट की प्रस्तुति तैयार करती है, जिसका उद्देश्य कहानी कहने और कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से एक स्थायी प्रभाव पैदा करना है। सृज्या ने बिट्स पिलानी, आईआईआईटी दिल्ली, आईआईटी, एनआईटी और दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, और हर प्रतियोगिता में स्थान हासिल किया है जिसमें यह भाग लेती है। हमारे कॉलेज की अन्य नृत्य सोसाइटियों–आरंभ और अधीरता के सहयोग से, सृज्या वार्षिक नृत्य उत्सव अराम्या का भी सह–आयोजन करती है, जो रचनात्मकता, अभिव्यक्ति और नवाचार का जश्न मनाता है। अपने मूल में, सृज्या अनुशासन, समर्पण और नृत्य के लिए एक मजबूत जुनून के सिद्धांतों से प्रेरित है जो बहुत कुछ कहता है – शक्तिशाली संदेश देना और विचारशील संवाद को प्रोत्साहित करना।

TEDx हिंदूकॉलेज

TEDx Hindu College एक ऐसा मंच है जहाँ प्रतिभाशाली लोगों को एक साथ लाया जाता है, ताकि वे विभिन्न विषयों पर विचार–केंद्रित बातचीत कर सकें, जिससे सीखने, प्रेरणा को बढ़ावा मिले और महत्वपूर्ण बातचीत को बढ़ावा मिले। हमारा उद्देश्य युवाओं को विचार, नवाचार और सृजन के लिए प्रेरित करने के लिए लचीलापन, नवाचार और खोज की कहानियों को एक साथ लाकर लाखों लोगों को प्रेरित करना है। अपनी स्थापना के बाद से, हम लगातार विकसित हुए हैं, सफल TEDx कार्यक्रमों का आयोजन किया है जिसने कई उपस्थित लोगों के जीवन को छुआ है। TEDx Hindu College का नेतृत्व उत्साही व्यक्तियों की एक समर्पित टीम द्वारा किया जाता है जो प्रत्येक कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपना समय और विशेषज्ञता स्वेच्छा से देते हैं। हम परिवर्तन लाने के लिए विचारों की शक्ति में विश्वास करते हैं, और हमारी टीम असाधारण TEDx अनुभवों को क्यूरेट करने और निष्पादित करने के लिए अथक प्रयास करती है।

उद्यमिता प्रकोष्ठ हिंदू कॉलेज

2016 से, ई–सेल हिंदू महत्वाकांक्षी उद्यमियों के लिए एक गतिशील मंच रहा है, जो शैक्षिक संसाधन, सलाह और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करता है, साथ ही एक सहयोगी वातावरण को बढ़ावा देता है जहाँ विद्यार्थी परंपराओं को चुनौती देते हैं और उद्यमिता को अपनाते हैं। हमारी उपलब्धियों में भारत मंडपम, IIIT दिल्ली, राइज़ डेल गुरुग्राम और अशोका बिज़नेस कॉन्क्लेव में वर्ल्ड फूड इंडिया जैसे प्रमुख सम्मेलनों में प्रतिनिधियों को भेजना, छात्रों को पिच प्रेजेंटेशन का अनुभव देने के लिए आइडिया 5.0 की मेजबानी करना और गुड फूड इंस्टीट्यूट और राइज़ डेल जैसे संगठनों के साथ प्रभावशाली परियोजनाओं पर सहयोग करना शामिल है। हम प्रौद्योगिकी माह, डेटा विश्लेषण माह, विपणन माह और वेंचर कैपिटल माह सहित व्यापक कौशल–निर्माण बूटकैंप आयोजित करते हैं, जबकि हमारे वार्षिक ई–शिखर सम्मेलन में सीईओ नीलामी और उद्यमिता प्रश्नोत्तरी जैसी आकर्षक गतिविधियाँ शामिल हैं। इन पहलों के माध्यम से, ई–सेल हिंदू ने खुद को एक आत्मनिर्भर नेटवर्क के रूप में स्थापित किया है जो प्रेरित व्यक्तियों को उद्यमशीलता के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और कनेक्शन से लैस करता है, जिससे उद्यमशीलता की दुनिया में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार सपने देखने वालों, काम करने वालों और नवोन्मेषकों का एक समृद्ध समुदाय बनता है।

फिल्म प्रशंसा सोसायटी

फिल्म एप्रिसिएशन सोसाइटी की स्थापना 2019 में की गई थी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा मंच तैयार करना था जो बौद्धिक तरीके से फिल्मों का अध्ययन करने, किसी किरदार की गहराई तक पहुँचने, किसी फिल्म के सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव, किरदारों की बारीकियों, लेखन, निर्देशन और बहुत कुछ को समझने में मदद करे। फिल्म एप्रिसिएशन सोसाइटी चर्चा करती है और ईमानदारी, सामाजिक–राजनीतिक प्रासंगिकता वाले सिनेमा को दिखाती है ताकि छात्रों को शिक्षित किया जा सके और उन्हें 'सामाजिक' के प्रति अधिक संवेदनशील बनाया जा सके। सोसाइटी के काम को तीन उद्देश्यों में विभाजित किया जा सकता है। प्राथमिक उद्देश्य उन टुकड़ों पर फिल्म स्क्रीनिंग की मेजबानी करना है जिनका सामाजिक–राजनीतिक महत्व है और बाद में दर्शकों को विषय से जोड़ने के लिए उस पर चर्चा आयोजित करना है। एक दूसरे उद्देश्य के रूप में यह सिनेमा विशेषज्ञों और विद्वानों को आमंत्रित करता है, विद्यार्थियों के साथ एक संवादात्मक सत्र के लिए विभिन्न प्रस्तुतियों के कलाकारों और क्र के साथ पैनल चर्चा आयोजित करता है। तीसरे उद्देश्य के रूप में, सोसाइटी फिल्म–निर्माण के शिल्प पर ध्यान केंद्रित करती है जहाँ छात्र सहयोगी परियोजनाएँ लेते हैं और फिल्में बनाते हैं। सोसाइटी के विद्यार्थी विभिन्न उत्सवों और प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और अपनी प्रतिभा के लिए प्रशंसा प्राप्त करते हैं।

वित्त एवं निवेश प्रकोष्ठ

वित्त और निवेश सेल एक प्रमुख विद्यार्थी–नेतृत्व वाला संगठन है जो हमारे कॉलेज के भीतर वित्तीय साक्षरता, व्यावहारिक कौशल और उद्योग जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उनका मिशन विद्यार्थियों को वित्त, निवेश और आर्थिक रुझानों की मजबूत समझ के साथ सशक्त बनाना है, उन्हें लगातार विकसित हो रही वित्तीय दुनिया में सफल करियर के लिए तैयार करना है।

सोसायटी ने अपने प्रमुख कार्यक्रम, फाइनेंशियल कोलोसियम का आयोजन किया, जो एक रोमांचक शोकेस था जिसमें तीन प्रमुख प्रतियोगिताएं शामिल थीं, बुल्स बनाम बॉर्ड्स, एक गतिशील मॉकस्टॉक जो प्रतिभागियों को वास्तविक समय के स्टॉक मार्केट सिमुलेशन अनुभव प्रदान करता था, कैपिटल केस चैलेंज, जहां छात्रों ने वास्तविक दुनिया के व्यापार और वित्तीय समस्याओं से निपटा, और 221 बी वॉल स्ट्रीट, डिक्रिप्ट प्रतियोगिता जो जटिल वित्तीय परिदृश्यों को डिकोड करने में विश्लेषणात्मक और समस्या–समाधान कौशल का परीक्षण करती थी।

इन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के अलावा, सोसायटी ने प्रसिद्ध संगठनों के साथ मिलकर लाइव फाइनेंस प्रोजेक्ट पेश किए, जिससे सदस्यों को उद्योग प्रथाओं और नेटवर्किंग अवसरों के बारे में अमूल्य जानकारी मिली। वे वित्तीय परिदृश्य में नवीनतम विकास पर लगातार, व्यावहारिक लेख भी प्रकाशित करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उनके सदस्य और व्यापक कॉलेज समुदाय उभरते रुझानों और बाजार की गतिविधियों से अवगत और जुड़े रहें।

संगोष्ठी : संसदीय समिति

संगोष्ठी : संसदीय समाज एक नीति और विचार–विमर्श मंच है जो जांच की संस्कृति को बढ़ावा देने, विद्यार्थियों को नीति विश्लेषण, विधायी और शैक्षणिक अनुसंधान और प्रकाशन में अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित है। यह समाज सार्थक संवाद और बौद्धिक जुड़ाव के माध्यम से आलोचनात्मक सोच, प्रभावी संचार और सामाजिक चेतना का पोषण करता है। यह हिंदू दरबार, पीएम और सीसी साक्षात्कार और वाद–विवाद सहित वार्षिक संसदीय गतिविधियों, अंतर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन सम्मेलन, प्रमुख कार्यक्रम एक्यम का आयोजन करता है, साथ ही हिंदू कॉलेज गजट का प्रकाशन भी करता है। इसके अलावा, यह नियमित रूप से समूह चर्चा, प्रस्तुतियाँ, वृत्तचित्र स्क्रीनिंग और नीति मामले की प्रतियोगिताएँ आयोजित करता है ताकि युवा दिमागों को संवाद और असहमति की भावना से पोषित किया जा सके।

वाग्मी – हिंदी वाद–विवाद समिति

'वाग्मी' हिंदी वाद–विवाद समिति, वर्ष–2005 से निरंतर समसामयिक विषयों व ज्वलंत मुद्दों पर विचारों के साझेदारी का मंच है। हिन्दू कॉलेज की सक्रिय व लोकप्रिय संस्था के रूप में वाग्मी का विशिष्ट स्थान है। 'वाग्मी' अपने कॉलेज की गरिमा व विशिष्टता को निरंतर आगे बढ़ाने में प्रयासरस है। प्रति सप्ताह समिति द्वारा चार अभ्यास सत्र आयोजित किए जाते हैं, जिनमें सदस्य किसी भी समसामयिक मुद्दे पर परिचर्चा/वाद–विवाद करते हैं। साथ ही समिति के सदस्य पूरे सत्र के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय प्रतिनिधित्व करते हैं। समिति की ओर से प्रति सत्र 4–5 प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जाता है। सत्र 2015–16 में समिति ने अपने दस वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम जश्न–ए–सफ़र का भव्य आयोजन करवाया था जिसमे मनोज तिवारी, चँद्रकुमार बोस, अभय कुमार दूबे तथा अनुज धर जैसी विशिष्ट हस्तियों ने भाग लिया।

विवरे–फिल्म और फोटोग्राफी सोसायटी

विवरे, फिल्म और फोटोग्राफिक सोसायटी, कॉलेज की सबसे सक्रिय सोसायटी में से एक है, जो फिल्मों और प्रदर्शनियों के माध्यम से छात्रों को इन क्षेत्रों में जानकारी प्रदान करती है।.यह नियमित रूप से फिल्म स्क्रीनिंग, चर्चा सत्र, फोटोग्राफी महोत्सव और प्रतियोगिता आदि जैसे कार्यक्रम आयोजित करता है। विवरे ने प्रतिभा आडवाणी की डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'तिरंगा' की स्क्रीनिंग का आयोजन किया, जिसे उन्होंने 'सिनेमा और देश' का एक शानदार मिश्रण कहा।.लुटियन दिल्ली की झलक दिखाने के लिए कॉनॉट प्लेस तक एक फोटो वॉक का आयोजन किया गया।

विवरे ने प्रधानमंत्री की बहस को कवर करने के लिए हिंदू कॉलेज की सिम्पोजियम सोसाइटी के साथ सहयोग किया है.वीडियो बनाए गए, जिनमें विभिन्न पदों के लिए खड़े उम्मीदवारों से आगामी वर्ष के लिए उनके एजेंडे के बारे में पूछा गया।

महिला विकास प्रकोष्ठ

हिंदू कॉलेज का महिला विकास प्रकोष्ठ महिला विकास प्रकोष्ठ सभी लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा सामना किए जाने वाले संरचनात्मक और सामाजिक हाशिए पर होने वाले भेदभाव के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभाता है और समाज में उनके सशक्तिकरण और उत्थान के लिए काम करता है। महिला विकास प्रकोष्ठ कॉलेज समुदाय को लैंगिक अधिकारों, लैंगिक समानता और सशक्तीकरण से संबंधित मुद्दों पर संवेदनशील बनाता है। यह प्रकोष्ठ सेमिनार, कार्यशालाएँ, वाद–विवाद, नुक्कड़ नाटक, फिल्म स्क्रीनिंग और बहुत कुछ आयोजित करने में पहल करता है। महिला विकास प्रकोष्ठ सभी लैंगिक समूहों के व्यक्तियों का सदस्य के रूप में स्वागत करता है।

विभिन्न संस्थाओं के संपर्क सूत्र

180 Degrees Consulting
https·Jlbind11college ac in/stu-societies-details aspx?Id=43
Aarambh - The Western Dance Society
bttps·Ubiod11cnllege ac in/sh1-sncieties-details aspx?Id=1
Abhirang: The Hindi Dramatics Society
bttps·//biodI1college ac io/stu-societies-details aspx:2Id..:2
Abhyas - The Internship Cell
bttps·//biodI1college ac io/stu-societies-details aspx:2h:E3.
Abstractions: The Fine Art Society
bttps·//hindI1c0Uege ac io/st11-societies-details aspx:21d.:4
Adhrita - The Indian Dance Society
bttps·//biod11college ac io/stu-societies-details aspx21..cE.5.
Alankar -The Indian Music Society
bttpsJlhind11college ac in/sh1-societies-details aspx?Id=6
Ankur: The Enabling Unit (Equal Opportunity Cell)
bttps·I/biodI1college ac io/stu-societies-details asp.x2Id.:.Z
Aria The Western Music Society
bttps·//bind11c0Uege ac in/sh1societiesdetails aspx'.2Id.:.a
Buniyaad: The Civil Services Society
https·Jlbind11college ac in/sh1societies-details aspx?Id=38
Caucus The Discussion Forum
bttps·//biod11college ac in/stusocietiesdetails aspx21J:E.9.
Earthlings· TheWildlife Society
bttps·//biod11college ac in/stusocietiesdetails asp.x'.2kE.10.
ECell Hindu
https·/Ibinducollege ac in/stu-societies-details aspx?Id=39
Enactus
bttps·//biod11college ac in/stusocietiesdetails aspx2Id.::.11
English Debating Society
bttps·//hind11c0Uege ac in/sh1societiesdetails aspx2ki.:.12
Friends Corner
bttps·//biod11college ac in/stusocietiesdetails aspx21J:E.1.3.
Gandhi Study Circle
https·/Jbind11college ac in/stu-societies-details aspx?Id=45
Hindu College Queer Collective (HCQC)
https·/Jbinducollege ac in/stusocieties-details aspx?Id=41
Hindu Consulting Group
bttps·I/hinducollege ac in/stu-societies etails aspx?Id=40

Ibtlda The Dramatics Society
bttps·//biod11college ac in/stusocietiesdetails asp.x2Id.::.1A
Manthan The Quizzing Society
bttps·//hind11c0Uege ac in/sh1societiesdetails asp.x2Id..:.1...6.
Masque The English Dramatics Society
https·//hiod11college ac in/sh1societiesdetails aspx?Id=17
Nakshtra The Fashion Society
https·//biod11college ac in/sh1societiesdetails aspx?Id=18
NCC National Cadet Corps
bttpsJ/biod11college ac in/sh1societiesdetails aspx?Id=19
NSS National Social Service
https·/Ibind11college ac in/stlM;ocieties-details aspx?Id=20
Panchtatva The Environmental Society
bttps·//biod11college ac in/stusocietiesdetails asp.x1Id..:.1..5.
Samhlta The Language,LIterature and Cultural Society
https·/Ibind11college ac in/st11..societies-details aspx?Id=22
Scribe TheCreative Writing Society
https·/Ibind11college ac in/stu..societies-details aspx?Id=24
SC/ST Cell
https·/IbInd11college ac In/st11-societies-details aspx?Id=46
Spic Macay Society for the Promotion of Indian Classical Music And Culture Amongst Youth
https·//bind11college ac in/stusocieties-details aspx?Id=26
Srijya: The Choreography Society
https·JIbinducollege ac in/stusocieties-details aspx?Id=21
Symposium Parliament of the Republic of Hindu College
https·/Jbinducollege ac in/stusocieties-details aspx?Id=27
TEDX Hindu College
https·//bind11college ac in/stusocieties-details aspx?Id=42
The Film Appreciation Society
https·/Ibind11college ac in/stusocieties-details aspx?Id=44
The Finance & Investment Cell
https·/Jbinducollege ac in/stusocieties-details aspx?Id=37
The Science Forum
https·/Jbind11college ac in/stusodeties-details aspx?Id=23
Vivre The Film and Photographic Society
https·/Ibind11college ac in/st11..societies-details aspx?Id=28

प्रतिष्ठित पूर्व छात्र हिंदू कॉलेज

Estd 1899 - Hindu College continues to transform Dreams into Reality

30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
INDIA
57
58
59
60
61
62
63

POLITICS AND GOVERNANCE

1. **Rao Inderjit Singh,** Minister of State for Corporate Affairs, GoI
2. **Dr. Subramanian Swamy,** Politician, Economist and Former Minister of Law and Justice, GOI
3. **Meenakshi Lekhi,** Former Minster of State for External Affairs,GoI
4. **Hardeep Singh Puri,** Union Minister of Petroleum and Natural Gas, GoI
5. **Harini Amarasuriya,** Prime Minister of Sri Lanka
6. **Pema Khandu,** Chief Minister, Arunachal Pradesh

ADMINISTRATION AND PUBLIC SERVICE

7. **Vikram Misri,** Foreign Secretary of India
8. **Vinod Rai,** 11th Comptroller and Auditor General of India
9. **T C A Rangachari,** IFS, Former Ambassador to Algeria, France, and Germany
10. **Yashovardhan Azad,** IPS (Retd.), Spl Dir IB, Secy Security, GOI
11. **Ashok Lavasa,** IAS, Election Commissioner of India (Retd.)
12. **Asha Swaroop,** IAS (Retd.), Former Independent Director at REC Ltd.
13. **Arun Bhagat,** IPS, Former IB Chief

PUBLIC POLICY AND ACADEMIA

14. **Ila Patnaik,** Economist, Former Principal Economic Advisor, GOI
15. **Senior Economist,** White House Council of Economic Advisers
16. **Brahma Chellaney,** Author & Professor, Centre for Policy Research
17. **Dr. Kavita A. Sharma,** Former President, South Asian University

JUDICIARY AND LAW

18. **Justice Y. K. Sabharwal,** Former Chief Justice of India
19. **Justice Mukul Mudgal,** Former Chief Justice of Punjab and Haryana High Court
20. **Justice G.S. Sistani,** Former Delhi High Court Judge
21. **Justice Manmohan,** Supreme Court of India Judge
22. **Justice Mini Pushkarna,** Delhi High court Judge
23. **Justice Siddharth Mridul,** Delhi High Court Judge
24. **Justice S Ravindra Bhat,** Former Supreme Court of India Judge
25. **Lalit Bhasin,** Senior Advocate, President, Society of India Law Firms

SCIENCE AND RESEARCH

26. **Seetha Somasundaram,** Emeritus Scientist, Raman Research Institute, Ex-director of Space Science Program, ISRO
27. **Dr. Naresh Trehan,** Managing Director, Medanta Medicity Hospital

ART, CULTURE, AND LITERATURE

28. **Dr. Kapila Vatsayayan,** Founding Director, Indira Gandhi National Centre for the Arts
29. **Madhup Mudgal,** Classical Vocalist, Principal, Gandharva Mahavidyalaya
30. **Gulzar Dehlvi,** Poet
31. **Bal Swaroop Rahi,** Poet and Lyricist
32. **Amitava Kumar,** Journalist & Professor of English
33. **Dr. Mahesh Rangarajan,** Political Analyst, Formerly Professor in History, DU
34. **Leela Gandhi,** Professor of English, University of Chicago
35. **Mirza Farhatullah Baig,** Urdu Writer

MEDIA AND JOURNALISM

36. **Srinivasan Jain,** Television Journalist, Former Mumbai Bureau Chief, NDTV
37. **TCA Srinivasa Raghavan,** Journalist and Writer, The Hindu Business Line
38. **A K Bhattacharya,** Group Managing Editor, Business Standard
39. **W D Mathur,** Bureau Chief, Indian Express
40. **Neha Khanna,** Deputy Editor & Senior Anchor, News9
41. **Amit Arora,** Anchor and Presenter, Doordarshan and A.I.R.

CINEMA AND ENTERTAINMENT

42. **Motilal,** Actor
43. **Manoj Kumar,** Actor
44. **Vishal Bhardwaj,** Film Director and Music Composer
45. **Rekha Bhardwaj,** Singer
46. **Tisca Chopra,** Actor
47. **Abhishek Chaubey,** Film Director
48. **Arjun Rampal,** Actor
49. **Imtiaz Ali,** Film Director

SPORTS

50. **Ajay Jadeja,** Cricketer
51. **Akash Chopra,** Cricketer
52. **Gautam Gambhir,** Cricketer
53. **Vinay Lamba,** Cricketer
54. **Gursharan Singh,** Athlete, Former Secretary General, Paralympic Committee of India
55. **Tenzing Niyogi,** Former CEO, Ultimate Kho Kho
56. **Arshpreet Bhullar,** Basketball Player
57. **Gursharan Singh,** Cricketer

INDUSTRY AND ENTREPRENEURSHIP

58. **Ajay Bijli,** Director, PVR Chain of Multiplexes
59. **Kavita Ramdas,** President and CEO, Global Fund for Women
60. **Deeksha Suri,** Executive Director, Lalit Suri Hospitality Group
61. **Sanjeen Sawhney,** Managing Director, Anb Auto India Pvt Ltd
62. **Rajesh Mehra,** Director, Jaquar Group
63. **Kuldip Singh Dhingra,** Chairman, Berger Paints India Ltd.

A GLIMPSE OF CELEBRATIONS OF

125 GLORIOUS YEARS OF HINDU COLLEGE IN 2024

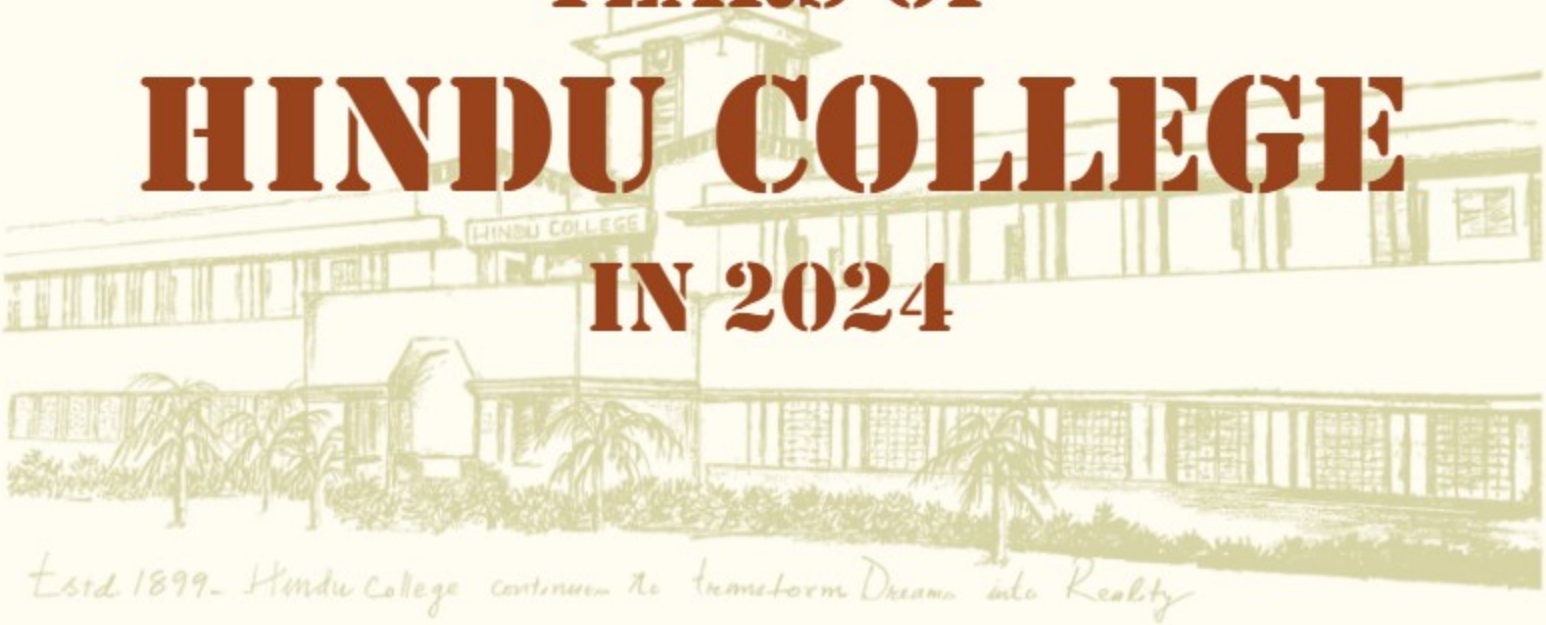

HINDU COLLEGE
mahotsava

HINDU COLLEGE
विद्यालय ऑस्ट्रेलिया की "हैण्ड बुक्स ऑफ फेस्टिवल 2018"
अध्याय पाटोन्दा की ढाई कड़ी की रामलीला पर आधारित है
ढाई कड़ी की
रामलीला
पाटोन्दा,

HINDU COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
mahotsava
Kabeer Gayan

abstractions

HINDU COLLEGE

HINDU COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI

HINDU COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
mahotsava
musical
WITH

HINDU COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
presents
Quasquicentennial
March
A symbolic journey celebrating glorious history, academic excellence, and enduring legacy of Hindu College
14 February, 2024

HINDU
COLLEGE

महत्त्वपूर्ण सूचना

हेल्पलाइन परामर्श सेवाएँ

दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने जनसंख्या शिक्षा संसाधन केंद्र के अंतर्गत एचआईवी, एड्स, कामुकता, नशीली दवाओं के दुरुपयोग और किशोरों के मुद्दों पर हेल्पलाइन परामर्श सेवाएँ शुरू की हैं। सेवाएँ 27667280, 27667225/303 पर सुबह 9.50 बजे से शाम 5.00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। (सोमवार से शुक्रवार)। कॉलेज कॉलेज के समय में परामर्श सेवाएँ प्रदान करते हैं।

सभी कक्षाओं में शिक्षण कार्य दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार शुरू होगा।

छुट्टियों के दिनों को छोड़कर, तथा छुट्टियों के दौरान, शिक्षण (व्याख्यान, ट्यूटोरियल/प्रीसेप्टोरियल) प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अधिसूचित साप्ताहिक समय सारिणी के अनुसार सोमवार से शनिवार तक प्रत्येक सप्ताह छह दिन होगा।

पहचान पत्र

कॉलेज के हर विद्यार्थी को एक पहचान पत्र जारी किया जाता है जिसे उसे हर समय अपने साथ रखना होता है। जब भी मांगा जाएगा तो उसे इसे दिखाना होगा। विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में अपना नया पहचान पत्र ले लेना चाहिए। कॉलेज छोड़ते समय पहचान पत्र जमा करना होगा। पहचान पत्र खो जाने की स्थिति में, 400/– का भुगतान करके कार्यालय से डुप्लिकेट कार्ड जारी किया जा सकता है। इसके लिए विद्यार्थी को पहले पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करानी होगी।

अस्वीकरण

प्रत्येक इस दस्तावेज की विषय–वस्तु को प्रमाणित करने का पूरा ध्यान रखा गया है। यहां दी गई जानकारी केवल निम्नलिखित से संबंधित है।

(1) हिंदू कॉलेज द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रम, इसमें निहित जानकारी दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रासंगिक नियम, अध्यादेश और कानून अंतिम होगा।

(2) प्रॉस्पेक्टस में निहित डेटा केवल सांकेतिक है, और इसका उपयोग कानूनी उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

वैधानिक चेतावनी

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार, कोई भी विद्यार्थी के रैगिंग गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर न केवल उसे कॉलेज से निष्कासित कर दिया जाएगा। बल्कि उनके खिलाफ दिल्ली पुलिस में एफआईआर भी दर्ज की जाएगी।

हिंदू कॉलेज धूम्रपान निषिद्ध क्षेत्र है

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पुलिस और वर्ल्ड लंग फाउंडेशन के साथ साझेदारी कर रहा है। जिसका उद्देश्य है, दक्षिण एशिया में तम्बाकू मुक्त वातावरण को बढ़ावा देना। इस दिशा में एक कदम के रूप में, हमारे शिक्षा संस्थानों में धूम्रपान पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

हिंदू कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली–110007, भारत

27667184
principal @hinducollege.org
www.hinducollege.ac.in